



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 46] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 15, 1986 (कार्तिक 24, 1908)
No. 46] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 15, 1986 (KARTIKA 24, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखायरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

कार्मिक तथा प्रशिक्षण, प्रशा० सुधार,
लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्टूबर 1986

सं० बी-5/69-प्रशासन-5—राष्ट्रपति, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के उप विधि सलाहकार, श्री बी० वाई० राजु को दिनांक 13-10-86 (अपराह्न) से अगले आदेश होने तक, कें० अ० ब्यूरो में, अपर विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-20023/1/76-प्रशा०-5—प्रत्यावर्तन होने पर, श्री कृष्ण कुमार, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, जम्मू यूनिट की सेवाएं, दिनांक 8 सितम्बर, 1986 अपराह्न से जम्मू एवं कश्मीर राज्य पुलिस को सौंपी जाती हैं।

धर्मपाल भल्ला

प्रशासन अधिकारी (स्था०)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1986

सं० 2/18/85-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियन्ता (सिविल) श्री एस० के० मित्तल को इस आयोग में सहायक तकनीकी परीक्षक (सिविल) के पद पर स्थानापन्न रूप से वेतनमान रु० 2000-60-2300-द० रो० 75-3200-100-3500 के अतिरिक्त रु० 150 विशेष वेतन में 1-10-1986 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 अक्टूबर 1986

सं० 1/2/85-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा इस आयोग में स्थायी सहायक श्री कंवल नैन को अनुभाग अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से वेतनमान रु० 2000-60-2300-द० रो० 75-3200-100-3500 में 22-9-86 (पूर्वाह्न) से 3 माह की अवधि के लिए या अगले आदेश तक जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

मनोहर लाल

अवर सचिव (प्रशासन)

हुते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1986

सं० 18/11/86-प्रशा०-II—केन्द्रीय अंगुल छाप ब्यूरो, कलकत्ता के उप अधीक्षक श्री ओ० यू० चेरियन को केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, चंडीगढ़ में दिनांक 28 जुलाई, 1986 (अपराह्न) से पुलिस उप अधीक्षक (अनुदेशक अर्थात् इंस्ट्रक्टर) के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर प्रथम दृष्टांत में एक वर्ष के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० 18/12/86-प्रशा०-II—केन्द्रीय अंगुलिछाप ब्यूरो कलकत्ता के निरीक्षक श्री एस० एन० बैनर्जी को केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, कलकत्ता में पुलिस उप-अधीक्षक (अनुदेशक अर्थात् इंस्ट्रक्टर) के पद पर प्रथम दृष्टांत में दिनांक 14 जुलाई, 1986 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाता है।

एस० के० मल्लिक

महा निदेशक

महानिदेशालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 23 अक्टूबर 1986

सं० ई-28017/10/84-कार्मिक-II—निवर्तन की आयु होने के फलस्वरूप सेवा निवृत्त होने पर, श्री आर० आनकीरमन, ने 30 सितम्बर, 1986 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय, मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

(ह०) अपठनीय

महानिदेशक, के० ओ० सु०

श्रम एवं पुनर्वासि मंत्रालय

श्रम विभाग

(श्रम ब्यूरो)

क्षिमला-171004, दिनांक: 7 नवम्बर 1986

सं० 5/1/86-सी. पी. आई.—सितम्बर, 1986 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) अगस्त, 1986 के स्तर 672 से चार अंक बढ़ कर 676 (: छः सौ छियस्तर) रहा। सितम्बर, 1986 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 822 (आठ सौ बाईस) आता है।

बल राम
उप-निदेशक
श्रम ब्यूरो

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

महालेखाकार (ले० व ह०) का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 6 अक्टूबर 1986

सं० ले० व ह०/का० स्था० (ह० व रो०)/4/10-3/85-86—इस कार्यालय के निम्नलिखित कर्मचारी अधिर्वाप्ति के कारण 30-9-1986 अपराह्न से सेवानिवृत्त हो गया है।

श्री एन० एस० नीलकण्ठन् नायर—लेखा अधिकारी।

एम० एम० बी० अण्णावी
महालेखाकार

महालेखाकार (ले० प०) का कार्यालय, महाराष्ट्र

बम्बई-400020, दिनांक 23 अक्टूबर 1986

सं० प्रशा० 1/ले० प०/सामान्य/ले० प० अ०/सं० ले० प० अ०/1 (1)/3—महालेखाकार (लेखा परीक्षा), महाराष्ट्र के निम्नलिखित अधिकारी, अधिर्वाप्ति के कारण, दिनांक 30-9-1986 अपराह्न से, सेवानिवृत्त हुए :—

1. श्री एस० वाय० भिडे लेखा परीक्षा अधिकारी
2. श्री आर० बी० पडुकोण लेखा परीक्षा अधिकारी
3. श्री आर० एन० मुलबागल लेखा परीक्षा अधिकारी
4. श्री आर० पी० पाटिल सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी

सं० प्रशा०-1/ले० प०/सामान्य/ले० प० अ०/1(1)/4—महालेखाकार महोदय ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखी गयी तिथियों से प्रभावी, पुनः आदेश जारी होने तक, लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त किया है।

क्र० सं०	नाम	ले० प० अ० पद पर नियुक्ति की तिथि
1.	श्री आर० पी० देवरस	18-9-86 (पूर्वाह्न)
2.	श्री पी० जी० जोशी	1-9-86 „
3.	श्री जी० एम० मातोडे	18-9-86 „
4.	श्री एस० एस० वैद्य	15-9-86 „

शुभ लक्ष्मी
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 14 अक्टूबर 1986

सं० 68/जी/86—निरक्षण जिम्मेदारियों के डी०जी०आई० से डी० जी० ओ० एफ० में स्टेज/इन्टर स्टेज को हस्तान्तरण

के फलस्वरूप राष्ट्रपति, महोदय, निम्नलिखित अन्तर्गत
डी० जी० आई० अधिकारियों को जे० एस० ओ०/एस० ओ० के
उप पर आयुध निर्माणीयों में दिनांक 15-10-84 से नियुक्त
करते हैं :—

जे० एस० ओ० (इंजीनियर)

1. श्री जे० एम० धाउयान
2. श्री बी० आर० शर्मा
3. श्री एस० वी० श्रीवास्तवा
4. श्री प्रेम सरण
5. श्री वी० संकरण
6. श्री एम० वी० थमास
7. श्री एस० के० टयानडन
8. श्री वीरेन्द्र सिंह
9. श्री पी० के० दिवेदी
10. श्री के० एल० साहा
11. श्री लाल चन्द
12. श्री मुरारी लाल

(रसायनविस्त)

1. श्री एम० सुब्रामानियम
2. श्री जे० उयाई० जितगोडे
3. श्री आर० एन० बोटे
4. श्री एम० के० कामबेल
5. श्री वी० प्रभाकर
6. श्री टि० वी० माणि
7. श्री जि० आर० जोशी
8. श्री एस० एन० अताववाडे
9. श्री वी० टि० ईले
10. श्री पि० डी० सेनडे
11. श्री के० सुकुमारन
12. श्री बि० डी० रामुगाडी
13. श्री आर० पी० राय

(धातुकर्मी)

1. श्री डि० के० दत्ता
2. श्री के० डी० स्यामी

एस० ओ० (गैर तकनीकी)

1. श्री वी० ई० यादव
2. श्री जी० एस० रेखी

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1986

आयात-निर्यात व्यापार नियन्त्रण

(स्थापना)

सं० 1/17/86-प्रशा०-(राज०)/5095—राष्ट्रपति, श्री एस० के० सूद, भारतीय प्रशा० सेवा (हिमाचल प्रदेश : 71) को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात (केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र) नई दिल्ली के रूप में, भारत सरकार के निदेशक के वेतन के बराबर के वेतन, पर 13 अक्टूबर, 1986 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

राजीव लोचन मिश्र

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(वाणिज्य विभाग)

वाणिज्यिक जानकारी एवं अंक संकलन महानिदेशालय

कलकत्ता-700001, दिनांक 2 जून 1986

सं० एस्ट-1/1(1)85/10775—इस निदेशालय की अधि-सूचना सं० एस्ट-1/1(1)85/5837, दिनांक 20-11-1985 को अनुवर्ती में श्री कुमुद रंजन विश्वास, स्थायी अधीक्षक, वाणिज्यिक जानकारी एवं अंकसंकलन महानिदेशालय, कलकत्ता को, 15-5-86 से अगले तीन महीनों की अवधि हेतु यंत्र सारणीयन अधिकारी (मशीन टेबुलेशन, अफसर) के पद पर,, तदर्थ आधार पर बने रहने की अनुमति दी जाती है।

नियुक्ति की शर्तें पूर्ववत् बनी रहेंगी।

एस० आर० सेनगुप्ता

वरिष्ठ उप महानिदेशक

वस्त्र मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 22 अक्टूबर 1986

सं० 2(3)ई०एस० टी०-1/86/4435—वस्त्र आयुक्त के प्रादेशिक कार्यालय अहमदाबाद के श्री के० एच० भाटिया नियमित सहायक निदेशक, श्रेणी दो (अ० त०), जो तदर्थ आधार पर श्रेणी एक (अ० त०) के रूप में स्थानापन्न थे, दिनांक 5-5-1986 के अपराह्न से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हो गए।

एम० ए० असह्न
संयुक्त निदेशक/जी

अरुण कुमार
वस्त्र आयुक्त

उद्योग मंत्रालय

(खान विभाग)

औद्योगिक विकास विभाग

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 16 अक्टूबर, 1986

नई दिल्ली, दिनांक 2 मितम्बर, 1986

सं० ए-19018(120)/73-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, त्रिचूर के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (इलेक्ट्रॉनिक्स) श्री वी० के० हसन, का सरकारी सेवा से त्यागपत्र दिनांक 18-12-84 (अपराह्न) से स्वीकार करने हैं।

राधारमण फौजदार
उप निदेशक (प्रशा०)

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्टूबर, 1986

सं० 1908, (761)/84-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, श्री अमिताभ भौमिक को दिनांक 12 सितम्बर, 1986 से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली में सहायक औद्योगिक डिजाइनर के रूप में नियुक्त करने हैं।

दिनांक 20 अक्टूबर, 1986

सं० 12(430)/64-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्ली के उपनिदेशक श्री टी० एन० वामु (धातु कर्म) को, दिनांक 19-9-86 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नागपुर में, निदेशक, ग्रेड-2 (धातु-कर्म) के पद पर, तदर्थ आधार पर, नियुक्त करने हैं।

दिनांक 21 अक्टूबर, 1986

सं० ए०-19018 (778)/85-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), श्री प्रार० के० सरकार को दिनांक 7-10-86 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली में, सहायक निदेशक (इंगलिश) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 14 अक्टूबर 86

सं० ई०-1-2(1)/85(.)—अधोहस्तक्षरी एन० द्वारा श्री सुशील कुमार दे, अधीक्षक को दिनांक 1-10-1986 के पूर्वाह्न से श्री ई० पी० नारायणन, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक की अवकाश रिक्ति पर सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

दीपक कुमार घोष

सं० 6856 बी/ए-19011 (1-ई० बी० आर० पी०)/86-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) श्री ई० वं० आर० पार्थसारथी, ने भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 30 जुलाई, 1986 के अपराह्न से छोड़ दिया, ताकि वे अन्तरिक्ष विभाग, भारत सरकार में वैज्ञानिक/अभियन्ता एस० ई० के पद का कार्यभार 1500-2000 रु० वेतनमान में, प्रारम्भिक रूप में दो वर्ष की अवधि के लिए, प्रति नियुक्ति की सामान्य शर्तों पर प्रतिनियुक्ति पर ग्रहण कर सकें।

सं० 6856 बी/ए-19012(2-आर० के० एम०)/85-19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक श्री रमाकांत मिश्र को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रों०-35-880-40-1000-द० रों०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतनमान में अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 28-4-1986 के अपराह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 6878 बी/ए-19012(3-सी आर०)/85-19 बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक, श्रीमती चन्द्रिमा राय को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650-30-740-35-810-द० रों०-35-880-40-1000-द० रों०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतनमान में अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 28-8-1986 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 20 अक्टूबर, 1986

सं० 6901 बी/ए-19012(2-जे० बी० आर०)/85-19 बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक श्री शम्मी बेंकट रामा राव को सहायक भूवैज्ञानिक विद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-880-द० रों०-35-880-40-1000-द० रों०-40-1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 22-7-1986 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 6912 बी/ए-19012 (1-एम० आर० बी०)/83-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री एम० आर० भूटियांनी ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के पद का कार्यभार 15-12-84 (अपराह्न) से त्यागपत्र पर छोड़ दिया।

अमित कुशारी
निदेशक (कार्मिक)

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर, 1986

सं० 6/63/86-एम-2—पदोन्नत होने पर, आकाशवाणी डिब्रूगढ़ से उनका स्थानान्तरण होने के फलस्वरूप, दूरदर्शन महानिदेशक द्वारा श्री महादेव सम्राट् को दूरदर्शन केन्द्र, गोहाटी में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर 29-8-86 (पूर्वाह्न) में नियुक्त किया जाता है।

बलवीर सिंह सन्धु
प्रशामन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1986

सं० 17/4/84-एस-4(बी)—पदोन्नति के परिणाम-स्वरूप श्री पी० आर० सुश्रामन्यम, बरिष्ठ इन्जीनियर सहायक ने 1-9-1986 (पूर्वाह्न) को दूरदर्शन उपग्रह केन्द्र, तुलसीपुर, कटक में सहायक अभियन्ता का कार्यभार संभाल लिया है।

बी० एस० जैन,
प्रशामन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1986

सं० ए-12025/2/84-प्रशामन-I—भारत के राष्ट्रपति की ओर से निदेशक, प्रकाशन विभाग श्री जगदीश प्रसाद को 650-1200 रुपये के वेतन मान में बाह्य संवर्ग, श्रेणी "बी" (राजपत्रित पद) पर 17-9-1986 (अपराह्न) से आगामी आदेशों तक अस्थाई आधार पर सहायक व्यापार व्यवस्थापक के रूप में नियुक्त करते हैं।

वे 17-9-1986 (अपराह्न) से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

ला० सु० रंगाराजन,
उप निदेशक (प्रशामन)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 18 सितम्बर 1986

संदर्भ : 7(50)/86/सत/1749—

आदेश

जबकि यह आरोप लगाया गया है कि :

“श्री सी० टी० जार्ज उच्च श्रेणी लिपिक कार्मिक प्रभाग, भा० प० अ० केन्द्र, जब प्रकाशन कार्यालय परमाणु ऊर्जा विभाग में उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर कार्य कर रहे थे, और जिन्हें 25 नवम्बर, 1985 से 23 अप्रैल, 1986 तक अवकाश स्वीकृत किया गया था, वे 24 अप्रैल, 1986 से अब तक अनधिकृत रूप से छुट्टी पर बने हुए हैं।

अपने उपर्युक्त आचरण से कथित श्री जार्ज ने कार्य के प्रति निष्ठा नहीं दिखाई, है और केन्द्रीय सिविल सेवाएं (आचरण) नियमों 1964 के नियम 3 के उप नियम (1) (II) तथा (III) के प्रावधानों का उल्लंघन किया है और ऐसा व्यवहार किया है जो कि उनके सरकारी कर्मचारी होने योग्य नहीं है।

और जब कि कथित श्री जार्ज को दिनांक 5 अगस्त 1986 के ज्ञापन सं० 7(50)/86/सत०/1331 के द्वारा उनके इस आरोप और केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील) 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत उनके विरुद्ध प्रस्तावित कार्यवाही में अवगत कराया गया था।

और जबकि कथित श्री जार्ज के अन्तिम ज्ञापन पर उपर्युक्त ज्ञापन की रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजा गया लिफाफा वापस बिना विनिरित हुए आ गया है।

और जबकि कथित श्री जार्ज इस कार्यालय को अपनी कोई जानकारी देने में असफल रहे हैं।

और जबकि कथित श्री जार्ज इस कार्यालय को अपनी कोई जानकारी दिए बगैर लगातार अनुपस्थित बने हुए हैं अतः अधोहस्ताक्षर कर्ता इस बात से सन्तुष्ट हैं कि अब केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण नियन्त्रण और अपील) नियमों 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत कोई जांच जारी रखना व्यवहारिक रूप से तर्क सम्मन नहीं है।

अतः अब अधोहस्ताक्षर कर्ता केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण नियन्त्रण और अपील) नियमों 1965 के नियम 12 के उप नियम (2) की धारा (बी) जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग के दिनांक 7 जुलाई, 1979 के आदेश सं० 22, (1)/68-प्रशा०-1 के अन्तर्गत प्राप्त हुए तथा कथित नियमों के नियम 19 (II) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए कथित श्री जार्ज को तत्काल प्रभाव से सेवा मुक्त करते हैं।

श्री जार्ज को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त, आदेश के प्रति अपील नियन्त्रक भा० प० अ० केन्द्र जोकि अपीलीकरण प्राधिकारी हैं के पास की जा सकती है। कोई अपील यदि है तो, इस आदेश की प्राप्ति के पैंतालिस दिनों के भीतर अपीलीकरण प्राधिकारी के पास की जानी चाहिए।

ती० जे० आसताणी

अध्यक्ष, कार्मिक प्रभाग

प्रतिलिपि :

- (1) श्री सी टी जार्ज द्वारा सी० बी० जानी चरडई हाउस पोस्ट कांस्टेबल्लार, जिला सिचूर केरल—680 672.
- (2) श्री सी० टी० जार्ज 2845 सेक्टर 11 टाइट 1 सी. जी. एम. क्वार्टर, अंटोपिडिल कोलीवाडा, बम्बई 40 00 37
- (3) प्रकाशन अधिकारी प० अ० वि० अनुशक्ति भवन, बम्बई—39.
- (4) लेखा अधिकारी (वेतन-4) (एन जी/102/872)
- (5) चरित्र पंजिका
- (6) सहा० कार्मिक अधिकारी, सांख्यिकी अनुभाग
- (7) उपस्थापना अधिकारी (सीपीएस)

यह आदेश जारी होने के दिनांक से लागू होगा।

बम्बई-400 085, दिनांक 23 अक्तूबर 1986

सं० डी/1938/मेडिकल/स्थापना-1/3993—डा० गौडार दिवाकर ने रेसिडेंट मेडिकल आफिसर (एफ० टी० ए०) का पद का पदभार दिनांक 11-8-1986 पूर्वाह्न को त्यागपत्र देने पर छोड़ दिया।

के० वेंकटकृष्णन
उप स्थापना अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्तूबर, 1986

सं० ए-32013/1/86-ई० एस०(ई-1)—राष्ट्रपति, श्री हरिहर प्रसाद, वरिष्ठ उड़न योग्यता अधिकारी को दिनांक 30-7-1986 (पूर्वाह्न) से 3 माह की अवधि के लिए नागर विमानन विभाग में, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास पर तदर्थ आधार पर उप निदेशक/नियन्त्रक उड़न योग्यता के ग्रेट में नियुक्त करते हैं।

एम० भट्टाचार्य
उप निदेशक प्रशासन

निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्तूबर, 1986

सं० 50/86—श्री जी० आर० देव ने, जो पहले सीमा शुल्क उप समाहर्ता आयात के कार्यालय गुड़गांव रोड, नयी दिल्ली में मूल्य निर्धारक के पद पर कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के फाइल संख्या ई-ए-32012/2/86-प्रशा०-II भरी दिनांक 17-9-86 के आदेश संख्या 155/86 के द्वारा सहायक निदेशक के पद पर पदोन्नति हो जाने पर निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नयी दिल्ली में 19-9-86 (पूर्वाह्न) को सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एन० के० बाजपेई
निरीक्षण, महा निदेशक

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला,

पुणे-24, दिनांक 23 सितम्बर, 1986

सं० 614/20/86—संघ लोज सेवा आयोग, नई दिल्ली, द्वारा की गई सिफारिश के पश्चात निदेशक, केन्द्रीय

जल और विद्युत अनुसंधान, शाला, खडकवासला, पुणे-24, एतद् द्वारा श्री धोंडीराम, नागयण जागडे, विधि सहायक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे की केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे में प्रशासन अधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में दिनांक 12 सितम्बर, 1986 से तीन सालों के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति करते हैं।

वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के दिनांक 4-5-61 के का० जा० संख्या 10(24)/स्था०-III/70, जिसमें समय-समय पर संशोधन किया गया है, उसकी शर्तों के अनुसार उनकी प्रतिनियुक्ति शासित की जाएगी।

एस० एल० जैन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
कृते निदेशक

उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय)

कम्पनी अधिनियम 1956 और मै० रसनेह इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर, 1986

सं० 11931/28794—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मै० रसनेह इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शात न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

टी० पी० शम्मी
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार
दिल्ली एवं हरियाणा

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) गोपालपुर टी० कं० लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) टानडो टी० कं० प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन का लप कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज 4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अक्टूबर 1986

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं० ए० सी० 12/एक्वी० आर०-4/कलकत्ता/86-87—अतः मुझे, आई० के० गायेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो जलपाईगुड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तर्धितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार धारा 269-घ के अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

विवेन्द्र चन्द्र टी० एस्टेट, जलपाईगुड़ी ।

दलील सं० 1986 का आई०-3090 ।

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 7-10-86

सोहर :

अन्तर्गत अधिनियम

(1) श्री शरत चन्द्र सूर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अगस्त 1986

निदेश सं० ए० सी० 11/एचबी० आर०-4/कलकत्ता/
86-87—अतः मुझे, आई० के० गायेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 135 है तथा जो गिरीश घोष रोड, हावड़ा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में छोर पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 27-2-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि अपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्थिति
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, विधान में सुविधा के लिए

जमीन 49 पीघा वि० 6 का० 3.6 स्केयरफीट जमीन
के साथ मकान 135 गिरीश घोष रोड, और 11/2 गुह रोड,
हावड़ा ।

दलील सं० 1986 का आई०-1379 ।

आई० के० गायेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-10-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती सविता कुमार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निदेश सं० जी० आई० आई० सं० बी-95/अर्जन—अतः

मुझे, श्रीमती सरोजनी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दो मंजिला मकान नं० 23/19 व 23/19/1 है तथा जो गोखले मार्ग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँदा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्दा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—326G1/86

1. विनोद कुमार अग्रवाल (नावा०)
2. राजेश कुमार अग्रवाल (नावा०)
3. विशाल कुमार अग्रवाल (नावा०)
4. मनोज कुमार अग्रवाल
5. आनन्द अग्रवाल (द्वारा पिता व संरक्षक श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल
6. मै० अमरीश विन्डर्स (प्रा०) लि०
7. मै० जूड इम्पे० एंजेलोज (प्रा०) लि०
8. श्री सुरज प्रसाद अग्रवाल
9. मै० जे० पी० होल्डिंग एवं लॉजिंग (प्रा०) लि०।
- 10- मै० प्रा० के० प्राप्रटो (प्रा०) लि०
11. श्रीमती सविता कुमार
12. श्रीमती गौरी राको श्री वास्तव
13. ए० के० जी० कनालस्टैट (प्रा०) लि० द्वारा डायरेक्टर डा० श्रीमती नमिता गुप्ता
14. श्री एस० हरचरन सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाह्य करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान म्युनिसिपल कारपोरेशन नं० 23/19 व 23/19/1 स्थित 1, गोखले मार्ग, लखनऊ कबर्ड एरिया 1000 वर्ग फीट मय भूमि पैनाइशो 61040 वर्ग फीट)। जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है।

श्रीमती सरोजनी लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-10-1986

मोहर :

प्रकृष बाई. पी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० जी-94/अर्जन-अतः
मुझे, श्रीमती सरोजनी लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पदनाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त गांव का मूल्य
1,00,000/- रु. में वर्णित है
और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 264/4, 290, 191/1
व 318/3, जियामऊ, लखनऊ में स्थित है (और इनमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), गिस्तीकती
अधिकारों के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रार कार्यालय,
1908 (190 का 16) के अंतर्गत जारी, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण का मुझे और मुझे जो विवक्षित
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है (यदि अंतरण (अन्तरण) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एंगे अंतरण के लिए तब पास गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से वर्णित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उसमें बढ़ने में सूविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महेश कुमार द्वारा अटार्नी
श्री निहाल व श्री भोला लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) गीत बिहार सहकारी आवास समिति लि०,
लखनऊ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलुक्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें उक्त पदों और पदों का, को उक्त
अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित
है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 204/4, 290, 291/1, 318/6,
पैमाईशी 9 बीघा 1.4 बिस्वा 9 बिस्वान्सी स्थित जियामऊ
लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

श्रीमती सरोजनीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-10-1986
मोहर :

प्ररूप भाई, टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

गद्दास, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4736/2/86-87—अतः

मुझे जी० आर० कौशिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5, ग्रामली, सिलवसा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध

अनुसूचा में आर पूरे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिलवसा में रजिस्ट्रार के अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्जन तारीख 28 सितम्बर, 1986 का प्रभावित समाप्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण का गड़ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वगत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरती (अंतरांतियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरांतरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० एम० संघवी ।

41, जुपीटर आर्टमेंट,
बम्बई-26 ।

.(अन्तरक)

(2) बिक्री जीप (भागीदारी पेखी)

27, छोटा स्ट्रीट फोर्ट,
बम्बई ।

(अन्तरांतरी)

का यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सका।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो ग्रामली, सिलवसा में स्थित है । सब रजिस्ट्रार, सिलवसा में 159 नं० पर दिनांक 25-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

सी० आर० कौशिक

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, ग्रहदाबाद

तारीख : 9-10-1986

मोहर :

प्रश्न आर्. टी. एन. एस. नं. 10

(1) श्री एम० एम० संघवी,
27, छोछा स्ट्रीट,
बम्बई ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) ई० जी० जीप इन्टरप्राइजेज प्रा० लि०,
घोषा स्ट्रीट, बम्बई ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृत्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

निदेश सं० प्री० आर० नं० 4737/2/86-87—अतः
मुझे, बी० आर० कौशिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना का प्रकाशन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और ज़िम्मी सं० प्लॉट नं० 52 ग्रामली में स्थित है (और
इसमें उठावड़ मालगी में और पूर्ण रूप से वर्गित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रक्रिया के अन्तर्गत, निम्नलिखित में रजिस्ट्रीकर्ता
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
24-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत का गड़ है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त के दृश्यमान प्रतिफल से, कम दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एक अन्तरण के लिए यह
प्राप्त गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुछ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 52 जो ग्रामली सिलवसा में स्थित है ।
सब रजिस्ट्रार, सिलवसा में 158 नं० पर दिनांक 24-9-
86 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

बी० आर० कौशिक

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

ध्यान दें, उक्त सूचना जिस की धारा 269-घ के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-10-1986

मोहर :

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4738/2/86-87—अतः

मुझे, बी० आर० कौशिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन और मकान, ग्रामली है तथा जो जिलवा में स्थित है (प्रारम्भिक उदाहरण अनुसूची में गौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिलवसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-9-1986

का पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरांतियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मधुसूदन एम० संवो,
जुपीटर अपार्टमेंट,
बम्बई-26।

(अन्तरक)

(2) मै० सुमन इण्डस्ट्रीज,
गोधा स्ट्रीट, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के बाद पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, रजिस्ट्रीकरण के पक्ष निमित्त में उक्त उद्देश्य के लिए।

सूचीकरण—हमारे पक्ष में उक्त उद्देश्य के लिए उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शेड जो ग्रामली, सिलवसा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सिलवसा में 157 नं० पर दिनांक 24-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० आर० कौशिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निदेश अं० पी० आर० नं० 4739/2/86-87—अतः
मुझे, बी० आर० कौशिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2(6) ग के अधीन स्थान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सं० नं० 181/1, 179, 181/2, 182, 183, बडासण है तथा जो ता० कडी में स्थित है (और इससे उदाहृत अनुबन्धी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-9-1986

की पुनः स्थावर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व प्रतिकूल के लिए उत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायित्व प्रतिकूल से एम दायित्व प्रतिकूल का पट्टे स्थित से अधिक है और अन्तर्गत (अन्तर्गत) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ... स्थानों में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बाबू लाल केशव लाल,
बुडासण, ता० कडी,
जिला सहेसागा ।

(अन्तरक)

(2) नै० पृथ्वीव टैक्सटाइल इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०
ओपेरा हाऊस,
बम्बई-4 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो बुडासण ता० कडी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार कडी में 1980, 1981 नं० पर 22-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० आर० कौशिक

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-1986

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एम-----

(1) श्री मरीया इमल ना डा फनसिया सितवा, बोरडा, मरणां, गोआ ।

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

(2) मै० सपना रियल एस्टेट, वाई बालाव्हाकार रोड, मरणां गोआ ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० डी० आर० 1510/37 ई०ई०/85-86—

यतः मुझे, जे० के० राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अडप्टिड, बिनाली, कैला, मैजजा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1980 (1908 का 16) के अधीन ला० 10-2-1986

का पूर्वाभ्युक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्दह-प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सम्पत्ति के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पष्टीकरण, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के माध्यम से उक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के नाम निम्नलिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2(1)-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसूची

(दस्तावेज सं० ता)

'अडसुलिम-म कार्ट' अडसुलिम, बिनालिम गोआ

जे० के० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजर

तारीख 13-10-1986

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

संख्या 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० 1167/85-86—यतः मुझे जे० के० राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् संशोधन किया गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापार भण्डान निम्नलिखित उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसका सं० है, तथा जो सन्ता इनेज, मणजी गोआ में, स्थित है (और इस से उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता 12-3-1986

को सूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दत्तपूर्व सूचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरती (अन्तरांतियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकता का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिसका उक्त अधिनियम के प्रावधानों में सुविधा के लिए

(1) श्री विष्णु बाबुजी राजन वगेहर 4 अर्से, दोलत बिल्डिंग सता रोनेज, मणजी गोआ। (अन्तरक)

(2) चौगुले इन्डस्ट्रीज लिमिटेड चौगुले घर, मरमगाओ हरवर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए प्रयत्नवाहिन कर रहा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 3—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा। जो उस अध्याय में विधा नहीं है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 78/221) ता० 11-2-1986

“सन्ता इनेज, मणजी, गोआ।

जे० के० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 13-10-1986

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस. - - -

(1) श्री डमनिक ऐसाक ला० माखील कालोनी डोना पावला, इल्हास

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

(2) रोनाल्ड डेविड, एक्सलेसर चेम्बर्स, हेलिथोथोरी सलगर्ड रोड, पणजी, इल्हास

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अक्तूबर 1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तरदायी व्यक्तियों पर लगाई गई तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्धि करने अन्य व्यक्तियों द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—अधिनियम 1961 का धारा 20-क, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही जगह होगी, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० डी० आर० 1403/37 ई० ई०—यतः मुझे जे० के० राव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० है, तथा जो अफोन्स डी० आलवुर्क रोड, पणजी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय बंगलूर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिनियम तारीख 3-2-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातिफल के लिए अन्तरित का गइ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रातिफल से एस दृश्यमान प्रातिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से संक्षिप्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के अन्तर्गत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

— 326GI/86

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1055/85/3-2-86

अफोन्स डी आलवुर्क रोड, पणजी

जे० के० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख 13-10-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० डी० आर० 1439/37 ई०ई०/85-

86--यतः मुझे जे० के० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० है, तथा जो बेरो आल्टो एस पिलोटोस,
पणजी, गोआ में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), अधिपति के कार्यालय बंगलूर में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अनुच्छेद 7-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिफल प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बान्दीबद्ध रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
नहीं है, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1)
के अधीन निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री टीमसन्ताना राफ फर्नांडेस श्रीमती गुडोमिला
जि० ई० फर्नांडेस, घर नं० 319, लेक न्यू
कालोनी, मिरामर, पणजी, गोआ

(अन्तरक)

(2) श्रीजी बिलडर्स, बी-15, न्यूनी नगर पणजी गोआ
-403001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिसबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[(दस्तावेज सं० 1089/85 तार 86/7-2-1986
बैरी आलटी डूस पिलोटोस, पणजी सिटी—गोआ]

जे० के० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

तारीख 13-10-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जगदीप चौधने करता जगदीप चौधन वास्को-डा० गामा, गोआ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) आलकन कन्स्ट्रक्शन्स गोआ प्रैक्ट लिमिटेड पणजा, गोआ-40 3001।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० डी० आर०/474/37 ई० ई०—यतः मुझे जे० के० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० आन्व० है, तथा जो वास्को-डा गामा, गोआ में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यवितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताभारी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 1123/85-86 तारीख 3-7-86 डाकू, वास्को डो-गामा, गोआ।

जे० बी० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेन्ज, बंगलूर

दिनांक 13-10-86
माहूर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज नई दिल्ली

नई दिल्ली तारीख 14 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 2/एस-आर-1/2-85

484/ अतः मुझे एस० सी० गुप्ता,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पठनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 42ए है तथा जो रोड नं० 78, गाम-बसई बारापुर दिल्ली स्टेट दिल्ली, में स्थित है (और इसके उपासक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन तारीख फरवरी-86,

को सर्वेक्षण प्रत्यक्ष के निम्न बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि सर्वेक्षक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्रत्यक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में है कि किसी भाष की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को अधिनियम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कागिस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः राज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) श्री करतार सिंह पुत्र स्व० सरदार सन्त सिंह, निवासी एच-67, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)
- (2) श्री सुभाष चन्द गोनका (एच० यू० एफ०) निवासी-95, एम० जी० रोड, कलकत्ता, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए आश्वासित करना है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अंगोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं०-42-ए, रोड नं०-78, ब्लॉक ए 1/4 भाग तावावी-518'5-1/2 वर्ग गज टोटल तादादी 2072.22 वर्ग गज, कालोनी पंजाबी बाग एरिया, गाम-बसई बारापुर, दिल्ली स्टेट दिल्ली

एस० सी० गुप्ता,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन-रेंज, 6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 14-10-86

मोहर :

प्रकरण भाग 1, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 14 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस-आर-1/
2-85/

अतः मुझे एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन तत्काल प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं०-42ए है तथा जो रोड
नं० 78 ग्राम बसई बारापुर, दिल्ली स्टेट दिल्ली,
में स्थित है (और इससे उपोद्धत अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम अधिकारी

कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी-86

आयुक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्त बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायद्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरजीत सिंह पुत्र स्व० श्री सरदार सन्त
सिंह, निवासी एच-67

राजौरी गाँव, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती केसर देवी रानी स्व० श्री गोरो राम,
निवासी-181, शिवाजी गली हिसार, (हरियाणा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांदा आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समग्री व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो दो
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथितव्यक्ति के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 211-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 42ए, रोड नं० 78, ब्लाक ए 1/4, भाग
ताबादी-518-5-1/2 वर्ग गज, आउट टोटल एरिया
2072.22 वर्ग गज, काजीरी पंचायत वाग एरिया
आम बसई बारापुर, दिल्ली, स्टेट दिल्ली

एस० सी० गुप्ता

सहायक आयुक्त

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 14-10-86

सोहर :

प्रमाण आर्द्र. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

नई दिल्ली, तारीख 14 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू 6/एस-आर-1/2-86
486

अतः मुझे एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 42 ए, है तथा जो रोड़ नं०
78, ग्राम बसई दारापुर दिल्ली स्टेट विल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख फरवरी-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरीसिंह पुत्र स्व० सरदार सन्त सिंह,
निवासी— एच-67 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) वेद प्रकाश गोयल एंड अदर्स (एच० यू० एक)
निवासी-95, एम० जी० रोड, कलकत्ता-7,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं०-42-ए, रोड़ नं० 78, ब्लाक 'ए' 1/4 भाग
तादादी-518.5-1/2 वर्ग गज, टोटल एरिया
तादादी-2072.22 वर्ग गज, कालोनी पंजाबी बाग,
एरिया, बसई दारापुर, दिल्ली, स्टेट दिल्ली

एम० सी० गुप्ता

सहायक आयुक्त

(निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 14-10-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचित

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

नई दिल्ली, तारीख 14 अक्टूबर 86

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू/6 /एम आर-1,
2-86/497,

अतः मुझे एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचित प्राधिकरणों का, यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं०-42 ए है तथा जो रोड नं०-78
ब्रसेई दारापुर, दिल्ली-टोर, दिल्ली। इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 16) के अधीन तारीख फरवरी 86

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
थाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी पत्र या अन्य वास्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया था या किया जाना चाहते थे, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री बलबीर सिंह पुत्र सरदार सन्त सिंह,
निवासी एच-67, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली,
(अन्तरक)
- (2) श्री हनुमान दास अग्रवाल पुत्र स्व० श्री रामकरन
दास,

निवासी-लाजपत नगर, हिसार (हरियाणा)
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अन्तरण --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

अधिनियम -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, इस सूचना में उक्त अधिनियम में दिये

अनुसूची

प्लॉट नं० 42ए रोड नं० 78 क्लास'ए' 1/4 भाग, तादादी
518.51/2 वर्ग गज, टोटल तादादी-2072.22, वर्गगज,
कालोनी पंजाबी बाग, एरिया ग्राम-ब्रसेई दारापुर
दिल्ली स्टेट, दिल्ली

स० सं०

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-10-86

मोहर :

प्ररूप माह. टी. एन. एम. -----

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/2-
86/492—अतः मुने, एस० सी० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० प्रो० नं० 2 है तथा जो शंकराचार्य मार्ग, सिविल लाइन्स, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1986

रजिस्ट्रार मध्यम मूल्य के दृश्यमान

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो का, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अध्याजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अजय कुमार पुत्र श्री भयाम बिहारी लाल एन्ड मोहित कुमार पुत्र श्री अजय कुमार, निवासी 2, शंकराचार्य मार्ग, सिविल लाइन्स, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दिना नाथ आनन्द पुत्र श्री राम चन्द आनन्द प्रिमसैल्य एन्ड फादर एन्ड एन/जी माईनर पुत्र श्री समीर आनन्द एन्ड दर्शन लाल आनन्द पुत्र श्री राम चन्द आनन्द, निवासी एफ-108, अशोक बिहार फेज-1, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पृष्ठांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबाध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा महाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त नायकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोरशन आफ प्रो० नं०-2, शंकराचार्य मार्ग, सिविल लाइन्स, दिल्ली, तादादी-1473.43 वर्ग मीटर

एस० सी० गुप्ता

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-10-1986

मोहर :

प्रस्ताव, भाग 1, टी. एन. ए. 1/86

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 6/एस० आर०-2/
2-86/160—अतः मुझे श्री एस० सी० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 12, है तथा जो रोड नं० 63,
पंजाबी बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित है
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—326GI/86

(1) श्री चरणजीत सिंह

12/63, पंजाब बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री देव किशन खोसला 13/19, पंजाबी बाग
एक्सटेंशन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
या है।

अनुसूची

1/3 भाग मकान नं० 12, रोड नं० 63, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 14-10-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री चरणजीत सिंह 12/63, पंजाबी बाग, नई नई दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कमलजीत खोसला 13/19, पंजाबी, बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-3/
2-86/161—अतः मुझे श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 12 है तथा जो रोड नं० 63, पंजाबी बाग में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में उर्वर रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अलग-अलग की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किमी आय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कानूनी द्वाारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण से, नई, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभुक्ताधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा मकान नं० 12, रोड नं० 63, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख : 10-4-10-1986

मोहर :

प्रमुख आई.डी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर-2/2-86/189—अतः मुझे श्री एस० सी० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्रापटी नं० 36, है तथा जो रोड नं० 55 क्लास सी पंजाबी बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री एच० एल० महाजन एच-10, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जुगल बत्रा निवासी आर/41, माडल टाउन, सोनीपत (हरियाणा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराया है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नोटिफिकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० 36, रोड नं० 55, क्लास सी० पंजाबी बाग नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-1 नई दिल्ली-110002

तारीख 14-10-1986
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एच. नं. 1/86

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भाषाकरण अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर 1986

निवेदन सं० आई० ए० सी०/एनयू०/6/एस० आर-3/2/86/

190—अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 5/9, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल
बाग में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुमोदित और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और
अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी भाषा की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतर्गत के
वास्तव में कमी करने या उक्त वचन में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाषा या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय भाषाकरण अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषाकरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
से अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री गोपाल चन्द वनर्जी, डी-306, निर्माण बिहार,
दिल्ली और श्री रवींद्र नाथ वनर्जी ई० सी०
16, फ्लैट 4, इन्दुरो एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पी० के० हीटल्स प्रा० लिमि० द्वारा डायरेक्टर
एस० एल० पाहवा ए-3, ग्रेटर कैलाश एकलेव-2,
नई दिल्ली व राकेश खुराना निवासी 4/6, डब्ल्यू
इ० ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० 5/9, (एस० पी० एल० नं० 10515/16)
खासरा नं० 1628/1147 तादादी 256.2 वर्ग गज डब्ल्यू०
इ० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकरण अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-10-1986
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर-3/2-
86/191—अतः मुझे श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि आवासीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो एच-353, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्थगान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मसं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थगान प्रतिफल से, ऐसे स्थगान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोक्त :—

(1) श्री कृष्ण लाल मनोचा 2. कस्तुरी लाल मनोचा 3. मोहन लाल मनोचा 4. रमेश चंदर मनोचा 5. संतोष राणी 6. सोना राणी सलजा सुपुद्र और सुपुद्रो स्वर्गीय श्री मुंशी राम मनोचा निवासी 26/9, ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति वीणा श्रुति पत्नी पी० पी० श्रुति, डी-137, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए वास्तविकता कायम है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी विवरण नं० एच०-353, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली, तादादी 200 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली 110002

तारीख : 14-10-1986
मोहर :

प्रमुख भाग. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 1

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/37 ईई/2-86/
2688—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अन्तर्गत उक्त अधिनियम का धारा 269-ब के अधीन सूचना प्रदाता को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी नं० है तथा जो प्लेट नं० 407, क्षेत्रफल 930.53
वर्ग फीट शीतला हाउस, 73-74 नेहरू प्लेस, ई दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
निरीक्षण, अर्जन रेंज-1 में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम,
1961 के अधीन, तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
राष्ट्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) लिपरोसी प्रिन्ट ट्रस्ट इंडिया, 16, पण्डित पंत मार्ग,
सी० एन० आई० भवन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजू दुमरा ट्रस्टी आफ एन० डी० एफ० ट्रस्ट
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 407, तादादी 930:53 वर्ग फीट, शीतला
हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली 110002

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-9-1986
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/2-86/

2689—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्लेट नं० 401, शीतला हाउस, 73-74 नेहरू प्लेस में स्थित है (अर्थात् इससे उपान्वृत्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1986

को पञ्चोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पञ्चोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्थात्/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लिपरोसी मिसन ट्रस्ट इंडिया, 16, पण्डित पंत मार्ग, सीएनआई भवन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कोमल ट्रस्टी आफ एस० डी० एफ० एंड टी०डी०एफ० ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाहक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो सक्षम अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, या उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 401, सादादी 776:55 वर्ग फीट, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली 110002

तारीख : 4-9-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मितम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई०ई०/

2-86/2690—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० 59C, 405 एंड गीतला
हाउस, 73-74 नेहरू प्लेस में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची,
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

- (1) लिपरोसी मिमन ट्रस्ट इंडिया, 16, पंडित
पंत मार्ग, सी०आई०एन० भवन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
(2) श्री मर्ता मंजू डुमरा ट्रस्टी आफ टी०डी०एफ० ट्रस्ट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 405 एंड 406 गीतला हाउस, 73-74 नेहरू
प्लेस, नई दिल्ली। कवर पृष्ठ 1143/26 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली/नई दिल्ली 110002

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

5--326GI/86

तारीख: 4-9-1986

मोहर:

प्रमुख भाग, टी. एन. एम.

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1986

निर्देश सं० आर्डी० ए० पी०/एक्यू०/1/37 ई०ई०/2-86/
2700—अन: मुंबे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सभ्य अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जमनी सं० है तथा जो प्लेट नं० 1213, 38, नेहरू
पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 के अधीन तारीख
फरवरी 1986।

आ पृथक् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को प्राप्त अंतर्गत को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि संपत्ति के उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, पूर्ण दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
(अन्तः-तर्क) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
को कभी काल पर उक्त अन्तरण के बाधित के लिए,
गोपनीय

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित होने के लिए नहीं किया गया
या या किया जाता चाहिए था, जिसमें से एजिन्ता
के लिए;

धन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम—

(1) श्री अंतल प्रोपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लि०
115 अंतल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) टम्पल सीलीसींग एंड फाइनेंस लिमि० शिलोकरी, 1
री रोड, सामने कार्लिदी कालोनी, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से सम्पत्ति हस्तांतरित हो, को भीतर पत्रोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताजारी के पक्ष
निालम में किए जा सकेंगे।

सम्झौताकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 1213, 38, नेहरू पलेस, नई दिल्ली क्षेत्रफल
610 वर्ग फीट।

आर. पी० राजेश
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली, 110002

तारीख 4-9-1986
सांहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/2-
86/2782—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा ज फ्लैट नं० 501, मधुवार्य,
96, नेहरू प्लेस में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तविक
रूप से अभित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिथ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता था हुए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

- (1) पीटर सतवंत सिंह और मिसेस सगवीन 'गेन' आरचर्ड
गांव सोरोन पो० ओ० इयालपुर, जिला, आनधर
(अन्तरक)
- (2) संजय मणिक राहुल मणिह रोहित मणिक मदीप
मेडी, सत्रय मेडी, कुशन मेडी 305, आवर नगर,
मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि में तत्संबंधी ध्यायपूर्ण एवं
पुष्टि की तारीख से 30 दिनों की अवधि, के भी
नवीध बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधास्ताधारी के धारा
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 501, मिधार्थ, 96, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।
क्षेत्रफल 901, वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-9-1986
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/2-86-
2783—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

आर जमकी सं० है तथा जो प्लॉट नं० ए-3, नीति बाग,
नई दिल्ली में स्थित है (आर इगमे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वायदा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने का अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री० पी० के० घोष 20, लायरस चेम्बरस,
सुप्रीम कोर्ट, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) पाल एंड पाल बिल्डिंग लिमि० 70, रीगल
बिल्डिंग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए-3, नीति बाग, नई दिल्ली
तादादी 853 : 33 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-9-1986
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० आर-3/2-86/
461—अतः मुझे, श्री बी० के० मंगोत्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो एटायर बेसमेंट और सामने
का भाग तल खंड ग्रेटर कैलाश-2 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) आरोही अपार्टमेंट प्रा० लिमि० ई-207, ग्रेटर
कैलाश-2, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर अशोक
जैन ।

(अन्तःक)

(2) शशि माला फैमिली ट्रस्ट द्वारा ट्रस्टी श्रीमति
पार्वी शर्मा कान्त साल्वा निवासी 830, न्यू० कालोनी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अर्थात् अधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एटायर बेसमेंट और सामने का भाग घरातल खंड प्रापटी
नं० एम० 78, तादादी 501 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-2, नई
दिल्ली ।

बी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-10-1986

मोहर :

प्रमुख भाषा: टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एच०/7/एस० आर० 3/2-86

454—अतः मुझे श्री बी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्रापटी ई-558, ग्रेटर कैलाश-2
नई दिल्ली-48 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुगृही में
पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
तादादा 550 वर्ग गज दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से
वास्तविक से कमी करने या इसमें बचत में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन का अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मोहन लाल साहनी सुपुत्र लाला सूरज मल
साहनी और मिस पुनम साहनी द्वारा पिता और
अभिभावक मोहन लाल साहनी निवासी ई-29,
राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) येलो हट प्रापटीज लिमि० द्वारा डायरेक्टर श्रीमती
मुल्तानी पत्नी प्रदीप मुल्तानी एच-36, कनाट सर्विस,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में संचालित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमोदी

प्रापटी नं० ई-558, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-48
तादादी 550 वर्ग गज।

बी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 7, दिल्ली नई दिल्ली-110001

तारीख 13-10-1986
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस०आर०-3/2-86/

466—अतः मुझे श्री वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मकान नं० ई-13, डिफेंस
कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स ब्रिडले इलेक्ट्रिकल्स इंडिया,
3/4, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री जी० आर० नथर, (एच० यू० एफ०),
ई-13, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में तत्सम्बन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० ई-13, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।
क्षेत्रफल 867 वर्ग गज।

वी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 7, दिल्ली नई दिल्ली-1

दिनांक 13-10-1986
मोहर :

प्रथम खण्ड, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एसआर-3/2-86/
468—अतः मुझे श्री वी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्लॉट नं० 65, ब्लॉक नं०
48, डिप्लोमैटिक एन्क्लेव, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी,
1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
शायित्वा से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन का संचयन आसितार्थ
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. महिन्द्र कौर

सी-21, मालचा मार्ग, नई दिल्ली-21

(अन्तरक)

2. मैसर्स भक्त लाल इन्डस्ट्री लिमिटेड,

अरसिया रोड, अहमदाबाद-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 65, ब्लॉक नं० 48, डिप्लोमैटिक एन्क्लेव,
नई दिल्ली, जो 15, राजदूत मार्ग, नई दिल्ली के नाम से जानी
जाती है।

वी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 7, दिल्ली नई दिल्ली-1

दिनांक 13-10-19

सोहर :

प्रथम भाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस आर-3/2-86/

440—अतः मुझे बी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो यूनिट मैजानिन फ्लोर ए पोरशन, प्रापर्टी नं० एस-533, ग्रेटर कैलाश-2, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कथित होने से अंतरक के भागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित होने द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बाय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार धन, नई, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित स्थितियों में अधिनियम :—

1. श्री उत्तम कुमार सरोक सुपुत्र श्री राम रतन सरोक, एस-533, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा० अमरजीतसिंह सुपुत्र स्व० सरदार मज्जन सिंह, निवासी 40/2, डबल स्टोरी, निकल नगर, दिल्ली द्वारा एटोर्नी श्री गरदयल सिंह साहनी सुपुत्र स्व० सरदार हरबंस सिंह साहनी, निवासी 40/3 ए, डबल स्टोरी, अशोक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बायों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट मैजानिन फ्लोर 'ए' पोरशन प्रापर्टी नं० एस/533, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 7, दिल्ली/नई दिल्ली-I

दिनांक 13-10-1986

मोहर

प्रकृष बाह्य. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/7/एसआर-3/2-86/

433—अतः मुझे वी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्रथम खंड, सामने का हिस्सा, एम-78, ग्रेटर कैलाश में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों से, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स आरोगी अपार्टमेंट प्रा० लि० द्वारा
डायरेक्टर : श्री अशोक जैन, सुपुत्र श्री जे० पी० जैन
ई-207, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री परवेज बक्शी, सुपुत्र श्री स्वर्गीय बक्सी अब्दुल मजीद,---आवास शर्मा हाउस, सनवर बाग, श्रीनगर, कश्मीर (भारत)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया गया है।

अनुसूची

प्रथम खंड, आवास के सामने का युनिट हिस्सा, तादादी, 1800 वर्ग फीट, प्रापटी नं० एम-78, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली साथ कार पार्किंग।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 7, दिल्ली/नई दिल्ली-1

दिनांक : 13-10-1986

मोहर :

प्रकाशित: डी. एच. एच. ---

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० आर०-3/2-86/
455—अतः मुझे, श्री वी० के० मंगोत्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो रियर भाग, धरातल खंड
प्रापटी नं० एम-78, ग्रेटर कैलाश-2 में स्थित है (और
इससे उपासक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी,
1986

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उससे हटकर प्रतिफल से, ऐसे हटकर प्रतिफल का
बहु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण
निर्णय में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
—, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स आरोही अपार्टमेंट, प्रा० लिमि०
द्वारा डायरेक्टर : श्री अशोक जैन,
ई-207, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. ले० क० सी० एस० सिंह और रमिन्द्र सिंह, शाह
निवासी सी-506, सोम बिहार, अपार्टमेंट, सगम
मार्ग, आर० के० पुरम, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रियर पोरशन धरातल खंड, प्रापटी नं० एम-78, ग्रेटर
कैलाश-2, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 7, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक : 13-10-1986

मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

अध्याय 269-ब के अधीन सहायक

कार्यालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/7/एसआर-3-2-86/
434—अतः मुझे, वी० के० मंगोला,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो प्लॉट नं० एस-147, तादादी
298 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1986,और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के दृष्टान्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अध्यापुष्कल सम्पत्ति या उचित बाजार
मूल्य, उसने दृश्यमान प्रतिफल से, अपने दृश्यमान प्रतिफल
अन्तर्गत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—[क] अन्तर्गत से हुई किसी आय की वास्तव उक्त
अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी के
कार्यालय में कभी करने या उचित करने में स्विधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
र. प्र. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्री केवल कृष्ण शर्मा, सुपुत्र श्री राम कृष्ण शर्मा,
निवासी ए-1/125, सफदरजंग, एन्कलेव, नई दिल्ली।
(अन्तरक)2. मैसर्स डी० एस० बिल्डिंग्स, द्वारा
पार्टनर श्री जसविन्दर सिंह,
निवासी ए-2/1540, सफदरजंग, एन्कलेव,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के अधीन
कार्यालय में कभी करने या उचित करने में स्विधा
के लिए; और/या

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्पत्ति में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एस-147, तादादी, 298 वर्ग गज, ग्रेटर
कैलाश-2, नई दिल्ली।वी० के० मंगोला
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 7, दिल्ली/नई दिल्लीदिनांक : 13-10-1986
मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एन.
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/7/एस आर-3/2-86

450—अन: मुझे श्री जी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है

श्रीर जमकी सं० है तथा जो प्लॉट नं० 115, ब्लॉक नं० डब्ल्यू-115, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरात की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उस दृश्यमान प्रतिफल के दृश्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित के आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण उं हुई किसी भाष को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने का अन्तरक के वास्तव में कमी करने का उक्त बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वीरेन्द्र शर्मा, सुपुत्र श्री डी० एम० शर्मा, डी-14-ए/18, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)
2. गौरव प्रापटीम, प्रा० लि०, 28, मोनिया खान, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना के तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में दृष्टवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्जित/अर्जित के पास लिखित में प्रस्तुत किया गया।

भाष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 115, ब्लॉक डब्ल्यू, डब्ल्यू-115, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली के नाम से जाना जाता है। एरिया 836 वर्ग मीटर।

वी० के० मंगोत्रा
गक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज 7, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक 13-10-1986

मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. एस. २२२

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/7/एस आर-3/2-86
446—अतः मुझे श्री बी० के० मंगोत्रा

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो प्रापटी नं० एम-64, 510
वर्ग गज हाई स्ट्रीट ग्रेटर, कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी,
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अधिक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
किसी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
अधि/पः

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तियों
का, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया गया जातिग या, छिपाने में सुविधा

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधिनियम
में, कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. शीलावती कपूर पत्नी प्रेम प्रकाश
निवासी स्वामी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. प्रकाश कुमारी पत्नी रघुवीर
निवासी एम-126, ग्रेजर कैलाश-1, नई दिल्ली और
चन्द्र मोहन, बी-22, कैलाश, अपार्टमेंट,
लाला लाजपत राय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० एम-64, तादादी 510 वर्ग गज, 1 हाई स्टोरी
मकान, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 7, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक : 13-10-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एसआर-3/2-86/
437—अतः मुझे, श्री वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्लॉट नं० एम-63,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल या लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अयोग्यता के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
दे रहा है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मनजीत कौर पन्नी श्री प्रीतम सिंह,
निवासी 1-2-33/1, गंगा महल रोड,
नैदराबाद-29 (एपो),
वर्तमान पता : ए-185, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. साहिल बिन्दर्स द्वारा पार्टनर श्री वी० के० नारंग
सुपुत्र श्री जे० सी० नारंग,
निवासी ई-266, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के निम्न
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एम-63 ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, दिल्ली/नई दिल्ली।

दिनांक : 13-10-1986

मोहर :

प्रथम भाग. सी. एन. ए.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन अधिनियम

सहायक सहायक

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एसआर-3/2-86/
438—अतः मुझे, श्री वी० के० मंगोल्ला,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, प्रापर्टी एम-95, तादादी 324 वर्ग गज, जी के-2, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके अथवा प्रतिफल से, ऐसे अथवा प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्ष में कमी करने या उक्त करने में बाधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भायकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठीकाने में सकिता है कि;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अतिल कुमार सहगल सुपुत्र एम० आर० सहगल, और श्रीमती गवर्ण सहगल, पत्नी श्री एम० आर० सहगल निवासी डी-289, डिफेंस कॉलोनी, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री संदीप झावरी, सुपुत्र श्री विपिनचन्द्रा एम० झावरी, और श्रीमती राजल झावरी, पत्नी संदीप झावरी, निवासी एम-47, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर, प्रापर्टी नं० एम-95, तादादी 324, वर्ग गज। ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली (ग्रेटर कैलाश-2)।

वी० के० मंगोल्ला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक : 13-10-1986

मोहर :

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा अवस्थी पत्नी रवी अवस्थी,
रवी अवस्थी सुपुत्र वी० ए० अवस्थी,
निवासी गोविन्द पार्क, बलरामपुर, जिला गोंडा यू० पी०
(अन्तर्गती)

अभिराम, सहायक आगक-आगक (निराकरण)

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को जर्जन में बिपु
कार्यवाहियों करता है।

स्वतः संपत्ति के अर्थों के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नवीकरणः—इसमें प्रयुक्त कर्तव्य और पदों का, जो एक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं दर्ज होंगे, जो उक्त अध्याय में विस्तार प्राप्त होंगे।

(क) अन्तरण त हूई किछी बाब की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरण के दाखिलाने में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के बिना। और/या

अनुसंधान

(ख) कौसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों के, किसी भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियमों के अन्तर्गत कर नहीं किया जा रहा था किन्तु ऐसा चाहिए था किन्तु उसे नहीं किया जा रहा था।

एंटायर सेकिण्ड फ्लोर, प्रापर्टी नं० एम-१५, ग्रेटर कैलाश-२
नई दिल्ली ।

बी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, दिल्ली/नई दिल्ली

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की प्रकृति (1) के अधीन निर्धारित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक 13-10-1986 :

सोद्हर :

वक्तव्य बाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर मंत्रालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/7/एस०आर०-3/2-86/458-अतः मुझे, श्री बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका ठेका बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो प्रथम खंड और मेजानिन, फ्लोर, प्रापर्टी नं० एम-95, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पक्ष प्रतीक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पावा या प्राप्ति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना सम्भव था, विधायक के अधीन के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनिल कुमार सहगल सुपुत्र एम० आर० सहगल और श्रीमति सवर्ण सहगल, पत्नी एम० आर० सहगल निवासी डी-289, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुमंत मेठी, सुपुत्र मदन गोपाल मेठी और श्रीमति रोहिणी मेठी, पत्नी सुमंत मेठी, निवासी आर-2/79, राज नगर, गाजियाबाद यू० पी०, द्वारा एटोर्नी कंवेल : कृष्ण खोसला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अन्तरण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति या व्यक्ति सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रत्येक व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नवीकरण :—इसके प्रकट करने के पक्ष में, जो उक्त अधिनियम, के धारा 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम खंड और मेजानिन फ्लोर आफ प्रापर्टी नं० एम-95, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक : 13-10-1986

मोहर :

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एम आर-3/2-86/438—अतः मुझे, श्री वी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्लॉट न० 241, ब्लॉक एन, तादादी 300 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की इशाना प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इशाना प्रतिफल से, ऐसे इशमाना प्रतिफल का पुनर्ह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अधिनियम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपेक्षा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती योग गौर
- (2) श्रीमती सुशील गौर
- (3) डिम्पल गौर
- (4) मिस नीता गौर

44, डी० एल० एफ० कालोनी,
रोहतक, हरियाणा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशाला चौधरी,
बी-1, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 241, ब्लॉक एन, तादादी 300 वर्ग गज,
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक : 13-10-1986

मोहर :

प्रकरण बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस आर-3/2-86/

467—अतः मुझे, श्री वी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन अधिसूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्रापटी नं० ए-303, तादादी 217 वर्ग गज, डिफेंस कालोनी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण के, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री चन्द्र प्रकाश सुपुत्र श्री किशन चन्द,
ए-303, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री विशम्भर लाल मिगलानी सुपुत्र श्री चमन लाल मिगलानी और श्रीमती विनिता मिगलानी पत्नी श्री विशम्भर लाल मिगलानी,
निवासी के-44, एन० डी० एस० ई०-2, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० ए-303, तादादी 217 वर्ग गज, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक : 13-10-1986
मोहर :

प्रकरण भाई. डी. एन. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एव्यू०/5/एस आर-3/8-86

6900/17—अतः मुझे ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है, तथा जो ब्लॉक बी-2,
सफदरजंग स्कीम, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में दस्तावेजिक रूप में कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
कार्यलय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लेफ्टि० कर्नल, बी० ए० एस० चौपड़ा,
डी-2/30, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीलम जैन, श्री सुरेन्द्र कुमार जैन,
निवासी 8/159, ग्राम महरम नगर, नई दिल्ली।

(2) श्री राजेश कुमार जैन

निवासी 8/149, ग्राम महरम नगर, नई दिल्ली।

(3) श्री राकेश कुमार जैन,

निवासी 8/151, ग्राम महरम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रामाण्यतापूर्वक के
बास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्रो० सं० 5, ब्लॉक बी-2, सफदरजंग रिसिडेंटल स्कीम,
नई दिल्ली, तादादी 450 वर्ग गज।

ए० के० मनचन्दा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

दिनांक 14-10-86

मोहर :

प्रकृ. नार्. टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5-5-86/5492/1—

अतः मुझे ए० के० मनचन्दा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-2/4, है तथा जो सफदरजंग इनक्लेव,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मई 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विनय कुमार भाटिया, निवासी-38, राजेन्द्रा
पार्क नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती भानवर देवी जैन, निवासी-ग्राम-महरम नगर,
दिल्ली कैंट, नई दिल्ली-101

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधरी के पार
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही क्या होगा, जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

प्रो० न० बी-2/4, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली/तादादी—
451.50 वर्ग गज।

ए० के० मनचन्दा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 5, दिल्ली, नई दिल्ली-110001

तारीख : 14-10-1986

मोहर :

अथवा यदि डी. एच. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

प्रमुख अधिकारी

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/5/एस० आर०-3/
8-86/6789/2/24—अतः मुझे ए० के० मनचन्दा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-4 है तथा जो ग्रीन पार्क मैन, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय नई
दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 8 अगस्त 1986 ज

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्तावेज प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए ठस पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

1. श्रीमती कौशल्या देवी खन्ना, निवासी-एम-4,
ग्रीन पार्क मैन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ललित कृष्ण मरीन और वृज मोहन मरीन,
निवासी-आई-2, ग्रीन पार्क मैन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिवस
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2/2 स्टोयक विल्डिंग, एम-4, ग्रीन पार्क मैन, नई
दिल्ली, तादादी-500 वर्ग गज।

ए० के० मनचन्दा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-5, दिल्ली, नई दिल्ली-110001

न०., अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-10-1986

मीहूर :

मोहर :

बसुप भाई, टी. एम. एस. १९५५-५६

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त **संख्या**

काशीस्थित, सहायक माध्यमिक माध्यमिक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आर्द्द० ए० सी०/एक्यू०/ 7/ 37-ईई/ 2-96/

2683--अश्रतः मूसे, वी० के० मंगोत्रा

प्राथमिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 107, है तथा जो पृथ्वी राज रोड़, 1800 वर्ग फ़ैट प्रथम खंड में स्थित है (और इससे उपायय समुच्चय में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मनें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दस्तावेजिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स' हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, किन्तु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिम द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान दिव्या के लिए;

1. मैमर्म् भवाना त्रिलङ्करा प्रा० लिमिटेड ले-१, लक्ष्मी भवन, 72 नेहरू पलैस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मेसर्स आर० एम० इवेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी
प्रा० लिमिटेड 27-बी, कामक स्ट्रीट कलकत्ता-
700016।

(अन्तरिी)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 5, 10ए, पृथ्वीराज रोड 1800 वर्ग फीट
फ्लेट प्रथम खंड।

(वी० के० मंगोत्रा)

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-10-1986

मोहर :

प्रमुख भाई. टी. एम. ए. ए. ए. ए.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
परा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/7/37-ईई/2-86/
2685/-अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10ए, है, तथा जो पृथ्वीराज रोड, 1800
वर्ग फीट प्लेट आन फस्ट फ्लोर में स्थित है (और इससे
उपवाङ्म अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1961 के अधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का
प्रत्येक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधाई :—

1. मैसर्स भ्याना बिल्डिंग्स प्रा० लिमि० जी०-4, लक्ष्मी
भवन, 72, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स राबर्ट सेक्लीन कंस्टेडस प्रा० लिमि० 27-बी,
कामक स्ट्रीट, कलकत्ता-700016।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 6
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

महतीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 5, 10ए, पृथ्वीराज रोड, 1800 वर्ग फीट,
प्लेट आन प्रथम खंड।

वी० के० मंगोत्रा

प्रथम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-10-1986

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्स०/7/37-ईई/2-86/

2684—अतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10 ए, है तथा जो पृथ्वीराज रोड, 1300 बर्ग फीट फ्लैट प्रथम खंड में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्ण संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शान्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मेसर्स भयाना थिल्डर्स प्रा० लिमिटेड जी०-4, लक्ष्मी, भवन, 72, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मेसर्स जे० एम० कर्मणियन एण्ड कम्पनी लिमिटेड 18, लाउडन स्ट्रीट, कलकत्ता-700017।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, 10-ए, पृथ्वीराज रोड, 1300 बर्ग फीट फ्लैट आन प्रथम खंड।

बी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110001

तारीख : 13-10-1986

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एच. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37-ईई/2-86/
2730—अतः मुझे वी० के० मंगोला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
पुनः पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
रु. 1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 112-ए है तथा जो प्रथम खंड
7, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधुद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
के अधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; भांड/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. मेसर्स शेर्मन इंटरनेशनल प्रा० लिमिटेड डी-94,
नौवा खर, हिमालय हाउस, के० जी० मार्ग, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मेसर्स अतूल इन्वेस्टमेंट कम्पनी एम-9, कांति नगर,
नई दिल्ली-110001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूचा

फ्लेट नं० 112-ए, प्रथम खंड, प्रकाश दीप, 7, टालस्टाय
मार्ग, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110001

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-10-1986

सीहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफयू०/7/37-ईई/2-86/2716—अतः मुझे वी० के० संगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 207 है तथा जो दूसरा खंड, प्रकाश दीप, 7 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, के अधीन तारीख फरवरी 1986

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से गति से दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राखा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य है उक्त अन्तरण जिसके अन्तर्गतिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की वापस के कर्तव्य करने या उसके बचने के सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी भव या अन्य वस्तुओं को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, जिसमें से सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सलेश धीर, है० ग्री० के० वीहरा (यू० एफ०) ए-1/18, सफरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती इंदिरा मोहन।
(2) श्रीमती अमिता मोहन।
(3) अंजुल मोहन, 12, लखनऊ रोड, दिल्ली-110007।

(अन्तरिती))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 207, दूसरा खंड प्रकाशदीप, 7, टालस्टाय मार्ग नई दिल्ली।

वी० के० संगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 7, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-10-1986
मोहर :

प्रकल्प आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37-ईई/2-86/
2757—अतः मुझे वी० के० संगोत्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस फ्लेट नं० 704 है तथा जो तादादी
696 वर्ग फीट 13 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयुक्त आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में आयुक्त अधिनियम,
1961 के अधीन तारीख फरवरी 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नीकृतित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नीकृतित व्यक्तियों, बतार्तः—

1. श्री गुरुचन सिंह और मरदारती शामा गुरुचन सिंह
12, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री उत्तम सिद्ध दुग्गल एण्ड कम्पनी प्रा० लिमि 11,
मरीना अरकेड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस फ्लेट नं०-704, तादादी 696 वर्ग फीट नौवा
खंड, बहुमंजिली इमारत 13, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

वी० के० संगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-10-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7 नई, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 7/37-ईई/2-86/ 2714--अतः सुबे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-333 है, तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज-7, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और इसके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वस्तु प्रमाण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के नियम पाया गया प्रतिफल विनिर्दिष्ट उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) कदापि यह कोई भी बात की जाए, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के कारण से कभी करने या उक्त करने के इच्छा से किया जाये/न

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, विचार में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सावित्री देवी ठुकराल श्रीमती किरण भल्ला, एच-3/21, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री दीपक बधवा एच० यू० एक० प्रो० बधवा इंटरनेशनल, श्रीमती चंद्रा बधवा ए-333, डिफेंस कालोनी, दिल्ली। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ज़ाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ए-333, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी

उपायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-10-1986
मोहर :

प्रकरण 27-डी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

वापस करवाया

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37-ईई/2-86/2715—अतः मुझे, वी० के० संगोत्रा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-333 है, तथा जो डिफेंस कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरिती) से होने वाले अंतरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निवेष्ट में वास्तविक रूप से लिये जा सकेंगे कि या भरा है।

(ख) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के सम्बन्ध में अधिकारों को कम करने या उधारे करने में सक्षम हो सके; और/या

(ग) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार है, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित परिणामों में अधीन 9—326GI/86

1. श्रीमती अमृत देवी एच०-3/21, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री दीपक वधवा (एच० यू० एफ०) श्री दीपक वधवा मो० वधवा इंटरनेशनल, श्रीमती चंद्रा वधवा ए-331, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्तृताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम से अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ए-333 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

वी० के० संगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-10-1986

मोहर:

प्रारूप भाषा टी.एच.एफ.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37-ईई/2-86/

2733—अतः मुझे वी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-333 है तथा जो डिफेंस कालोनी
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख फरवरी
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सभापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण
से कमी करने या इससे लाने के उद्देश्य के लिए
की/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृत्ति
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अनीता ठकराल एच-3/21, माडल टाउन,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री दीपक वाघवा एच० यू० एफ० श्री दीपक वाघवा
प्रो० वाघवा इंटरनेशनल, श्रीमती चंद्रा वाघवा
ए-333, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पंजीकृत सम्पत्ति की अर्जन को निम्न
अवस्थावाहिका करता है:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी तारीख
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर उक्त सम्पत्ति
व्यक्तियों को न किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ए-333, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-10-1986

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 37 ई० ई०/2

2/86/2702—अतः मुझे श्री बी० के० मंगोत्रा,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-178 है तथा जो डीफेंस कालोनी
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली
में भारतीय भाषकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख
फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रमाणार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाँहूँ था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) काम० इंदर सिंह लाम्बा मकान न० 3310,
सेक्टर 19-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री अतुल प्रकाश 11/3, कालकाजी एक्सटेंशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राउंड फ्लोर, 1800 वर्ग फीट लगभग डी-178, डिफेंस
कालोनी, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोत्रा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 13-10-1986
मोहर।

प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निदेश सं. आई.ए.सी.0/एक्यू.0/7/37ईई/2-86/

2755—अतः मुझे श्री वी० के मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी नं० एस-148 है तथा जो ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख 19 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वामपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया अल्प प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भवानी वेंकटारमण सुपुत्री एस० वेंकटारमण 131/5, नोमिंतज एवेन्यू वेस्ट लायफेट इंडिया (यू एस ए)

जनरल एटोरनी एस० वेंकटारमण सुपुत्र स्व० ए० सुब्रमण्य श्रध्वर

वर्तमान पता एस० 148, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री मती सिंह वत्त पत्नी स्व० ए० के० दत्त एफ-65, सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अर्वाध, जो भी अर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-46 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० एस 148, तादादी 306, बर्ग गज ग्रेटर कैलाश 2, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा)

सक्षम अधिकारी

आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-10-1986

मोहर :

प्रत्यक्ष रूप से प्रकाशित

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) में वर्णित सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37-ईई/2-86/

2738—यतः मुझे, श्री पी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 है, तथा जो लोअर ग्राउंड अपर ग्राउंड
फ्लोर बी-81, ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरांतर की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पक्ष में प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरांतर के लिए तय प्रायः प्राप्ति-
कृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरांतर लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरांतर से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी कटने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य आय के अन्तरांतर
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना जाहिर था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तर्गत
अ, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति सुमित्रा मखोजा ए-34, एन० डी० ए
स० ई-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. ले० श्री ज० मोहन लाल तुली सुपुत्र स्वर्गीय एम०
आर० तुली 10, कुशक रोड, तीन मूर्ती, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कामनाहीन करता हूँ।

उक्त संपत्ति को अन्तरांतर से कम की दृश्यमान

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों यह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अन्तरांतर में स्थावर सम्पत्ति में हितवास्तु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछितक्षरी के पास
विनिमय में किया जा सके।

व्याख्या:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, लोअर और अपर ग्राउंड फ्लोर स्थित
बी-81, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-10-1986

मोहर :

प्रश्न बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भाउल बाउला

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एयू० 7/37-ईई/2-86/
2740—अन: मुलें, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त स्थान पर बाजार मूल्य
1,00,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-219 है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई
दिल्ली में स्थित है (जो इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख
फरवरी, 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाग की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति
में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाता चाहिए या, डिपान में सुविधा
के लिए,

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. ब्रिगेडियर एम० एल० गेंद, एस-253, ग्रेटर कैलाश-
1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा दुआ सी-219, डिफेंस कालोनी
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिद्ध
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योक्त :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सी०-219, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-10-1986

मोहर :

अध्यक्ष आर्. टी. एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना**प्राप्त अंतरक**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए व्यू/7/37ईई/2-86/
2785—अतः मुझे, जी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-292 है तथा जो प्रापटी
ई०-292, ग्रेट कैलाश-1 में स्थित है और इससे उपाबद्ध
अनुमूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन
रेंज 7, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन, तारीख फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-
रक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-
रण के लिए दाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वाणिज्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा
से किए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 18) या उक्त अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या उन विषय जाना जा रहा था, निरीक्षण में लीजाना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. श्री अशोक कुमार धवन और

नवीन कुमार धवन

सुपुत्र चमन लाल धवन

निवासी ई-11, ईस्ट आफ कैलाश,

नई दिल्ली

(अन्तरक)

2 श्रीमती शांति मेहरा पत्नी राध कृ हा

और राज कुमार मेहरा

सुपुत्र राधा कृष्ण मेहरा

60/7, रामजस रोड, करोल बाग

नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को ले लीजाने के लिए।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिसतक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें उक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी आन प्लाज सं० ई-292, ग्रेट कैलाश-1, नई
दिल्ली।

जी० के० मंगोत्रा,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, दिल्ली,

तारीख : 13-10-1986

मीहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू/2/37/37ईई/2-86/17-ए-

अतः मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 5, है तथा जो बहादुर
शाह जफर मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रैंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन, तारीख फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रचारित किया गया था या किया
जाना चाहिए था, तिथि में स्तिथि के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम, अधिनियम :—

1. श्री के० नरेन्द्रा मैनेजिंग डायरेक्टर डेवी प्रताप,
5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० कैलाश नाथ एण्ड एसोसियेट्स 18,
बाराबन्सा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय कक्षा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अपाठ्यताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली
अतिरिक्त क्षेत्र कंस्ट्रक्शन एग्रीमेंट तारीख 3-12-86 लीज-
होल्ड।

अशोक कक्कड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज-2, दिल्ली

दिनांक : 14-10-1986

मोहर :

प्रत्यक्ष बाह्य, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

सं० अई-2/37ईई/30670/85-86:— अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग की शर्तों के अन्तर्गत अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 302, राजगीर मिलन, अन्धेरी, बम्बई में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

के द्वारा उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अध्यापक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त के दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व से करीब आठ लाख रुपये के अन्तरक के धारित्व से किया गया

(ख) ऐसी किसी अतः या किसी भू या अन्य प्राप्ति या भू, जिसका भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगकर्ता अन्तराती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि वह अन्य कोई भू, जिसमें भी उक्त अधिनियम के अधीन

1. मसर्स राजगीर बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री जीगिन्दर कुमार मुन्दरलाल वाही

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के विषय कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमम्भी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम से कम प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोज्यताधारी के द्वारा लिखित में लिखा या लिखे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302, जो तीसरी मंजिल, राजगीर मिलन, एस० नं० 77, हिस्सा नं० 3, विलेज अन्धेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/30670/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

10326GI/86

दिनांक : 9-10-1986

मोहर :

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

1. सैसरा राजगीर बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. जश्वीमती उर्मिलादेवी विद्यासागर वाही

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर धायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1983

सं० आई-2/37ईई/30669/85-86:—अतः मुझे, लक्ष्मण
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 201, राजगीर मिलन, अन्धेरी
बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई रजिस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से ऐसे हयमान प्रतिफल के
पक्ष में प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसूल, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
बाध्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
दाए/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाए में सुविधा
को-लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
की बलीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 3—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, राजगीर मिलन,
एस० नं० 77, हिस्सा नं० 3, विलेज अन्धेरी, बम्बई में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/30669/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारीह बम्बई द्वारा दिनांक 28-2
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986

मोहर :

प्रमुख भाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

सं० अई-2/37ईई/30250/85-86— अतः मुझे, लक्ष्मण

वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके प्रस्ताव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 864, आंबिवली,
एस० नं० 1412-बी, अंधेरी, बम्बई में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-2-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साबित्व में कमी करने या उचित करने में सुविधा
की निम्न; और/या

(ख) ऐसे उक्त आय या किसी धन या अन्य दस्तावेजों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
का अभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने
में सुविधा की निम्न;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरी नन्द लाल सीधी ।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र प्रताप राय शाह ।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निम्न
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० 864,
एस० नं० 1412 बी, आंबिवली विलेज, अंधेरी, बम्बई है।
अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37ईई/30250/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986
मोहर :

प्रकृष माह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

सं० अई-2/37ईई/30255/86-86:— अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 402, होराजोन व्यू 3,
अन्धेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
17-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
कारण से कमी करने या उचित करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स के० आर० एसोसियेट्स।

(अन्तरक)

2. श्री रामदास मंजू नाथ शेनोय और
श्रीमती सुनिता रामदास शेनोय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अपाठ्यताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो होराजोन व्यू 3, प्लॉट नं० 70,
हैसवे० नं० 91 ए, (पार्ट) और 95 ए (पार्ट), आफ डेय
प्रकाश रोड, वर्सोवा अन्धेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/30255/75-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-2-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-10-1986

मीहूर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निराक्षर)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

सं० अई-2/ 37ईई/ 30912/ 85-86— अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन लक्ष्य प्राधिकारों को यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका औषध बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 603, पार्किंग नं० 4, होरा यजो नं० 1, अन्वेषी, (प), बम्बई 61 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्राप्त्यता यथावत का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रायश्चित्त से अधिक है और अंतरक (अंतरवर्ग) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नोक्त उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नोक्त वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

[illegible]

सुरक्षा के नियम:

जहाँ जहाँ, अर्थात् अधिनियम की धारा 269-ब की अन्वयात् (1) के अन्वये, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. मैसर्स के० आर० ऐसीसियेट्स ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गार्गी पी० देसाई और श्री प्रदीप भाई, देसाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना प्रारंभ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समतल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

दिवसों में भीतर अलग-अलग दायरे की ओर हिलने लगे। किसी
किसी को देखकर मुझे अचानक बंधुवर्ती के पास विधित

स्वाध्यायकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 603, पार्किंग नं० 4, जौ, होरायजोन व्यू
1, प्लैट नं० 70, सर्वे नं० 91 ए, (पार्ट), 95 ए
(पार्ट), आफ जय प्रकाश रोड, वसोवा, अन्वेली (प०),
बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/30912/85-86 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30533/85-86:— अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लैट नं० 502, पार्किंग नं० 4, होराय-जोन व्यू 3, अंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था दिखाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार धन, धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स के० आर० एसमसियेट्स।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल खालिद नसीर अहमद
श्री अब्दुल शहीद नसीर अहमद और
श्री अब्दुल वहीद नसीर अहमद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ में ऐसी कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थ में संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पर कर

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए गए सूचना

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 502 और पार्किंग नं० 4, जो होरायजोन व्यू 3, प्लैट नं० 70, सर्वे नं० 91ए (पार्ट) और 95 ए (पार्ट), आफ जय प्रकाश रोड, बर्सावा, अंधेरी (प०) बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/30533/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणदास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986

मोहर :

[illegible]

[Handwritten signatures]

कार्यान्वित, सहायक राज्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 वम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/30440/85-86:— अतः मुझे,
लक्ष्मणदास,
भायकर वणिगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'लक्ष्मण वणिगियम' कहा गया है), की भाषा
269-अ के अन्तर्गत प्रवेश प्रविष्टि से संबंधित प्रस्तावित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विपणन प्रविष्टि बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 48, 49 अम्बेरी, बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा शायकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन तत्तम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-2-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और इससे यह विवेकास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) 本報告は、我が国の経済的発展、社会の安定、文化の繁栄に貢献するものとする。

[illegible]

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नारायण गोमालराव उभायकर

(अन्तरक)

2. श्री महमदली ईस्माईन पटेल,
श्री नसीरुद्दीन बी० अन्जानी,
श्री मयूरेश मधुकर कामत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों कराये हों।

सर्वतः सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
भूयता की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को न किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर अपना अग्रिम प्रतिक्रिया में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिष्ठाकारी के पाठ प्रेषित हो पाएगा या नहीं।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 48, सी० टी० एस० नं० 49 और प्लॉट व कन्स्ट्रक्शन प्लॉट नं० 43, सी० टी० एम० नं० 47 पर जो आंधेरी विलेज, इस्मालिया, तालुका साउथ सालसेत, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/30440/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986
मोहर :

प्राकृतिक आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

सं० आई-2/37ईई/30334/85-86—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'सूक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 41 (पार्ट), इमारत एल-2
अन्धेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269-क ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
21-2-1986 ।

किसी व्यक्ति के लिए या बाजार मूल्य से कम के लिये
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और नतीजतन यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसलिये प्रतिफल से, ऐसे इसलिये प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीकों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निहित में
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लिये
मेरे कर्मी करने का उद्देश्य उक्त से सुनिश्चि के लिए,
और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती दाय्य प्रकट नहीं किया गया था या
प्रकट करना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मेरे: यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
11-326GI/86

1. श्री प्रवीन चन्द्र पी० ओधवानी और
[श्री महेश एल० धोलाकीया ।

(अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार अगरवाल और
[श्रीमती सन्तोष आर० अगरवाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने के पश्चात् सम्पत्ति के बर्तन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बावत :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसके भी अधिक अवधि, या
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या
अवधि कायम में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुप
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास

निहित हो किए या सकेंगे।

सन्दर्भ:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 41 (पार्ट), 34
380 वर्ग फुट एफ० एम० आई० इमारत एल-2, विलेज
ओशिवरा, अन्धेरी (प०), बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/30334/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-10-1986

मोहर

प्रमुख बाई.टी.एन.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर 1986

सं० अई-2/37ईई/29795/85-86 अतः मुझे, लक्ष्मण
दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि आधार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे० नं० 34, 35, विनेज मजास जोशेश्वरी
(पु.) बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4 फरवरी
1986

यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल में, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
सबसे प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
व्यक्तिगत रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत
प्रयोजन से कापी करने या उससे सबब में छिपाया
के लिए कोशिश

(ख) किसी किसी बात या किसी बत का धर्म वास्तविक
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
यह, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अधीन :

1. आकृति एण्ड गोयल रीयाटर्स प्राइवेट लिमिटेड ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सारंगा अगरवाल ।

(अन्तरिती)

4. मै० अनिल अगरवाल और राखी लन्ड डेवलोपमेंट
को० प्राइवेट लिमिटेड ।

(वह व्यक्ति, जिसे बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
आवश्यक करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तिगत रूप से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मण दास—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 34,35, हिस्सा
नं० 1 (पार्ट), सीटी० एस० नं० 176 (पार्ट), विनेज
मजास, जोशेश्वरी, (पु.) बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/29795/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-2
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-10-1986

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/29814/85-86:--अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे० नं० 34, सी० टी० एस० नं०
176 (पार्ट) जोगेश्वरी, (पु०), बम्बई में स्थित है (और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269
क ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 4-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और

मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. आकृति एण्ड गोयल रीयल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरक)

2. श्रीमती सारंगा अग्रवाल।

(अन्तरिती)

3.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. अनिल अग्रवाल और राखी नेलैण्ड डेवलपमेंट को०
प्राइवेट लिमिटेड।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 34, जिसका हिस्सा
नं० 1 (पार्ट), सर्वे० नं० 35, सी० टी० एस० नं० 176
(पार्ट), विनेज मजाल, जोगेश्वरी (पु०), बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि क्रि सं० आई-2/37ईई/29814/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
4-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-10-1986

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर, 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30398/85-86:— अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० नं० 48, प्लॉट नं० 1, विलेज बर्सावा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्स्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ध्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन सूचना के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) को उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधांग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मार्गरेट छोटू भाई कमानी

(अन्तरक)

2. मैसर्स मूर्धा बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

3. भाडोत्री

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. _____

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका एस नं० 48, प्लॉट नं० 1, हिस्सा नं० 1 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 1088, 1088/1, से 1088/3, विलेज बर्सावा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/30398/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. एन

1. श्री बेसील फर्नांडीज

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

2. श्री शिरीश एच० शाह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 2986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/30069/85-86:— अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 11, 12, जुहू तारा सोसायटी,
सान्ताक्रुज, (प०), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कराण्ड
नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
14-2-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी नाम की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
यह कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रयुक्त कर्तव्य के
यह आय या धन का उपयोग करने के लिए, या
पूर्वोक्त के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तर्गत
उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की धारा 269-अ
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लॉट नं० 11, 12, जुहू
तारा को० आप-हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सी० टी० एस०
नं० 1091 (पार्ट), फाइनल प्लॉट नं० 34, टी० पी० एस.
2, सान्ताक्रुज (प०), बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/30069/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
14-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30444/85-86:— अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० एच०/534, सान्ताक्रुज (प०) बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-2-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी लाभ या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री खोजम ई० मीलवाला और
श्री शम्बीर ई० मोनवाला।

(अन्तरक)

2. मैसर्स मोर्डन इंस्टीटोर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या अन्तर्मध्य व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० एच/534, पहली हसनाबाद नेन, सान्ताक्रुज, (प०) बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/30444/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/3053/85-86- अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 310, जल दर्शन, जुहू, बम्बई-
49 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करार

नामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
25-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विहित में
वस्तुस्थिति से अभिन्न नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वस्तु 20 उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने या सुनिश्चित
सुविधा के लिए.

अतः प्रकट, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स एम० आर० कंबायन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शोभांगी नारायण रेदीज
और श्री कीरन नारायण रेदीज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथादृष्टाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही बर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 310, जो जल दर्शन, एस० नं० 44, एच०
नं० 1 (पार्ट) 2, (पार्ट), रुईया पार्क, जुहू, बम्बई-400049 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/3053/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
25-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

[लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-86

मोहर :

रूप बाई. टी. एन. एस. * * *

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30763/85-86 :- अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह प्रस्ताव करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लट नं. 5, सीलवर बीच, जुहू,
बम्बई-49 में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्द्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आवधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य
प्रति करी कराने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. बी० गी० फ्रीड कन्शट्रक्शन एण्ड डेवले पर प्राइवेट
लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री सी० डी० मेहतालीया।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो, तीसरी मंजिल, बी० विंग, सीलवर
बीच, सी० एस० नं० 505, जुहू, 400041 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/30763/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-86

शेहर

କଳାପାଟଣା ଟାଉନ ଡିଭିଜନ୍ ଅଫିସ୍, କଟକ, ୧୫.୦୩.୨୦୧୭

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्यायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1985

निर्देश ० अई-2/37ईई/30773/85-86— अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

बायकग अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्रा. 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 5, सी - 3, जूहू, ब 49 में स्थित है (और इससे उपायद्वय सी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनाम - यकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय का शान्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है।
 नै. वि. १९८७/७७

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणालीनार्थ सन्तान्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए:

1. वो० पी० क्रेडो कन्स्ट्रक्शन एण्ड डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2. श्री मन्भाई बी० पटेल

(अन्वयिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर लगाए गए कार्रवाई के 45 दिनों में अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को कोर्ट में पेश करने के लिए।

(क) इस सूचना के आधार पर प्रस्तावित की जा रही है कि 45 दिनों के भीतर उक्त आधार योजना में निम्नलिखित किसी एक व्यक्ति द्वारा अग्रगण्यताओं के प्राप्ति निश्चित हो कि या नहीं हो।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के क़ब्ज़ा 20-क में परिभाषित हैं वही शब्द क़ानून के इस अनुच्छेद में दिया गया है।

अनसूची

फ्लैट नं० 5, जो, चौथी मंजिल, विंग ए, फिलवर
बीच, सी० एस० नं० 505, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित
है।

अनुची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/30773/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त आयुक्ता (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
12—326GI/86

दिनांक : 9-10-86

मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बड़ा हो संपन्न हो, के भीतर पूर्वोक्त पाठकों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध व्यक्ति द्वारा अर्पित की जाने वाली सूचना अध्याहस्ताक्षरी के पाठ में संशोधन से विद्यमान होगी।

अध्यापक को यह पता होना चाहिए कि जो उक्त अध्यापक को 20-क में परिभाषित है, उसे वह जो उस अध्यापक में दिया गया है।

બલ સુધી

फ्लैट नं० 5, जौ चौथी मंजिल, बी० विंग, सीलवर
वीच, सी० एस० नं० 505, जुहू बम्बई 400049 में स्थित
है।

अनुपूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/30772/85-86 और जो सज़म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2,—बम्बई

उक्त: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसूचना
 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835

दिनांक : 9-10-86
सोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/29740/86-86— अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 42 सी, रूईया पार्क, जुहू, बम्बई में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जााहए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स जुहू इस्टेट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. लीला ए चौथी और
श्री मोहन चैतानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर सूचना को जारी करने से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि धारा में संज्ञाता होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 42, सी, जो चौथी मंजिल, रूईया पार्क, सर्वे नं० 47, जुहू, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/29740/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, पूना

दिनांक : 9-10-1986

मोहुर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

1. जुहु इस्टेट कारपोरेशन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

2. श्री कृष्ण डी० राजानी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1986

सं० आई-2/37ईई/30363/85-86:— अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह अवगमन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी रजिस्ट्रार फ्लैट नं० 53 ए, रूईया पार्क, जुहु, बम्बई में स्थित है और इससे उगावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्जित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए०से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं० 53 ए, जो पांचवीं मंजिल, रूईया पार्क बिल्डिंग, सर्वे नं० 47, जुहु, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/30363/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 9-10-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्ज रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30052/85-86:—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 52, सी, रुईया, पार्क, जुहू,
बम्बई में स्थित है और इससे उपायुक्त नुसुची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-2-1986

के पश्चात् यह प्रमाणित किया गया है कि यह विश्वास
प्रतिफल के बिना अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गुण्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
इसमें से कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा
का मतलब है/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जुहू इस्टेट, कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रश्मी उमेश कमाडिया और
श्री उमेश अनिलकांत कमाडिया

(अन्तरितियाँ)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उक्त सूचना जारी करके

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या अन्तर्गत अधिनियम पर
सूचना का तत्काल 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समझौता होती है, के माध्यम से सूचना
व्यक्तिगत रूप से प्रकाशित द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
व्यक्तिगत रूप से सूचना द्वारा अन्तरितियों के पास
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 52 सी, जो पांचवीं मंजिल, रुईया पार्क
बिल्डिंग, सर्वे नं० 37 जुहू, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/30052/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-2-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्ज रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986
मोहर :

अध्य. आर्. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/30512/85-86:— अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सञ्चा प्लैट नं० 501, मंगल कीरन, जुहू, बम्बई
57 में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका कारताना आयकर अधि-
नियम की धारा 269 क, ख के अधीन सञ्चन प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-2-1986

का पूर्वका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त का गृह है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय
थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
दान, और/या

(ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
जै, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. इन्द्रा एच० गुप्ता

(अन्तरक)

2. कुमारी वीरा सिंग

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 42
दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिनियम में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
30 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
प्राप्त में आकर जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 501, जो, पांचवीं मंजिल, मंगल कीरन,
प्लॉट नं० 57, आयरीस पार्क, जुहू, बम्बई-400057 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37ईई/30512/85-
86 और जो सञ्चन प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 9-10-86
मोहर :

प्रमाण आइए टी एन एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई-2/37 ईई/30019/85-86--प्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹.00 000/- से अधिक है

और जिसे नं० प्लॉट नं० 1-ए, चन्द्रबिला अपार्टमेंट, विलेज पार्क (प०), बम्बई-56 में स्थित है प्रोपर्टी उपाद अनुसूची में प्रोपर्टी नं० के तहत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के हाथों बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 11 फरवरी, 1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम के भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मै० न्यू इण्डिया कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री भोकालाल कानजी सोनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1-ए, जो चन्द्रबिला अपार्टमेंट, प्लॉट नं० 3 सी० टी० एस० नं० 8/4, ग्लोमोहर रोड, विलेज पार्क (प०) बम्बई-400056 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/30019/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-10-1986

मोहर :

प्रकाश आर्.टी.एन.एस.-----

(1) मै० जी० सी० इन्टरप्राइसेस ।

(अन्तरक)

(2) शाह पोपट लाल देवराज ।

(अन्तरितो)

(अन्तरक)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई-37-ईई/30901/85-86—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3, मधुवन, विले पार्ले (प०), बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27 फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त अधिनियम के अधीन उक्त अधिनियम से कम के दसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एकी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्पत्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन लिखित जास्तियों, अधिनियम :—

13—326GI/86

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोग्यताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3, जो दूसरी मंजिल, मधुवन, प्लॉट नं० 9, आजाद नगर सोसाइटी, जे० बी० स्कीम, रोड नं० 1, विले पार्ले (प०), बम्बई-400056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/30901/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27 फरवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986

मोहर

प्रकरण बाई-टी. एन. एल.

(1) म० स्काई बिल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अनिल सी० शाह और अन्य ।

(अन्तरिती)

साहायक सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/29840/85-86—

प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (यिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, हेमल प्लॉट नं० 5,
विले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 269 क ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7 फरवरी
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यकता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षणिक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों 45
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, जो हेमल प्लॉट नं० 5, हतकेश नगर
को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, जे० बी०
पी० डी० स्कीम, विले पार्ले (प), बम्बई-400056 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/29840/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
7 फरवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 9-10-1986

मोहर :

प्रकरण भाई, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन

भारत सरकार

आयकर सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई-2/37-ईई/29923/85-86--अन: मुजे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 20 बी, त्रिमूर्ति सोसाइटी, सांताक्रूज (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7 फरवरी, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लाले तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के आयदा में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगदीश खसा ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद जी० काला और श्रीमती रश्मि विनोद काला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

फ्लैट नं० 20/बी, जो त्रिमूर्ति को० अपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, नोर्थ एवेन्यू रोड, सांताक्रूज (प); बम्बई-400054 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई/29923 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 फरवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-10-1986
मोहर

प्रत्यक्ष बाई-डी एन एच

(1) पी० जय० इन्टरप्राइसेस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री एच० पी० गुप्ता एच० यू० एफ० ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निदेश सं० अई-2/37 ईई/30496/85-86—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 602, मंगल मूर्ति, सांताक्रूज (प) बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-2-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविश्व के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनृष फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 602, जो मंगल मूर्ति, प्लैट नं० 82/29, लिफिंग रोड एक्सटेंशन, सांताक्रूज (प), बम्बई-400054 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37 ईई/30496 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-10-1986
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई०-2/37 ईई०/30497/85-86—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 701, मंगल मूर्ति सांताक्रूस
(प०), बम्बई-400054 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 24-2-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायतब से कमी करने या उससे बचने से छुटकारा
के बिना, जोर/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० पी० जय इन्टरप्राइसेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० पी० गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 701, जो मंगल मूर्ति प्लॉट नं० 82/29,
लिंकिंग रोज, सांताक्रूस (प०), बम्बई-400054 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/30497/
85-86 और जो समक्ष प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24/2/
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-10-1986
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/29680/85-86--अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, जानकी कुटीर, जुहु, बम्बई
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है दिनांक 1-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गढ़ा है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त
आस्तित्व रूप से अभिमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स विकास डेवलपर्स

(अन्तरक)

2. मधुकर रंगीलदास रंडेरीया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/29680/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई के द्वारा, दिनांक 1-2-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986

मोहर :—

प्रारम्भ आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/29681/85-86—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आकार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, प्लॉट नं० ई/7, मान्ताकूज,
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-2-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आकार मूल्य में कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और अतः यह विश्वास
करने का कारण है कि अधोपस्थापित सम्पत्ति का उचित आकार
मूल्य, उसकी व्यवसाय प्रतिफल में, इसमें व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में प्रतिफल नहीं प्रकट होता है।—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय का वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने को अन्तरक के
वास्तव में कभी करने या उससे करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिसमें उपरोक्त अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम या अन्तरक
अधिनियम, 1967 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहे या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा

1. श्रीमती मधू प्रकाश कपूर, और श्री प्रकाश चन्द्रा कपूर
(अन्तरक)

2. श्री नरेण चन्द्रलाल मनीयर, और
श्रीमती उमिला नरेण मनीयर
के (अन्तरिती)

3. अन्तरिती
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि तब से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिख जा सकेंगे।

व्याख्याकर्ता—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो प्लॉट नं० ई/7, आई माई गजदार
प्रापवेट लिमिटेड, सर्वे नं० 448 (पार्ट), सी० टी० एस० नं०
जी-368 (पार्ट), 408ए, मान्ताकूज, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37ईई/29681/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986

मोहर :—

प्रारूप आर्क.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निदेश सं० ए०आर० 2/37/जी/3885/II/—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 75, टी०पी०एस० 4, सांताक्रुज गोरधनदास, रोड, एस०व्ही रोड, सांताक्रुज, बम्बई में है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन दिनांक 25-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनाम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
14326GI/86

1. दीपचन्द मोहनलाल शहा, शिवचरण मोहनलाल शहा और प्रफुल्ल मोहन लाल शहा।

(अन्तरक)

2. श्री कांजी रावजी पटेल, अमृतबेन, बी० पटेल, जयन्ती लाल जे० शहा, राजेश जयन्तीलाल शहा, अश्विन जयन्तीलाल शहा, और श्रीमती कुमारी जयन्तीलाल शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं०, क्र० सं० 1455/79 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986 :

मोहरा:

प्रमुख जाँच. टी. ई. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० आई-2/37ईई/30673/85-86—अतः मुझे
लक्ष्मण, दास
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि आधार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 19, अशोक निवास, विले पार्ले
(प०), बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 28-2-1986 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतीक में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित है
भारतीय रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उचित वर्णन से सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री महेश रतीलाल ओजा, और
श्री रमेश रतीलाल ओजा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती उपा प्रविनचन्द्र दोशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त धारा के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त धारा के सम्पत्ति में हितवाध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाठ्यताओं के बाध
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 19, जो पहली मंजिल, अशोक निवास, स्मीय
पोंड रोड, विले पार्ले (प०), बम्बई-400056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/30673/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई-टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

1. श्री विजय रहेजा

(अन्तरक)

2. मैसर्स जस्ट फोर यू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30610/85-86—अतः मुझे,
लक्ष्मण दाम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० तल मंजिल, प्रीमायसेस क्वीन्स पैलेस, बान्द्रा,
बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
को नही करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

तल मंजिल, प्रीमायसेस जॉ क्वीन्स पैस, बिल्डिंग 205,
वाटरफील्ड रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है व

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/30610/85-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986

मोहर :

प्रकरण साई-2 टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/29744/85-86—अतः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 3, मी-कासा, बान्द्रा, बम्बई-50
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा
269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में
रजिस्ट्री है दिनांक 3-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बंटवारा से हुए किसी भाग की वारस, उक्त
अधिनियम के अधीन कहे जाने के अन्तरक के
बायबिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आम्निता
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, अर्थात् :—

1. मैसर्स देवेन्द्र कन्स्ट्रक्शन, कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. साई प्रापर्टीज, प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन को लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लक्ष्मण दास

शाप नं० 3, जो तल मंजिल, सी-कासा, चौबीसवा रोड,
बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/77ईई/29744/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986

मोहर :

आरूप आई.टी.एन.एन. 30386/85-86

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

1. मैसर्स रूबी एन्टरप्राइसेस ।

(अन्तरक)

2. श्री जे० पटवर्धन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30386/85-86—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं०, 601, नील अपार्टमेंट, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आय कर अधिनियम की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 21-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाध की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित न करने या उससे वर्जन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरक से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

अनुसूची

फ्लैट नं० 601, जो छठवीं मंजिल, नील अपार्टमेंट, दसवां रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/30386/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयुक्त, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9-अक्तूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30736/85-86---अतः सुमे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, मंगल दिशा, खार बम्बई-52
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में
रजिस्ट्री है दिनांक 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण विहित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. पी० जय एन्टरप्राइसेस ।

(अन्तरक)

2. प्रभाकान्त एन्टरप्राइसेस ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आगे करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 701, जो सातवीं मंजिल, मंगल दिशा, छठवां
रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/30736/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986

मोहर :

प्रकरण नम्बर टी. एन. एच. 269-ब

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/29868/85-86— अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, मंगल भण्डार खार, बम्बई-52
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269
कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है
तारीख 7-2-1986

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों के अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री० वासु बी० हीरानन्दानी और श्रीमति पुष्पा वासु
हीरानन्दानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री बिहारीलाल के० रोहीरा और श्रीमति दूरी बिहारी
लाल रोहीरा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो 2री मंजिल, मंगल भण्डार, प्लॉट नं०
539, 13वां रोड, टी०पी०एस० नं० 3, खार, बम्बई-52 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2-37ईई/29868/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-2-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 9-10-1986
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/29886/85-86— अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 401/402, केप्टन विला, बान्द्रा,
बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स यूनियन कारबाइज इण्डिया लि०।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स के० आर० एसोसिएट्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 401/402, जो 4थी मंजिल, केप्टन विला, माउण्ट
मेरी हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/29886/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-2-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 9-10-1986

मोहः :

प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30528/85-86— अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर्ट गेलरी नं० 2, सिल्वर स्टोन, खार, बम्बई में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)
और जिसका काररनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कब
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 25-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

(1) राज कुमार बालकृष्णा ।

(अन्तरक)

(2) लेक फॉरेस्ट होल्डिंग्स प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

९. टिप्पणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर्ट गेलरी नं० 2, जो सिल्वर स्टोन बिल्डिंग, प्लॉट नं०
294, सत्रबैन स्कीम नं० 7, खार, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/30528/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बम्बई

अतः एवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15-326GI/86

तारीख : 9-10-1986

मोहर :

प्रथम भाग, डी. एन. एच. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर, 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/29750/85-86—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, आनर्स कोर्ट, माहीम, बम्बई में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 3-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य वास्तविकताओं
को चिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मालतीबाई डी०, दाण्डेकर, बकूल ज० देवकूल, लीला
आर० पाटकर, लीला पी० शेरे इन्दीरा बाई ए०
भटावडेकर, मालती पी० नायक और दत्ता त्रय वी०
आंबेस्कर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति शुभद्रा श्रीकान्त लेले और श्री श्रीकान्त विश्वनाथ
लेले।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रहण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्विगताक्षरी के अंतर्
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

फ्लेट सं० 2, जो तल मंजिल, आनर्स कोर्ट, सी० एस० नं०
13/590, माहीम डी डिवीजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/29750/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 9-10-1986
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

(1) रीजंसी कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) डा० नोशीर एच० वाडीया।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० आई/2/37ईई/30414/85-86—अतः मुझे

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 71, और 72, पाल्म स्प्रिंग, माहीम, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 21-2-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 71 और 72 जो 7वीं मंजिल, पाल्म स्प्रिंग, इमारत नं० 24-बी, वर्ली, सोनापुर, प्रभादेवी सीशोर, माहीम, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/30414/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-10-1986
मोहर :

प्रमुख अर्थ, टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स आकृति।

(अन्तरक)

(2) श्री हवर्ट लियो डिना और श्रीमति लूडस मेरीयन मेरुडीसा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/30927/85-86-- अतः सूझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वत् करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 103, ओपन पार्किंग, स्पेस नं० 5,
सोल्यीड्यूड, माहिम, (प), बम्बई-16 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका
कारारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
28-2-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिम की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच गणित अन्तरण के लिए सब
सबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य है उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतें, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

जैसे कि इस बात पर कि सो धन या अन्य भास्तिशों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहे था, छिपान में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

प्लॉट नं० 103, जो 1 ली सजिल, और ओपन पार्किंग
स्पेस नं० 5, जो सोल्यीड्यूड, प्लॉट नं० 401, टी० पी० एम० 3
पीताम्बर उन, माहिम (प), बम्बई-16 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/30927/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-10-1986
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स के० आर० एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नादिर जन मोहम्मद गिलानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई-2/37ईई/30797/85-86— अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, केप्टन विला, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो तल माला, केप्टन विला, माउण्ट मेरी, हील रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/30797/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986
माहुर :

प्रारूप भाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बम्बई.

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० अई-3/37ईई/30029/85-86-- अतः सुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एम० नं० बी०/320, चेपल रोड,
बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब्र के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अ.
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या कि या जाना पाया गया, छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

- (1) श्री दत्तात्रय के० नानल और श्री संजीव पत्की ।
(अन्तरक)
- (2) मैसर्स जेबा विल्डर्स ।
(अन्तरिती)
- (3) भांडोली ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है) ।

क यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आर्थिकवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका एन० ए० नं० 267, सी० टी० एम.
नं० बी/320, चेपल रोड, बान्द्रा-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/30029/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-2-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बम्बई

तारीख : 9-10-1986

मोहर :

सह्य आयु. टी. एन. ए.

1 श्री अमिरजी व्हाय; मुगाभोय :

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री राजनबी० रहेजा

(अन्तरिती)

पत्र संख्या

3. भाटोत्रि

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों कर रहे हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30354/85-86—अतः मुझे
लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अकबर विना, सी टी एम. नं० 26 बान्द्रा,
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाधुद्ध अनुसूची में अ. नं० पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसकी सं० में स्थित है और इससे
उपाधुद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 21-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया-
यों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या भारत अधिनियम,
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, सम्पत्ति में

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या हस्तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में संपन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पक्ष में लिखित न किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एम० नं० 26 सर्वे
नं० 191, प्लॉट नं० 3, वंगलो अकबर विला के साथ हिल रोड,
बान्द्रा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/30354/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 9-10-1986

गोहः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/29979/85-86—अतः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लैट नं० 12-ए, कार पार्किंग स्पेस नं० 1
सीलवा क्रोपट बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है और इसमें उपा-
बद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप वर्णित है, और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक
10-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैमर्स कोजी होम विल्डर्स।

(अन्तरक)

2. कु० मिचेल एल० एम० कुटीन्ही और
श्रीमती शैला पी० कुटीन्ही।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 12-ए और कार पार्किंग स्पेस नं० 1 जो
सानवी मंजिल सीलवा क्रोपट पेरी रोड बान्द्रा बम्बई-40005 में
स्थित है।

अनुसूची जैवार्थ क्र० सं० आई-2/37ईई/29979/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बम्बई

बम्बई दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30718/85-86—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 801, डाडीगी ब्रीदबान्द्रा (प)
बम्बई-50 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
मन्द प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

ख. ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आम्सिक
आय, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-क अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
है और जिसका अन्तर अधिनियम, 1922, क्लिपने में सुविधा
में लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति :—

326GI/86

1. मैसर्स ऐबिस कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

2. श्री कयल कपूर और श्री विकास कपूर

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 801, जो आठवीं मंजिल डायमेंट की, सी० टी०
एस० नं० 1246, 1249, 1250, 1251 विलेज शरली राजन
बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/30718/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस्.

(1) श्री शाम जी० टी० लाल बोरा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी कामिनी जनार्दन पंडित

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30685/85-86—

अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4 सी०, विंग कांती अपार्टमेंट बान्द्रा (प०), बम्बई 50 में स्थित है इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-2-86

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी धन की भावण, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने को अन्तरक को वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वर्गीकृत किया गया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो पहली मंजिल, सी विंग, कांती अपार्टमेंट, माउंट मेरी रोड, बान्द्रा (प) बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-2/37ईई/30685/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-10-1986

मोहर :

रक्षक नार्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निदेश सं० मई-2/37ईई/30869/85-86—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तल मंजिल, बलराम, प्लाट सी-3, बान्द्रा,
(पु०), बम्बई-51 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. यूनाइटेड बिल्डर्स कन्स्ट्रक्शन (इंडिया) प्राइवेट लि०
(अन्तरक)
2. मैसर्स इंटरनेशनल डाटा मैनेजमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बलरामा की तल मंजिल, जो प्लाट सी-3 ई ब्लॉक, बान्द्रा,
कूर्ला कमर्शियल कम्प्लेक्स, बान्द्रा (पु०), बम्बई-400051
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/30869/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986
मोहर :

प्रकृष बाइ. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

माउन्ट सरक्यूलर

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/29845/85-86—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 601, कैप्टन विला, बान्द्रा, बम्बई-6
में स्थित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई
में रजिस्ट्री है दिनांक 7-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
रिटी (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से फीस नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी धाय का बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; बाइ/बा

(ख) किसी धाय या किसी धन का अन्य वास्तविक
का, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया
जाना चाहिए या कियाने में सुविधा के लिए;

1. श्री रमेश कुमार साव्हने, श्रीमती वीरनवाली साव्हने
और श्रीमती सुमन साव्हने ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स बकशी इंजीनियर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदा का, या उक्त
अधिनियम के अनुच्छेद 20-क से प्रभावित
है, वही अर्थ होगा, या उस अनुच्छेद में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 601, जो छठवीं मंजिल, कैप्टन विला, माउन्ट
मेरी हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि अ० सं० अई-2/37ईई/29845/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-2-1986 को
रजिस्ट्री किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

उक्त कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

दिनांक : 9-10-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. नूरदीन अकबर विरानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती गुलशन मन्मोहन लालानी और
श्री सद्गुधीन कांजी लालानी।

(अन्तरिती)

सूचना संख्या

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० आई-2/37ईई/29695/85-86—अतः मुझे

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उल्लेख निम्न है:

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-54, युवत अपार्टमेंट, बान्द्रा
(प०), बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कार्यालय
आयकर अधिनियम की धारा 269-क के अर्थात् सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-2-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से होने वाली किसी भी आय या अन्य
अधिनियम के अधीन कर देने के अलावा के सम्पत्ति
में कमी करने या इससे बचने में सहायता के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम के
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा अंकित नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संज्ञित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अन्तर में सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन के अन्तर में भी
बदले हुए या समाप्त होते हुए के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हित-
वन्ध व्यक्तियों अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-54, जो पाचवीं मंजिल, युवत अपार्टमेंट
(बान्द्रा), को० प्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड 413/414,
माउन्ट मेरी रोड, बान्द्रा, (प०), बम्बई-400050 में स्थित
है।

अनुसूची जमा कि० सं० आई-2/37ईई/29695/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण, दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986

मोहर:

प्रमुख आई. टी. एन. एम. एम. एम. एम. एम.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० आई-2/37ईई/30007/85-86—अतः मुझे
लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 302, विनिता अपार्टमेंट, खार,
बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार नामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 10-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) को बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया अधि-
पक्ष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति को अन्तरित करने के लिए
कम से कमित नहीं किया गया है :—

(क) धनरुप के द्वारा किसी आय का वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैतर्स सीप्पी एण्डसिएट्स,

(अन्तरक)

2. श्री श्रीकार सिंह, सहानी और
श्रीमती कुलवंत कौर सहानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 302, जो तीसरी मंजिल, विनिता अपार्टमेंट,
प्लेट नं० 417, सी० टी० एम० नं० ई/218, चौदवा ए रोड,
खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/30007/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 10-2-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986

मोहर :

प्रमाण जारी. टी. एस. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/30008/85-86—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, विनिता अपार्टमेंट, खार,
बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर अधि-
नियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के
कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 10-2-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त. उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अस्तित्व में नहीं करने या उससे बचने में सुविधा
की लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया,
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम
के लिए।

1. मैसर्स सीपी एशोसिएट्स ।

(अन्तरक)

2. श्री हरचरनजीत सिंह सहानी और
सहानी ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कइके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन में दिष्ट
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

नबदीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, विनिता अपार्टमेंट,
प्लॉट नं० 417, सी० टी० एस० नं० ई/218, चौदवा ए रोड,
खार बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/30008/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 10-2-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986

मोर:

नतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की अपाधा (1)
के अधीन निम्नलिखित कार्यवाहियां करता हूँ।

प्रमाण संख्या: टी. एन. एम.-----

1. मैसर्स राजा इस्टेट्स ।

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ग (1) को अधीन सूचना

2. श्रीमती गोपी रामचन्द्र पंजाबी ।

आयकर अधिनियम

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर, 1986

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ ।

निर्देश सं० अई-2/37ईई/30728/85-86—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, स्वास्तिका विल्ला, खार, बम्बई 52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सहायक प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 28-2-1986

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ष प्रत्येक की अन्य व्यक्ति द्वारा अपेक्षापूर्वक के उस लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्येक प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वह सहायक प्राधिकारी, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित आम्तिवक रूप में अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत

सम्बन्धित है—इसमें उक्त सम्पत्ति और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 269-क के अधीन अधिनियम है, बड़ा अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयस्व से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, स्वास्तिका विल्ला, सोलावा रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/30728/85-85 और जो सहायक प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

दिनांक 9-10-1986

सीहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

आहत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37ई/29689/85-86—अतः मुझे,
लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 7, इमारत नं० 2, न्यू उद्योग मन्दिर
प्रीमायसेस, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-2-1986

को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सापेक्ष या कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहेगा था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तिओं, व्यक्ति :—

17—326GI/86

1. मैसर्स ग्लोबलिनवोन इंडस्ट्रियल एण्ड एक्सपोर्ट कारपोरेशन
(अन्तरक)

2. मैसर्स मीकू एंजिनीज ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सच्चा ज्ञात करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 7, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 2, न्यू उद्योग
मंदिर, प्रीमायसेस, को० ग्राप० सोसायटी लिमिटेड 7-सी,
पीताम्बर लेन, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ई/29689/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स राजगीर बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/29687/85-86-अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 602, राजगीर मिलन, अंधेरी,
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-2-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टिकोण
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि ब्यापकतः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
जिसके दृष्टिकोण प्रतिफल में, ऐसे दृष्टिकोण परिलक्षित कर पाएंगे
प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, भिन्नलिखित उक्तियों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को राजगीर उक्त
अन्तरितीय के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री हेमन्त कुमार एच० पटेल और

श्रीमती उर्मिला हेमन्त पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 602, जो छठवीं मंजिल, राजगीर मिलन, एस०
नं० 77, हिस्सा नं० 3, अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/29687/85-86
और जो समक्ष प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1986
की रजिस्ट्रार किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

मोहर :

प्रकृष माह. टी. एन. एस. -----

(1) एक्मे एण्ड एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) डा० किरन ए० मजूमदार ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई०-2/37 ईई/29697/85-86—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, आराधना, अंधेरी (पू०),
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पुनः प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कटू देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी कटने वा उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं को अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में एक जमा करेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तरक

फ्लैट नं० 4, जो चौथी मंजिल आराधना अंधेरी
(पु), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/37ईई/29679/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख:-9-10-1986
मोहर:-

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स प्रिंस प्लास्टिक्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स ए-1 प्रलास्टीक्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक, 9 अक्तूबर 86

निर्देश सं० अई-2/37ईई/29690/85-86

अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति निम्नलिखित उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 4, स्टील मेड इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी (पु०), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-2-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्र प्रतिष्ठान में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 4, जो स्टील मेड इंडस्ट्रियल इस्टेट, मंगोल उद्योग प्रीमायसेम को० आप० सोसायटी लिमिटेड, मंगोल मरोशी रोड, अंधेरी (पु०), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/37ईई/29690/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बम्बई-2

तारीख: 9-10-1986

मोहर:

प्रारूप जारी. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सड़कर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज -2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 86

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30882/85-86

अतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एलकारकेड, मराले अंधेरी (पू), बम्बई
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है,
तारीख 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिप्ति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शक्ति से कमी करने या उक्त करने से सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिग
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिप्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाता चाहिए था छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स लोक एण्ड काद्री ऐमोशिएट्स
(अन्तरक)
- (2) श्री प्रेम हसमताराय लालवानी और श्री रत्नाकर
एस० एल०
(अन्तरिप्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक है—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1635 वर्ग फुट गेस्ट हाउस पहले से चौथे माले
एंग विंग व पहला माला वी. विंग

“इमारत एलकारकेड, जो ग्राफ अंधेरी कलांड रोड,
मरोल, अंधेरी (पु), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-2/37ईई/30882/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28/2/1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आय कर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-10-1986
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स विकास प्रोपर्टीस ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) गुरु भगत आर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कन्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक, 9 अक्टूबर 86

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30568/86/86

अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203/ए, वर्टेक्स विभाग अंधेरी (प्रा, बम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25-2-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

३. यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 203/ए, जो वर्टेक्स विकास, अंधेरी (पु) बम्बई-400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-2/37ईई/30568/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986
मोहर :

प्रारूप भाई टी. एन. एच.

(1) मेसर्स राजगीर बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण दाम पी० चूध और श्री पारेखचंद टी० चूध।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अभिलेख, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

मैमबर्ड दिनांक : 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-2/37ईई/30668/85-86 अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, राजगीर मिबा अंधेरी, बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पक्का गढ़ा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त भौतिक रूप से कटित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वषत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं० 501, जो पांचवीं मंजिल, राजगीर मिलन, एस नं० 77, हिस्सा नं० 3, विलेज अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-2/37ईई/30668/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28/2/1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बईदिनांक : 9-10-1986
मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक : 9 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/30667/85-86 अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, राजगीर मिलन,
अंधेरी, बम्बई में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख ग के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है
तारीख 28-2-1986

यह पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एतद् दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
शतक से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
कार्यत्व में यमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए अंतर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
ए. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेगर्स राजगीर विल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री निरंजन दाम पी० चूध और श्री अर्जुन
दास पी० चूध

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अंतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 502, जो पांचवीं मंजिल, राजगीर
मिलन, एस० नं० 77, हिस्सा नं० 3, विलेज अंधेरी,
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/37ईई/30667/
8085-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-10-1986
मोहर :

प्रथम भाग टी. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 अक्टूबर 1986

निर्देश सं अई-2/37ईई/30545/85-86

अतः मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० ए० नं० 491, (पार्टे), अंधेरी (पु०), बम्बई में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
18—326 GI/86

(1) श्री मायकल डीसील्वा ।

(अन्तरक)

(2) नथमल गुरदयाल बाथवल ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीमती मेरी हेलेना वाज ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना के तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० ए० नं० 491, (पार्टे), और स्टेट बैंक एरिया के 40% के लाभ विलेज कोडी विटा, अंधेरी (पु), बम्बई है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/37ईई/30545/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-10-1986

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, मई, 1987

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1986

सं. फा. 7/3/86 प.-1 (ख)—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के श्रेष्ठ सेना, नौ सेना तथा वायु सेना स्कन्धों में प्रवेश हेतु, जनवरी, 1988 से आरम्भ होने वाले 70वें सत्र के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 3 मई, 1987 को एक परीक्षा आयोजित की जायेगी।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 300 (श्रेष्ठ सेना के लिए 195, नौ सेना के लिए 39 और वायु सेना के लिए 66) होगी।

विशेष ध्यान: उम्मीदवार को आवेदनपत्र, जैसा दिनांक 15-11-86 के सभी प्रमुख समाचार-पत्रों तथा राजगार समाचार में छपा है, के कालम 9 में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किस सेवाओं के लिए वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छा-नुसार जितनी चाहें उसी वरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता क्रम में उसके रैंक का ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भली भाँति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केवल उन्हीं सेवाओं पर उनकी नियुक्ति हेतु विचार किया जायेगा जिनके लिए वे अपनी वरीयता व्यक्त करते हैं अन्य सेवा या सेवाओं पर नहीं। उम्मीदवार द्वारा अपने प्रपत्र में पहले निर्दिष्ट वरीयता में वृद्धि/परिवर्तन के अनुरोध को आयोग स्वीकार नहीं करेगा।

आयोग द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षा के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त कोर्स में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली, स्तर और पाठ्यक्रमों, (ख) अकादमी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर, (ग) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्रमशः परिशिष्ट 1, 2 और 3 में विस्तार से समझाया गया है।

2. परीक्षा के केन्द्र :

अगरतला, अहमदाबाद, एजेल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, इटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, रायपुर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिरुगति, त्रिवेन्द्रम, उदयपुर और विशाखापत्तनम।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों का उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किये जायेंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अन्य केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को इन परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय मागणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। (नीचे पैरा 8 (1)) देखिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बन्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा।

किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उप केन्द्र में परिवर्तन चाहता है तो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक में अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा। किन्तु 3 अप्रैल, 1987 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3. पात्रता की शर्तें :

(क) राष्ट्रीयता :

उम्मीदवार या तो—

1. भारत का नागरिक हो; या
2. भूतान की प्रजा हो; या
3. नेपाल की प्रजा हो; या वह
4. भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तत्कालीन अरणार्थी हो; या
5. भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उगाण्डा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार), जाम्बिया, मलावी, जैरे तथा इथोपिया और वियतनाम से प्रवृज्जित कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग 2, 3, 4 और 5 के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाणपत्र पदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

(ख) आयु सीमाएं, लिंग और ब्याहृत स्थिति : केवल वे ही अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हों जिनका जन्म, 2 जुलाई, 1969 से पहले का तथा पहली जनवरी, 1972 के बाद का न हो।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाणपत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाणपत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मेट्रिकुलेंटों के रजिस्ट्रों में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के समर्पित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। मूल प्रमाणपत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने होंगे—

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, शपथ पत्र, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं किए जायेंगे। अनुदेशों के इस भाग में आए हुए "मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र" वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाणपत्र सम्मिलित हैं।

टिप्पणी 1 : उम्मीदवार यह ध्यान रखे कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदनपत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र या समकक्ष

परीक्षा के प्रमाणपत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 2 : उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद

में या किसी बाद की परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी 3 : उम्मीदवारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जाएगा। चाहे वह उस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेता उसे बाधिम भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है वह सब उससे वसूल किया जाएगा।

(ग) **शैक्षिक योग्यताएं :** राज्य शिक्षा बोर्ड या मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की हायर सैकेंडरी परीक्षा या समकक्ष। वे उम्मीदवार भी पात्र हैं जिन्होंने स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं कक्षा की परीक्षा पास कर ली है।

एसे उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं जिन्हें अर्थात् हायर सैकेंडरी या समकक्ष परीक्षा या स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं परीक्षा पास करनी है।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हताप्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को 26 दिसम्बर, 1987 तक अपने मेट्रिकुलेशन एथें या हायर सैकेंडरी या समकक्ष प्रमाण-पत्र मूल रूप से सेवा-मुख्यालय रिकॉर्डिंग 6 (एग. पी.) (ए.) बस्ट ब्लॉक, 3 आर. के. एम्, नई दिल्ली-110022 को प्रस्तुत करने होंगे। ऐसा न करने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। एसे मामलों में जहाँ बोर्ड/विश्वविद्यालय के द्वारा, अभी तक प्रमाणपत्र जारी नहीं किए गए हों, शिक्षा संस्थाओं के प्रधानाचार्य के द्वारा दिये गए मूल-प्रमाणपत्र भी आयोग की स्वीकार्य होंगे। एसे प्रमाणपत्रों की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियाँ/फोटो स्टेट, प्रतियाँ स्वीकार नहीं की जाएंगी।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी एसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं से युक्त न होने पर भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है बशर्ते कि उसके पास ऐसी योग्यताएँ हों आयोग के विचार में जिनका स्तर उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित ठहरता हो।

टिप्पणी 1 : वे उम्मीदवार जिन्हें हायर सैकेंडरी या समकक्ष परीक्षा में अभी तक अर्हता प्राप्त करनी है और जिनका संघ लोक सेवा आयोग ने परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, नोट कर लें कि उनको दी गई यह विशेष छूट है। उन्हें हायर सैकेंडरी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बोर्ड/

विश्वविद्यालय, परीक्षा के दूर से आयोजित किए जाने, परिणाम घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

टिप्पणी 2 : जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

4. शुल्क :

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को आयोग को रु. 28.00 (अट्ठाईस रुपये) के शुल्क का भुगतान करना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नयी दिल्ली की स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर दिये स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा में जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नयी दिल्ली के प्रधान डाकघर पर दिये रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो।

टिप्पणी (1) : उम्मीदवारों को अपने आवेदनपत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर ऊपर के सिरों पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए, पोस्टल आर्डर के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैसी भी स्थिति हो इस अनुरोध के साथ जमा करना होगा ताकि यह '051-लोक सेवा आयोग परीक्षा-शुल्क' के लेखा शीर्ष में जमा हो जाय और आवेदनपत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए। जिन आवेदन प्रपत्रों में इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जायेगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो नीचे के पैरा के आधार पर निर्धारित शुल्क की छूट की मांग करते हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को शुल्क नहीं देना होगा।

(1.1) आयोग, यदि चाहे तो निर्धारित शुल्क में छूट दे सकता है जब उसको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रयोजन कर आया था या भूतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है तथा पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान, भारत प्रयोजन कर चुका था या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रयोजन कर आया था या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में आया था या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(111) थल सेना के जूनियर कमीशण्ड अफसरों, नान कमीशण्ड अफसरों तथा अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायु सेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों और थल सेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशण्ड अफसर, भूतपूर्व नान-कमीशण्ड अफसरों तथा भूत-पूर्व अन्य रैंकों और भारतीय नौ सेना तथा भारतीय वायु सेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों को उस स्थिति में निर्धारित शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्नलिखित शर्तें पूरी कर देंगे हैं, अर्थात् :—

(क) वे मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जार्ज के नाम से ज्ञात)/सैनिक स्कूलों, सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं, और

(ख) उनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा इस अनुशंसा के साथ अग्रेषित कर दिये जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न-पत्रों में कुल अंकों के कम से कम 30% अंक प्राप्त करने की आशा है।

टिप्पणी : मिलिट्री स्कूलों/सैनिक स्कूलों के उम्मीदवारों के सम्बद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा, अग्रेषित आवेदनपत्रों की संवीक्षा आयोग के कार्यालय में यह निश्चय करने के लिए की जायेगी कि क्या ऐसे उम्मीदवार उपर्युक्त नोटिस के पैरा 4 (111) के अन्तर्गत शुल्क से छूट के हकदार हैं। किन्तु मिलिट्री स्कूलों/सैनिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों को अपने स्कूल विद्यार्थियों के आवेदनपत्र आयोग को अग्रेषित करने के पहले संतुष्ट हो लेना चाहिए कि वे नोटिस की उक्त व्यवस्था की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। आयोग प्रधानाचार्यों के कृतकृत्यों के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। आवेदन के साथ आयोग को अदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता है और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है।

IV जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु. 15.00 (पन्द्रह रुपये) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त करने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार हायर सैकेंडरी या समकक्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ या हायर सैकेंडरी या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

V जो उम्मीदवार मई, 1986 अथवा दिसम्बर, 1986 में आयोजित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा में बैठा हो और इन परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर किसी कोर्स के लिए उसका नाम अनु-शंसित हुआ हो तो उनके मामले में रु. 28.00

(अठ्ठाईस रुपये) का शुल्क वापस किया जा सकता है। पर वह जरूरी है कि मई, 1987 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द कराने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 अगस्त, 1987 या उससे पहले पहुंच जाए।

उपर्युक्त उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किये गये शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

5. आवेदन कैसे करें :

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को रोजगार समाचार/प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित आवेदन प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, भीलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। उम्मीदवार समाचारपत्रों या 'रोजगार समाचार' में प्रकाशित आवेदन प्रपत्र का मूल रूप में उपयोग कर सकते हैं और उसके कालम अपने हाथ से बाल पेन से भर सकते हैं। वे सफेद कागज (फुलस्कोप साइज) पर केवल एक तरफ सफाई के साथ डबल स्पेस पर टंकित आवेदन प्रपत्र और उपस्थिति पत्रक को भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीदवार प्राइवेट एजेंसियों से उपलब्ध छपे हुए आवेदन प्रपत्र तथा उपस्थिति-पत्रकों को प्रयोग में ला सकते हैं, बशर्ते कि वे रोजगार समाचार/प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित नमूने के अनुरूप हों। उम्मीदवार इस बात का ध्यान रखें कि पिछले वर्ष की परीक्षा के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्र के प्रारूप में आवेदन करने पर स्वीकार्य नहीं होगा। उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के सभी प्रश्न-पत्रों के लिए प्रवेश प्रमाणपत्र और एक ही अनुक्रमांक से परीक्षा दें चाहे उन्हें आयोग से एक से अधिक प्रवेश प्रमाणपत्र क्यों न प्राप्त हुए हों।

जिस लिफाफे में आवेदनपत्र भेजा जाए, उस पर मोटे अक्षरों में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, मई, 1987 लिखा जाए।

(क) उम्मीदवार का अपने आवेदन प्रपत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र भेजने चाहिए।

(1) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट/भारतीय पोस्टल ऑर्डर या भारतीय मिशन की रसीद (शुल्क माफी हेतु दावे के मामलों को छोड़कर), (2) फुलस्कोप साइज पेपर पर विधिवत भरा हुआ उपस्थिति पत्रक (नीचे परिशिष्ट 11 के अनुसार), (3) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें.मी. × 7 सें.मी.) के फोटो की दाएं एक जैसी प्रतियां एक आवेदन प्रपत्र पर तथा दूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर लगी हों, (4) एक पोस्टकार्ड अपने पते के साथ, (5) 11.5 सें.मी. × 27.5 सें.मी. आकार के बिना टिकट लगे हुए तीन लिफाफे अपने पते के साथ।

(ख) उम्मीदवार ध्यान रखें कि आवेदन प्रपत्र भरते समय भारतीय अंकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप का प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाणपत्र या समकक्ष प्रमाणपत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज है, तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि जो आवेदन प्रपत्र वह प्रयोग में लाता है उसमें जन्म की तारीख भारतीय 'अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप' में लिखी हो। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि आवेदन-प्रपत्र में की गयी प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि वे प्रविष्टियां पढ़ी नहीं जा सकती हैं या भ्रमक हैं तो उनके निर्वचन

में होने वाली भ्रान्ति या संदिग्धता के लिए उम्मीदवार ही जिम्मेदार होंगे।

(ग) सभी उम्मीदवारों को अपने आवेदनपत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिये अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदनपत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुँचा हो तो आवेदनपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा। भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति लोक उद्यमों में सेवारत है, उनको यह परिवचन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग के उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बन्ध अनुमति रोके तो कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदनपत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

जो उम्मीदवार सशस्त्र सेना में सेवारत है उन्हें अपने आवेदनपत्र अपने कमांडिंग अधिकारियों के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए, जिन्हें वह आयोग को अर्पित करेंगे।

भारतीय नौसेना में नौसैनिकों (बाल एवं परिशिली शिक्षार्थियों सहित) के आवेदनपत्रों को यदि उनके कमांडिंग अधिकारियों द्वारा विधिवत अनुमोदित किए जाते हैं, तो केवल उन्हें ही स्वीकार किया जाएगा।

राष्ट्रीय भारतीय मिलिटरी कालेज (जो पहले सैनिक स्कूल कहा जाता था) देहरादून, मिलिटरी स्कूलों (जिन्हें पहले किंग जार्ज स्कूल कहा जाता था) और सैनिक स्कूलों की संसाधनी द्वारा चलाए जाने वाले सैनिक स्कूलों के छात्रों को अपने आवेदनपत्र संबंधित कालेज/स्कूल के प्रिंसिपल के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए।

टिप्पणी : जिन आवेदनपत्रों के साथ निर्धारित शुल्क संलग्न नहीं होगा (उपर्युक्त पैरा 4 के अन्तर्गत शुल्क माफी के दावे को छोड़कर) या जो अधूरे या गलत भरे हुए हों, उनको एकदम अस्वीकृत कर दिया जाएगा और किसी भी अवस्था में अस्वीकृत के संबंध में अभ्यावेदन या पत्र-व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्रों के साथ आयु तथा शैक्षिक योग्यता, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और शुल्क में छूट आदि का प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं करना होगा। इसलिए वे इस बात को सन्निहित कर ले कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्रता की सभी शर्तों को पूरी करते हैं या नहीं। अतः परीक्षा में उनका प्रवेश भी पूर्णतः अन्तिम होगा। यदि किसी बाद की तारीख को सत्यापन करते समय यह पता चलता है कि वे पात्रता की सभी शर्तें पूरी नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

उम्मीदवारों में अनुरोध है कि वे उक्त परीक्षा के लिखित भाग का परिणाम घोषित होने के बाद सेना मुख्यालय को जल्दी प्रस्तुत करने के लिए निम्नलिखित प्रलेख तैयार रखें।

परिणाम के जून/जुलाई मास 1987 में घोषित होने की सम्भावना है।

1. आयु का प्रमाणपत्र।

2. शैक्षिक योग्यता का प्रमाण।

3. जहाँ लागू हो, वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाणपत्र।

4. जहाँ लागू हो, वहाँ शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाणपत्र। परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के घोषित हो जाने के तुरन्त बाद सेना मुख्यालय द्वारा सफलता प्राप्त उम्मीदवारों से कुछ अतिरिक्त सूचना को भेजने के लिए कहा जाएगा। उपर्युक्त प्रमाणपत्रों की सत्यापित प्रतियाँ सेना मुख्यालय, ए.जी. बॉक्स आर.टी.जी., 6 (एस.पी.) (ए.) पश्चिम ब्लॉक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को उस समय तत्काल भेजने होंगी। जो उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हताप्राप्त कर लेंगे उन्हें साक्षात्कार के तुरन्त बाद मूल प्रमाणपत्रों को प्रस्तुत करना होगा।

यदि उनका कोई भी दावा असत्य पाया जाता है तो उनके विरुद्ध आयोग द्वारा पैरा 6 के अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि वे आवेदनपत्र, नियमावली, पाठ्यक्रम आदि के लिए संघ लोक सेवा आयोग को न लिखें। ऊपर समझाए अनुसार इस विज्ञापन के साथ छापे गए आवेदनपत्र का प्रयोग किया जाए।

6. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कवाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है :—

- (1) किसी प्रकार में अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना, या
- (4) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना, या
- (5) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना, या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना, या
- (7) परीक्षा के समय अनधिकृत तरीके अपनाना, या
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का धूर्ध्वव्यवहार करना, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान करना या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाना, या
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रमाणपत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन करना, या
- (12) ऊपर खंडों में उल्लिखित सभी या किसी कवाचार को करने की कोशिश करना या करने के लिए उकसाना।

यह अपने कां दण्ड-अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त:—

- (क) आयोग की परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग द्वारा अपेक्ष्य ठहराया जा सकता है।

अथवा

- (ख) (1) आयोग द्वारा अपनी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए

- (2) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए और स्थायी रूप में या कुछ निर्दिष्ट अवधि के लिए अपर्याप्त किया जा सकता है।

किन्तु शर्त यह कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक—

- (1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहें प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई विचार न कर लिया गया हो।

7. आवेदन प्रपत्र लेने की अंतिम तारीख :

भग हुआ आवेदन-पत्र आवेदक प्रत्येकी के साथ संचय, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 का 29 दिसम्बर, 1986 (29 दिसम्बर, 1986 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणि-पूर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र में डाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 12 जनवरी 1987) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए, या स्वयं आयोग के काउण्टर पर आकर जमा करा दिया जाए। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपूर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 29 दिसम्बर, 1986 से पहले की तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपूर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी : (1) जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रसूति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पत्रों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी : (2) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र संघ लोक सेवा आयोग के काउण्टर पर स्वयं जमा कराएं या रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्र के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा।

निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

8. आयोग/सेना मुख्यालय के साथ पत्र-व्यवहार :

निम्नलिखित मामलों को छोड़कर आयोग अन्य किसी भी मामले में उम्मीदवार के साथ पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

- (1) आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र, जिसमें देर से प्राप्त आवेदन-पत्र भी सम्मिलित हैं, की पावती दी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी की जाती है इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गयी है, अपने आप यह मतलब नहीं है कि आवेदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

यदि परीक्षा से संबंधित आवेदन-प्रपत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

- (2) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदन-पत्र का परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के बूझ होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे में वंचित हो जाएगा।

- (3) जिन उम्मीदवारों को परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उनको अनुक्रमिक निर्दिष्ट करते हुए प्रवेश प्रमाण-पत्र जारी कर दिया जायेगा और उसमें निर्दिष्ट अनुक्रमिक वही होगा जो उम्मीदवारों की पावती कार्ड द्वारा पहले सूचित आवेदन पंजीकरण संख्या है। किसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में प्रवेश तब तक नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास उक्त परीक्षा का प्रवेश प्रमाणपत्र नहीं है।

किसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास प्रवेश-प्रमाणपत्र न हो।

केवल इस तथ्य का कि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया है, यह अर्थ नहीं होगा कि आयोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी अन्तिम रूप से ठीक मान ली गई है या कि उम्मीदवार द्वारा अपने प्रारंभिक परीक्षा के

आवेदनपत्र में की गई प्रविष्टियां आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदवार ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार के लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हताप्राप्त कर लेने के बाद ही उनकी पात्रता की शर्तों का मूल प्रलेखों से सत्यापन का मामला उठाता है। आयोग द्वारा औपचारिक रूप से उम्मीदवारों की पृष्ठ कर दिए जाने तक उम्मीदवारी अन्तिम रहेंगी।

- (4) उम्मीदवार उक्त परीक्षा में प्रवेश का पात्र हैं या नहीं है इस बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।
- (5) उम्मीदवार ध्यान रखें कि प्रवेश प्रमाणपत्र में कहीं-कहीं नाम तकनीकी कारणों से संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।
- (6) उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था अवश्य कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदनपत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करे, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना यथा शीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का प्रा-प्रा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

सहत्वपूर्ण : आवेदन के सम्बन्ध में सभी पत्र-व्यवहार, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नलिखित विवरण अवश्य होना चाहिए :—

1. परीक्षा का नाम
2. परीक्षा का वर्ष और सहाना
3. आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर या जन्म की तारीख (अगर आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर नहीं मिला हो)।
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)।
5. पत्र-व्यवहार का पता, जैसे आवेदन-पत्र में दिया है।

विशेष ध्यान : (1) जिन पत्रों में ऊपर का ब्योरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

- (2) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार को पत्र/पत्रादि प्राप्त होता है या इसमें उसका पूरा नाम और अनु-क्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद, अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए. जी. बांच रिक्लीटिंग 6 (एस. पी.) (ए.) वेस्ट ब्लॉक-3, विंग-1, रामाकृष्णापुरम्, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनुदेशों का पालन नहीं करेंगे वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएंगे।

जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करने के लिए अनुशंसित हैं उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पृष्ठताल और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए. जी. बांच रिक्लीटिंग 6 (एस. पी.) (ए.) वेस्ट ब्लॉक-3, विंग-1, रामाकृष्णापुरम्, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवार को भेजे गए सम्मन-पत्र द्वारा सूचित तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार के लिए पहुंचना है साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बद्ध अनुरोध पर केवल अपवादात्मक परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की गई अन्तिम योग्यता सूची में हैं यदि उनके पहले दिए गए पते में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको अपने नवीनतम पते की सूचना मुख्यालय ए. जी. बांच रिक्लीटिंग 6 (एस. पी.) (ए.) वेस्ट ब्लॉक-3, विंग-1, रामाकृष्णापुरम्, नई दिल्ली-110022 को दे देनी चाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यभार सम्भालने के अनुदेश उन्हें समय पर मिल सके। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार सम्भालने के अनुदेशों के न मिलने की जिम्मेदारी उम्मीदवारों की होगी।

9. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा :

योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार-अन्तिम परिणामों की घोषणा और अन्तिम रूप से पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश : संघ लोक सेवा आयोग लिखित परीक्षा में आयोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त अंक करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे जहां थल सेना-नौसेना के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता तथा वायु सेना के उम्मीदवारों का पाइलट एण्ट्रीच्यूट परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में अधिक से अधिक 900 अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दसिन या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के माता-पिता या अभिभावकों को इस आशय के एक प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु थल सेना/नौ सेना के उम्मीदवारों को (1) लिखित परीक्षा तक (2) प्राधिकारी क्षमता परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किए जायेंगे और वायुसेना के उम्मीदवारों को (1) लिखित परीक्षा, (2) अधिकारी क्षमता परीक्षण, (3) पाइलट एण्ट्रीच्यूट परीक्षण में अलग-अलग न्यूनतम अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किए जायेंगे। इन शर्तों पर अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता के अन्तिम क्रम में दो अलग-अलग सूचियों में—एक थल सेना तथा नौसेना के लिए और दूसरी वायु सेना के लिए—रखा जाएगा। जो उम्मीदवार सेवा के सभी अंगों के लिए अर्हता प्राप्त कर लेंगे हैं उनका नाम दोनों योग्यता सूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना तथा नौसेना के विंगों में प्रवेश के लिए अन्तिम चयन थल सेना

तथा नौसेना की योग्यतासूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा और वायु सेना विंग में प्रवेश के लिए अन्तिम चयन वायु सेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा जो शारीरिक स्वस्थता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के आधार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के नाम दोनों योग्यता सूचियों में हैं उन पर दोनों सूचियों में चयन हेतु विचार उनके वरीयता क्रम को देखते हुए होगा और उनके एक सूची से अन्तिम रूप से चुन लिए जाने पर दूसरी सूची से उनका नाम रद्द कर दिया जाएगा।

विशेष ध्यान : वायु सेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पायलट एंटीर्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त प्रेड वायु सेना चयन बोर्ड के सामने बाढ़ में होने वाले साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पायलट एंटीर्यूट के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के वायु सेना विंग या जनरल इयूटी (पायलट) ब्रांच या नेवल एयर आर्स में प्रवेश के लिए आवेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा. र. अकादमी कोर्स में पायलट एंटीर्यूट परीक्षण हो गया हो और उन्हें अर्हता प्राप्त कर लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायु सेना विंग के लिए ही अपना आवेदन करना चाहिए।

अलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किए जायें इस बात के निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा। परीक्षा में सफल होने मात्र से अकादमी में प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। उम्मीदवार को नियुक्ति प्राधिकारी को सन्तुष्ट करना होगा कि वह अकादमी में प्रवेश के लिए सभी तरह से उपयुक्त है।

10. प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिए अनर्हताएं

जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा चुके थे पर अधिकारी सूलभ विशेषताओं के अभाव के कारण या अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिए गये थे उनको अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

किन्तु जिन उम्मीदवारों को अवस्थता के आधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से वापस ले लिया गया हो या जिन्होंने अपनी इच्छा से उक्त अकादमी छोड़ दी हो उन्हें अकादमी में प्रवेश मिल सकता है बशर्ते कि वे स्वास्थ्य तथा अन्य निर्धारित शर्तें पूरी करते हों।

11. संघ लोक सेवा आयोग ने "संघ लोक सेवा आयोग की वस्तुपरक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक समूह्य पुस्तिका छापी है इसका यह उद्देश्य है कि इससे सं. लो. से. आ. की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

उक्त पुस्तिका प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स दिल्ली-110054 के कार्यालय से बेची जाती है। इसे वहां से सीधे मेल आर्डर द्वारा या नकद भुगतान पर लिया जा सकता है। यह पुस्तिका केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिजोली सिनेमा के सामने, एम्प्रायस बिल्डिंग, सी ब्लॉक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (2) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 पर प्रकाशन शाखा के बिक्री काउण्टर और (3) गर्धनमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8 के. एस. राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी मिल सकती है। उक्त मैन्युअल

(विवरणिका) भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफरसिन शहरों में स्थित एजेंटों के पास भी उपलब्ध है।

12. उम्मीदवार को अपना आवेदनपत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध उसको किसी भी अनुरोध का किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम. के. कृष्णन

उप सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

परिशिष्ट-1

(परीक्षा की योजना और पाठ्यक्रम विवरण)

(क) परीक्षा की योजना :

महत्वपूर्ण टिप्पणी :

संघ लोक सेवा आयोग ने रक्षा मन्त्रालय के साथ परामर्श करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा की पिछली योजना को सरल कर दिया है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा की पिछली योजना में पांच प्रश्न-पत्र थे गणित के 2, सामान्य ज्ञान के 2 और अंग्रेजी का 1। प्रत्येक प्रश्नपत्र 2 घण्टे की अवधि का था और तीन दिनों में पूरा होता था। प्रस्तुत परिशिष्टित योजना जो कि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा दिसम्बर 1986 से प्रारंभ की गई है, सरलीकृत योजना है जिसमें दो प्रश्न-पत्र हैं (1) गणित की पिछली योजना में से गणित 1 और गणित 2 तथा (2) पिछली योजना के सामान्य ज्ञान तथा अंग्रेजी में से सामान्य योग्यता परीक्षण 1, ब्यौर निम्नलिखित है :

1. लिखित परीक्षा के विषय, नियत समय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे।

विषय	समय	अधिकतम अंक
गणित	3 घण्टे	300
सामान्य योग्यता परीक्षण	3 घण्टे	600

900

2. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे, प्रश्न-पत्र (परीक्षण पुस्तिकाएं) केवल अंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे।

उम्मीदवारों को प्रवेश प्रमाण-पत्रों के साथ 'उम्मीदवार को सूचना विवरणिका' दी जाएगी जिसमें नमूना प्रश्न-पत्रों सहित वस्तुपरक प्रकार के परीक्षणों का ब्यौरा शामिल होगा।

3. प्रश्न-पत्रों में जहां भी आवश्यक होगा, केवल तोल और माप की मीटर पर धृति सम्बन्धित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी हालत में उन्हें प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता सूलभ नहीं की जाएगी।

5. परीक्षा के एक अथवा सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर रहेगा।

6. उम्मीदवारों को वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (प्रश्न-पुस्तिकाओं) के उत्तर लिखने के लिए कैलकुलेटर अथवा गणितीय अथवा लघुगुणकीय सारणियां प्रयोग करने की अनुमति नहीं है। अतः उन्हें ये वस्तुएं परीक्षा भवन में नहीं लानी चाहिए।

(ख) परीक्षा का पाठ्य विवरण :

प्रश्न-पत्र-1 गणित—अधिकतम अंक 300।

अंक गणित :

संख्या पद्धति-धनपूर्ण संख्यांक पूर्णांक परिमेय और वास्तविक संख्याएं मूल संक्रिया-जोड़, घटाना, गुणा और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न ।

एकिक विधि : समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रति-शतता-साधारण तथा चक्रवृद्धि ब्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण।

प्रारम्भिक संख्याएं सिद्धांत : विभाजन की कल विधि, अभाज्य और भाज्य संख्याएं 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण, अपवर्त्य और गूणन, गूणन खण्ड, प्रमेय । महत्तम समापवर्तक तथा लघुत्तम समापवर्त्य तथा लघु यक्लिड की दशमलव पद्धति ।

आधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम ।

विस्तार कलन अथवा क्षेत्रमिति :

वर्गों, आयतों, समान्तर चतुर्भुज, त्रिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल, उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं । (क्षेत्र बाहरी) घनामी का वाहरी क्षेत्रफल तथा आयतन । लम्ब, वृत्तीय शंकाओं और बेलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन ।

बीज गणित :

आधारभूत प्रक्रियाएं—साधारण गूणन खण्ड, शेषफल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम और लघुत्तम समापवर्त्य । द्विघात समीकरणों का हल, इसके मूल और गुणकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक मूल विचार किया जाए) दो अज्ञात गणितों में युगपत समीकरण-विश्लेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल/प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो यूपत रेखिक समीकरण बनते हैं या 'एक बार में' द्विघात समीकरण तथा उनके हल समुच्चय भाषा तथा समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक घातांक नियम ।

ज्यामिति :

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति, निम्नलिखित पर प्रमेय :—

1. किसी बिन्दु पर कोणों के गुणधर्म ।
2. समानांतर रेखाएं ।
3. किसी त्रिभुज की भुजाएं और कोण ।
4. त्रिभुज की सर्वांग समता ।
5. समरूप त्रिभुज ।
6. माध्यिकाओं और शीर्ष लम्बों का संगमन ।
7. समान्तर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों, भुजाओं के विकर्णों के गुण धर्म ।
8. वृत्त और उसके गुण धर्म जिसमें स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल हैं ।
9. स्थानिक संघटन ।

त्रिकोण मिति :

ज्या \times कोटिज्या \times स्पर्श रेखा \times भज— $0^\circ \leq \angle \leq 90^\circ$

ज्या \times कोटिज्या \times स्पर्श रेखा का मान यदि $0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ और 90°

सरल त्रिकोणमितीय तत्समक त्रिकोणमिति सारणियों का प्रयोग उंचाईयों और दूरियों के सरल कोण ।

सांख्यिकी :

सांख्यिकी तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीकरण । आलेखी प्रस्तुतीकरण-बारम्बारता बहुभुज । आयत चित्र, शलाका चार्ट, पाई चार्ट आदि अपरिष्कृत और सामूहिक आंकड़ों का परिकलन माध्य ।

प्रश्न-पत्र 11—सामान्य योग्यता परीक्षण :

अधिकतम अंक-600

भाग (क) अंग्रेजी (अधिकतम अंक 200)

अंग्रेजी का प्रश्न-पत्र इस प्रकार का होगा जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग का परीक्षण हो सके । पाठ्यक्रम में विभिन्न पहलू समाहित हैं जैसे व्याकरण और प्रयोग, विधि शब्दावली तथा अंग्रेजी में उम्मीदवार की प्रवीणता की परख हेतु विस्तारित परिच्छेद की बोधगम्यता तथा सम्बद्धता ।

भाग (ख) सामान्य ज्ञान :

(अधिकतम अंक 400)

सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों में मुख्य रूप से भौतिकी, रसायन शास्त्र, सामान्य विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, भूगोल तथा सामयिक विषय आएंगे ।

इस प्रश्न-पत्र में शामिल किए गए विषयों का क्षेत्र निम्न पाठ्य विवरण पर आधारित होगा । उल्लिखित विषयों को स्वींग पूर्ण नहीं मान लेना चाहिए । तथा इसी प्रकार के ऐसे विषयों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका इस पाठ्य विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है । उम्मीदवार के उत्तरों से विषयों को बोधगम्य ढंग से समझने की मेधा और ज्ञान का पता चलना चाहिए ।

भाग-क (भौतिकी) :

द्वितीय के भौतिक गुणधर्म तथा स्थितियां, संहति, भार, आयतन, घनत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण, आकर्षीमण्डल का सिद्धान्त, दाब, वायुदाब मापी, बिम्ब की गति, वेग और त्वरण, न्यूटन के गति नियम, बल और संवेगों, बल समान्तर चतुर्भुज, पिण्ड का स्थायित्व और संतुलन, गुरुत्वाकर्षण, कार्य, शक्ति और ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान ।

उष्मा का प्रभाव, तापमान का माप और उष्मा । स्थिति परिवर्तन और गुप्त उष्मा । उष्मा अभिगमन की विधियां ।

ध्वनि तरंग और उनके गुण-धर्म । सरल बाध यन्त्र, प्रकाश का चतुर्दोश्रिय चरण । परावर्तन और अपवर्तन । गैलीय दर्पण और नेस्तेज । मानव नेत्र । प्राकृतिक तथा कृत्रिम चन्द्रक । चन्द्रक के गुण धर्म । पृथ्वी चन्द्रक के रूप में । स्थितिक तथा भारा विद्युत । चालक और अचालक ओह्म नियम, साधारण विद्युत परिपथ । धारा के तापन, प्रकाश तथा चन्द्रकीय प्रभाव । वीद्युत शक्ति के माप प्राथमिक और गणि सेल । एक्स-रे के उपयोग ।

निम्नलिखित के कार्य संचालन के सामान्य सिद्धान्त :—

सरल लीनक, सरल घिरनी, साइफन, उत्तोलक, गूबारा, पंप, हाइड्रोमीटर, प्रेशर कांकर, थर्मन पन्नास्क, ग्रामोफोन-टेलीग्राफ, टेलीफोन, पेरिस्कोप, टर्निस्कोप, साइक्रोस्कोप, नाउक डिफ्यूजक तणित चानक। गुरुता फ्यूज।

भाग-ख (रसायन शास्त्र) :

भौतिक तथा रसायनिक परिवर्तन। तत्त्व, मिश्रण तथा यौगिक। प्रतीक सूत्र और सरल रासायनिक समीकरण, रसायनिक संयोग के नियम (समस्याओं को छोड़कर) वायु तथा जल के रासायनिक गुण-धर्म।

हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, नाइट्रोजन तथा कार्बन डाई-ऑक्साइड की रचना और गुण-धर्म। आक्सीकरण और अपचयन।

अम्ल क्षारक और लवण।

कार्बन-भिन्न रूप

ऊर्ध्वक-प्राकृतिक और कृत्रिम।

साबुन, कांच, स्याही कागज, सीमेंट, पेंट, दियासलाई और गन-पाउडर जैसे पदार्थों को तैयार करने के लिए आवश्यक सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु तुल्यमान और अणुभार अनुभाग संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान।

भाग-ग (सामान्य विज्ञान) :

जड़ और चेतन में अंतर।

जीव कोशिकाओं, जीव द्वय और उत्सकों का आधार।

वनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन।

मानव शरीर और उसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारम्भिक ज्ञान।

सामान्य महामारियाँ और उनके कारण तथा रोकने के उपाय।

खाद्य-मनुष्य के लिए ऊर्जा का स्रोत, खाद्य के अद्वयव संतुलित आहार। सार परिवार, उल्का और धूमकेतु, ग्रहण।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियाँ।

भाग-घ (इतिहास, स्वतन्त्रता आन्दोलन आदि) :

भारतीय इतिहास का मोटे तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति और समस्या की विशेष जानकारी।

भारत में स्वतन्त्रता आन्दोलन।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययन।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी समितियों और सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूदान, सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता और कल्याणकारी राज्य।

महात्मा गांधी के मूल उपदेश।

आधुनिक विश्व निर्माण करने वाली शक्तियाँ, पुनर्जागरण। अन्वेषण और खोज। अमेरिका का स्वाधीनता संग्राम। फ्रांसीसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति और रूसी क्रांति। समाज पर विज्ञान और औद्योगिकी का प्रभाव।

एक विश्व की संकल्पना, राष्ट्र, पंचशील, लोकतन्त्र, समाजवाद तथा साम्यवाद वर्तमान विश्व में भारत का योगदान।

भाग-ङ (भूगोल) :

पृथ्वी, इसकी आकृति और आकार, अक्षांश और रेखांश। समय संकल्पना, अंतर्राष्ट्रीय तारीख रेखा, पृथ्वी की गतियाँ और उसके प्रभाव, पृथ्वी का उद्भव, चट्टानें और उनका वर्गीकरण; अपक्षय-यांत्रिक और रासायनिक, भूचाल तथा ज्वालामुखी।

महासागर धाराएँ और ज्वारभाटे।

वायुमण्डल और इसका संगठन। तापमान और वायुमण्डलीय दाब।

भूमण्डलीय पवन, चक्रवात और प्रति चक्रवात, आर्द्रता, द्रव्यण और वर्षण। जलवायु के प्रकार विश्व के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल-जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, खनिज और शक्ति संसाधन। कृषि और औद्योगिक कार्यकलापों के स्थान और वितरण।

भारत के महत्वपूर्ण समुद्री पत्तन, मुख्य समुद्री भू और वायु मार्ग। भारत के आयात और निर्यात की मुख्य भव।

भाग-च (सामयिक घटनाएँ) :

हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी।

सामयिक महत्वपूर्ण विश्व घटनाएँ।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय; इनमें सांस्कृतिक कार्यकलापों और खेल-कूद से सम्बन्धित महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल होंगे।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र के भाग (ख) में नियत अधिकतम अंकों में सामान्यतः भाग क, ख, ग, घ, ङ तथा च प्रश्नों के क्रमशः लगभग 25%, 15%, 10%, 20%, 20%, 10% अंक होंगे।

वृद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण :

उम्मीदवार की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे, जैसे ग्रुप परिवर्चा, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षाएँ उम्मीदवारों की भंडाशक्ति की जांच के लिए होंगी। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए हैं अपितु इनसे उसकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलनेगा।

परीक्षण-2

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानक के मार्गदर्शक संकेत

टिप्पणी : उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे दिए हैं।

बहुत से अर्हताप्राप्त उम्मीदवार वाद में स्वास्थ्य के आधार पर अस्वीकृत कर दिए जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने

द्विज में सलाह दी जाती है कि वे अन्तिम अवस्था पर निराशा से बचने के लिए आर्सेन-पत्र भोजन से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लें।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित उम्मीदवार को सेवा के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी अकादमी या प्रशिक्षणशाला में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा जो चिकित्सा बोर्ड द्वारा, स्वस्थ घोषित कर दिये जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड का कार्यवृत्त गोपनीय होता है जिसे किसी को नहीं दिखाया जाएगा। किन्तु अयोग्य/अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील का अनुरोध करने की प्रक्रिया भी बता दी जाएगी। उम्मीदवारों के लिए सारणी रूप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है।

(क) उम्मीदवारों का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी अशक्तता से मुक्त होना चाहिए। जिससे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।

(ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन दीर्घकाल दोष या वजन की कमी नहीं होनी चाहिए।

(ग) कद कम से कम 157.5 सें.मी. (नौसेना के लिए 157 से.मी. तथा वायु सेना के लिए 162.5 सें.मी.) का हो। गोरखा और भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों गढ़वाल तथा कुमायूँ के व्यक्तियों का 5 सें.मी. कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद में 2 सें.मी. की कमी भी स्वीकार्य की जा सकती है। कद और वजन के मानक नीचे दिए जाते हैं।

कद और वजन के मानक

सेंटीमीटरों में कद (बिना जूता)	किलोग्राम में वजन		
	15-16 वर्ष	16-17 वर्ष	17-18 वर्ष
152	41.0	42.5	44.0
155	42.0	43.5	45.3
157	43.5	45.0	47.0
160	45.0	46.5	48.0
162	46.5	48.0	50.0
165	48.0	50.0	52.0
167	49.0	51.0	53.0
170	51.0	52.5	55.0
173	52.5	54.5	57.0
175	54.5	56.0	59.0
178	56.0	58.0	61.0
180	58.5	60.0	63.0
183	61.0	62.5	65.0

उपर्युक्त सारणी में दिए गए औसत वजन से 10 प्रतिशत कम ज्यादा (नौसेना के लिए 6 कि. ग्रा. कम ज्यादा) वजन सामान्य सीमा के अन्दर माना जायेगा। किन्तु शारीरिक हड्डियों बाल लंब-चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर अन्यथा स्वस्थ व्यक्तियों

के मामले में गुणवत्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 1 :—ऐसे मामलों में जहाँ चिकित्सा बोर्ड यह प्रमाणित कर देता है कि उम्मीदवार प्रशिक्षण पूरा होने तक बढ़कर अपेक्षित मानक तक हो सकता है कद में 2.5 सें.मी. की छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 1 :—वायु सेना में पायलट के रूप में विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु टांग की लम्बाई, जाँघ की लम्बाई तथा बैठे हुए लम्बाई की स्वीकार्य माप निम्न प्रकार होगी :—

टिप्पणी 2:—

	न्यूनतम	अधिकतम
टांग की लम्बाई	99.00	12.00 सें.मी.
जाँघ की लम्बाई	—	64.00 सें.मी.
बैठे हुए लम्बाई	81.50	96.00 सें.मी.

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के उम्मीदवार की कम उम्र के कारण 5.0 सें.मी. तक उंचाई में 2.5 सें.मी. (न्यूनतम) तक टांग की लम्बाई में और 1.0 सें.मी. (न्यूनतम) तक बैठे हुए उंचाई में गूँजाई दी जा सकती है बशर्ते कि चिकित्सा बोर्ड ने प्रमाणित कर दिया हो कि उम्मीदवार में बढोत्तरी हो सकती है और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण पूरा होने तक यह अपेक्षित स्तर प्राप्त कर सकता है।

(घ) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाव 5 सें.मी. होना चाहिए। माप इस तरह फीता लगा कर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने सूँचक से लगा रहे और फीते का ऊपर का भाग पीछे स्कंध फलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोण (नावर एंगल) को छूते रहना चाहिए। छाती का एक्सरे करना जरूरी है इस यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती को कोई रोग तो नहीं।

(ङ) शरीर में हड्डियाँ और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए। उम्मीदवारों की रीढ़ की हड्डी का एक्स-रे नेमी तौर पर नहीं किया जाएगा। किन्तु नैदानिक संकेत मिलने पर सर्जरी विशेषज्ञ की सलाह पर किया जाएगा, ऐसे जन्मजात दोष गुणवत्ता पर स्वीकार किए जा सकते हैं जिनमें सेना कर्तव्यों के निष्पादन में बाधा पड़ने की संभावना न हो।

वायु सेना के लिए मरुदण्ड की हालत :

(अ) नीचे लिखा पिछला स्वास्थ्य वृत्त वायु सेना के लिए अयोग्य ठहराने वाला है :

(1) मरुदण्ड या तिरछे जोड़ों की ऐसी बीमारी चाहे उसके वास्तविक लक्षण हों या न हों—जिसकी वजह से उम्मीदवार शारीरिक रूप से सक्रिय जीवन सफलतापूर्वक न बिता सकता हो।

(2) प्रोलेप्स अंतरक शेरक निम्ब तथा उस अवस्था के लिए शल्य चिकित्सा।

(छ) मरुदण्ड की पूरी नैदानिक जांच की जाती है जिसमें उपकी आकृति, श्वासिक क्रमशः, यदि कोई है, मरुदण्ड की हरकत आदि शामिल हैं। केवल हवाई कर्मी के कार्य के दायरे

उम्मीदवारों के लिए किंटमिक केशरजक का एक्स-रे (ए. पी.) तथा पार्श्विक क्षयता किया जाना है।

(अ) हलका काइफ्रोसिस या लोडॉसिस जहां विरूपता मुश्किल से दिखाई देती है जहां बर्फ की वह हरकत में रुकावट की शिकायत नहीं है, स्वीकृति में बाधा नहीं बनेगा।

(अ) दिखाई पड़ने वाले स्कॉलियोसिस के या अन्य किसी तरह की असामान्यता या मेरुदण्ड की विरूपता का जो मामूली से अधिक हो—संदेह होने पर मेरुदण्ड का उपयुक्त एक्स-रे लिया जाना है और परीक्षाधी को विशेषज्ञ की सलाह हेतु प्रस्तुत करना है।

(अ) एक्स-रे परीक्षा के बावजूद गहरे निम्नलिखित अवस्थाओं वायु सेना में प्रवेश हेतु अयोग्यता का कारण मानी जाएंगी :—

1. मेरुदण्ड की ग्रैन्यलोमेटस बीमारी
2. आर्थराइटिस/स्कोन्डिलोसिस
3. कावपद्धति से यथामापित स्कॉलियोसिस जो 15° से अधिक हो।
4. मामूली से ज्यादा काइफ्रोसिस/लोडॉसिस।
5. स्पेण्डिलोसर्थोसिस/स्पेण्डिलिसिस।
6. हरनिएटड (न्यूक्लियलप्लोसिस)।
7. केशरजक का संपीडन विभंग।
8. र्श्वरमेन की बीमारी।
9. प्रदर्शनीय तंत्रकीय या परिसंचारी अभाव के साथ ग्रंथ पशुका।
10. मेरुदण्ड संबंधी अन्य असामान्यता यदि विशेषज्ञ का ऐसा मत हो।

(ए) उम्मीदवार मानसिक विकृति या और पढ़ने का पिछला रोगी नहीं होना चाहिए।

(अ) उम्मीदवार सामान्य रूप से सुन सके। उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शांत कमरे में प्रत्येक कान से 610 से. मी. की दूरी से जोर की कानाफूँसी सुन सके। कर्णनासिका की पिछली या अंकी बीमारी का कोई प्रमाण न हो।

वायु सेवा के लिए श्रव्यतामितिक परीक्षण किये जाएंगे। 250 एच. जेड. 400 एच. जेड. के बीच की आवृत्तियों में श्रव्यतामितिक कमी +10 डेसिबल से अधिक नहीं हो।

(अ) हृदय या रक्त वाहिकाओं से संबंध में कोई क्रियात्मक या आंगिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त दाब सामान्य हो।

(अ) उदरपेशियां सुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बड़ी हुई न हो। उदर के आंतरिक अंग को कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(अ) यदि किसी उम्मीदवार को हर्निया है और उसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो, तो वह उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा। यदि हर्निया की शल्य चिकित्सा हो गई हो और वर्तमान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो और उसका जखम भी पूरी तरह ठीक हो चुका है।

(अ) हाइफ्रोसिस, बॉरकोसिस या पाइसिस का रोग नहीं होना चाहिए।

(अ) मूत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असमानता मिलती है तो इस पर उम्मीदवार अस्वीकृत हो जाएगा।

(अ) अशक्तता लाने या आकृति बिगाड़ने वाले चर्म रोग के होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत किया जाएगा।

(अ) उम्मीदवार को दूर दृष्टि चार्ट में प्रत्येक आंख से एनेक सहित या एनेक बिना नौसेना के लिए एनेक बिना 6/6, 6/9 और वायु सेना के लिए केवल एनेक बिना 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 2.5 डी. तथा हायपरमेट्रोपिया 3.5 डी. (एस्टिमेटिज्म सहित) से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए आंख में कोई रोग तो नहीं है आंख की आंतरिक परीक्षा ऑपथलमोस्कोप से की जाएगी। उम्मीदवार के दोनों नेत्रों की दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। वर्ण दृष्टि का मानक सी. पी. स्थल सेना के लिए सी. पी. 111 होगा। उम्मीदवार में लाल व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। नौसेना उम्मीदवारों के लिए एम. एल. टी. द्वारा सी. पी. तथा राष्ट्र दृष्टि की तीक्ष्णता सामान्य होनी चाहिए तथा उनको इस आशय का प्रमाणपत्र देना होगा कि उसे या उसके परिवार को किसी सदस्य को जन्मजात रतौंधी आने का रोग नहीं हुआ है।

नौ सेना के उम्मीदवारों का दृष्टि मानक :—

दूर की दृष्टि—6/6, 6/6 तक शोध 6/9,

पास की दृष्टि—प्रत्येक आंख एन-5,

वर्ण दृष्टि—एम. एल. टी. द्वारा सी. पी. 1

अपेक्षाकृत अच्छी आंख में मायोपिया 0.5 डायोप्ट्रेस से बड़े नहीं और हायपर मेट्रोपिया 1.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो और अपेक्षाकृत खराब आंख में 2.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो।

दृष्टि संबंधी पेशी संतुलन—मोडक्स रोड टेस्ट के साथ हैट्रोफोरिया निम्न से अधिक बिल्कुल न हो :—

- (1) 6 मीटर पर—एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एसोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस।
- (2) 33 से. मी. पर एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एसोफोरिया 6 प्रिज्म हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस।

वायु सेना के निम्नलिखित मानदण्ड हैं :—

दूर की दृष्टि	6/6 6/6 तक सुधार योग्य 6/9
पास की दृष्टि	प्रत्येक आंख को एन-1
वर्ण दृष्टि	सी० पी० (एम० टी० एल०)
मनीफैस्ट हायपरमेट्रोपिया	2.00 डी० से अधिक नहीं
मायोपिया	000 कुछ नहीं
एस्टिमेटिज्म	00 + 0.75 डी०
पेशी	

मेडोक्स रोड टेस्ट के साथ हैट्रोफोरिया निम्नलिखित में अधिक हो :—

- (1) 6 मीटर पर एक्सोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एसोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस हाइपर/हाइपो-फोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
- (2) 33 से. मी० पर एक्सोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एसोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस हायपर हाइपो-फोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस

(3) द्वितीय बुद्धि

अच्छी द्वितीय बुद्धि का होना अनिवार्य है (कमजोर तथा स्वर-मोक्षित) तथा साथ में अच्छा आचरण व गहनता

(न) उम्मीदवार को पर्याप्त संख्या में कुश्मरती व मजबूत दांत होने चाहिए। कम से कम 14 दांत बिन्दु वाला उम्मीदवार स्वीकार्य है। जब 32 दांत होते हैं तब कुल 12 दांत होते हैं।

उम्मीदवार को तीव्र पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।

(प) वायु सेना के उम्मीदवारों के लिए रुटीन ई. सी. जी. तथा ई. ई. जी. सामान्य सीमा में होने जरूरी है।

परिशिष्ट-3

(सेवा आदि का संक्षिप्त विवरण)

1. अकादमी में भर्ती होने से पूर्व माता-पिता या संरक्षक को निम्नलिखित प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे। :—

(क) इस आशय का प्रमाण-पत्र कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट लग जाये या उत्पन्न निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी सर्जिकल आपरेशन या संवेदनाहरक दवाओं के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाये या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ख) इस आशय का वैध पत्र कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में सम्भवे जाते हैं उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन वस्त्र पर किए गए व्यय तथा दिए गए वेतन और भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापस करनी होगी।

2. आवास, पुस्तकें, वर्दी, बॉर्डींग और चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च को सरकार वहन करेगी। उम्मीदवार को माता-पिता या संरक्षक से यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार का जेब खर्च वे खुद बर्दाश्त करेंगे। सामान्यतया इन खर्चों के 75.00 रुपये से अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैडेट को माता-पिता या संरक्षक इस खर्च का पूरा या आंशिक रूप में बर्दाश्त करने में असमर्थ हों तो पहले और दूसरे वर्ष के लिए रु. 75.00 तक और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिए रु. 80.00 और थल सेना/नी/वायु सेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में आगे वशिष्ट के प्रशिक्षण रु. 90.00 तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों को माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय रु. 500.00 या इससे अधिक हो वे इससे वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए अंशल सम्पत्तियां और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार को माता-पिता या संरक्षक सरकार से किसी प्रकार वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पत्र संरक्षक के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मजि-

स्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्र देना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेट अपनी अनुसंधान संहिता राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़क-वासला, पृष्ठ (411023) के कमांडेंट को अग्रहित कर देगा।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए, उम्मीदवारों को आने पर कमांडेंट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी :—

रु० पै०

(क) प्रतिमास 75.00 रु० के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	375.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मर्बों के लिए	650.00
(ग) 1 सेमिस्टर के दौरान प्रासंगिक व्यय	150.00

योग

1175.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी :—

रु० पै०

(क) 75.00 रु० प्रतिमाह के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	305.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्करों की मर्बों के लिए लगभग	475.00

4. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं :—

(1) परशुराम भाऊ पदवर्धन छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है जिनके माता-पिता की आय सभी साधनों से रु. 350.00 तथा रु. 500.00 के बीच हों। छात्रवृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अन्य कमीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहेगा तब तक के लिए वह प्राप्त होगी किन्तु शर्त यह है कि कैडेट का व्यवहार अच्छा रहे और वह संतोषजनक प्रगति करता रहे और उसके माता-पिता की आय निर्धारित सीमा से कम रहे। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी उन्हें सरकार से अन्य वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी—

(2) कर्नल कैंडिल प्रैंक मेमोरियल छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति है जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्य वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होगी।

(3) थोर सिंह मेमोरियल छात्रवृत्ति :—वे छात्रवृत्तियां उन दो कैडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतर स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्रवृत्ति 37.00 रु. प्रति मास की है। तथा अधिकतम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी, देहरादून तथा वायु सेना फ्लाईंग कालिज तथा नौसेना अकादमी, कोचीन में जहां कैडेट को प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, दी जाती रहेगी। छात्रवृत्ति तभी मिलती रहेगी जब कैडेट उपर्युक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहे।

(4) असम सरकार छात्रवृत्तियां :—दो छात्रवृत्तियां असम के कैडेटों को प्रदान की जाएंगी। प्रत्येक छात्रवृत्ति 30.00 रु. प्रति मास की रहेगी तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति असम के दो सर्वोत्तम कैडेटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्यान दिये बिना प्रदान की जाएगी। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी

उन्हें सरकार की ओर से अन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।

(5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियाँ :—जो छात्रवृत्तियाँ 30.00 रु. प्रति मास की तथा 400.00 रुपये की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के जो कैंडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में संतोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिए दी जाएगी। जिन कैंडेटों को तीन छात्रवृत्तियाँ मिलेंगी उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।

(6) केरल सरकार छात्रवृत्ति :—पूरे वर्ष के लिए 480 रु. की एक योग्यता छात्रवृत्ति रा. अकादमी में प्रशिक्षण की पूरी अवधि के लिए केरल राज्य द्वारा उस कैंडेट को दी जाती है जो केरल राज्य का अधिवासी निवासी हो और जो रा. र. अकादमी हेतु अखिल भारतीय सं. लो. से. आ. प्रत्येक प्रदेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है भले ही उसने वह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज से या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल से उत्तीर्ण की हो। ऐसा करते समय कैंडेट के पिता संरक्षक की वार्षिक स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

(7) बिहारी लाल मंडाकिनी पुरस्कार :—यह 500.00 रुपये का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड़के को अकादमी से प्रत्येक कोर्स के लिए मिलता है। आवेदन प्रपत्र कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से मिलते हैं।

(8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियाँ :—तीन छात्रवृत्तियाँ—एक थल सेना, एक नौ सेना तथा एक वायु सेना के कैंडेट के लिए प्रत्येक 80.00 रु. प्रति मास के हिसाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैंडेटों को दी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं। इनमें से दो छात्रवृत्तियाँ कैंडेटों की योग्यता तथा आय साधन के आधार पर दी जाएंगी जिनके माता-पिता या अभिभावक की आय रु. 5,000 प्रति वर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति बिना उसके माता-पिता या अभिभावकों की आय को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कैंडेट को दी जाएगी।

(9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्तियाँ :—निम्नलिखित वर्गों की छात्रवृत्तियाँ पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैंडेटों को दी जाएंगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवासी हैं :—

(क) वर्ग 1 :—यें छात्रवृत्तियाँ—(थल सेना, नौ सेना तथा वायु सेना के लिए एक-एक) 360.00 रुपये प्रति वर्ष पहले और दूसरे वर्ष के लिए और अकादमी के तीसरे वर्ष के लिए तथा विशेष प्रशिक्षण संस्था में चौथे वर्ष के लिए 480.00 रु. तथा इसके अतिरिक्त 400.00 रुपये परिधान वृत्ति। यह उन कैंडेटों को दी जाएगी जो अकादमी में कोई छात्रवृत्ति पाने के पात्र नहीं हैं।

(ख) वर्ग 2 :—तीन छात्रवृत्तियाँ 100 रुपये प्रति वर्ष एक मुस्त सरकारी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त दी जाएगी।

(10) पाइलट अफसर गुरमीत सिंह बेदी मेमोरियल छात्रवृत्ति :—रु. 420 प्रतिमास की एक छात्रवृत्ति ऐसे कैंडेट को दी जाती है जो वायु सेना कैंडेटों के चौथे सत्र के अंत में योग्यता में सर्वोत्तम होगा। यह एक वर्ष की अवधि के लिए होगी। पाँचवें और छठे सत्र के दौरान यह छात्रवृत्ति बंद कर दी जाएगी। यदि प्राप्तकर्ता रेट्रीगंड कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की अवधि में छोड़कर चला गया हो। जो कैंडेट इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता ले रहा है, उसे छात्रवृत्ति नहीं दी जाएगी।

(11) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियाँ :—हिमाचल प्रदेश के कैंडेटों को चार छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाएंगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्रवृत्तियाँ 30.00 रुपये प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिए 40.00 रुपये प्रतिमास मिलेंगी। यह छात्रवृत्ति उन कैंडेटों को मिलेगी जिनके माता-पिता की मासिक आय 500.00 रुपये प्रति मास से कम होगी। जो कैंडेट सरकार से वित्तीय सहायता ले रहा है उस छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।

(12) तमिलनाडु सरकार की छात्रवृत्ति :—तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स रु. 30 प्रति मास की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में रु. 400 सज्जा भत्ता (कैंडेट के प्रशिक्षण की पूरी अवधि के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैंडेट को दिया जाएगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक संरक्षक की मासिक आय रु. 500 से अधिक न हो पात्र कैंडेट अपना आवेदन कमांडेंट राष्ट्रीय अकादमी वहाँ पहुँचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

(13) कर्नाटक सरकार की छात्रवृत्तियाँ :—कर्नाटक सरकार ने प्रति वर्ष 18 (अठारह) छात्रवृत्तियाँ—9 जनवरी, से शुरू होने वाले कोर्सों के लिए और 9 जुलाई से शुरू होने वाले कोर्सों के लिए कर्नाटक राज्य के उन कैंडेटों को दी है जो सैनिक स्कूल, बीजापुर या राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालेज, देहरादून में अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं। इन छात्रवृत्तियों की राशि 480.00 रुपये प्रति वर्ष है।

रु. 480.00 प्रति वर्ष की चार (4) और छात्रवृत्तियाँ (दो प्रतिशत) कर्नाटक राज्य के उन छात्रों को दी गई है जो सैनिक स्कूल, बीजापुर या राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालेज, देहरादून के अलावा अन्य संस्थानों पर अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं।

(14) एलबर्ट एवका छात्रवृत्ति :—बिहार सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रु. 50/- प्रति मास की 25 योग्यता छात्रवृत्तियाँ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में छः समयावधियों के पूरे समय के वास्ते एक बार और रु. 650/- वस्त्र तथा उपस्कर के वास्ते देना शुरू किया है। जिस कैंडेट को उपयुक्त योग्यता छात्रवृत्ति मिलती है वह सरकार से कोई अन्य छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता का पात्र नहीं होगा। पात्र कैंडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आने पर कमांडेंट को आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

इन छात्रवृत्तियों की शर्तें राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, शङ्करासला, पूणे (411023) से प्राप्त की जा सकती हैं।

5. चुने हुए उम्मीदवार के अकादमी में आने के बाद तत्काल उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारम्भिक परीक्षा होगी।

(क) अंग्रेजी

(ख) गणित

(ग) विज्ञान

(घ) हिन्दी

(क), (ख) तथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर, भारतीय विद्य-विद्यालय या हायर सेकेंडरी शिक्षा बोर्ड की हायर सेकेंडरी परीक्षा के स्तर से उंचा नहीं होगा। (घ) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जांचा जायेगा कि उम्मीदवार को अकादमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है। अतः उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त अध्ययन के लिए उपासीन न हो जाएँ।

प्रशिक्षण :

6. तीनों सेनाओं अर्थात् थल सेना, नौ सेना और वायु सेना के लिए चुने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है जो एक सर्व सेना संस्था है। पहले ढाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। सफल होने पर कैंडिडेटों को जयाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा बी. एस. सी./बी. ए. डिग्री प्रदान की जाती है।

7. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने के बाद थल सेना कैंडिडेट भारतीय सेना अकादमी, देहरादून, में नौ सेना कैंडिडेट/कैंडिडेटों के प्रशिक्षण पोते में और वायु सेना कैंडिडेट, ई.एफ.एस. विचार जायेंगे।

8. भारतीय सेना अकादमी में सेना कैंडिडेटों को 'जेंटलमैन कैंडिडेट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है। ताकि वे इन्फैंट्री के उप यूनिटों का नेतृत्व करने योग्य अफसर बन सकें। प्रशिक्षण सफलता से पूरा करने के बाद जेंटलमैन कैंडिडेटों को उनके शेष SHAPE शारीरिक दृष्टि से योग्य होने पर सेकण्ड लीफ्टनेन्ट के पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।

9. नौसेना कैंडिडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नौसेना का कार्यपालक इन्जीनियरों, बिजली और शाखाओं के लिए चुना जाता है; उन्हें छः महीने के लिए कैंडिडेट प्रशिक्षण पोते पर समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिडशिपमैन रैंक में पदोन्नत किया जाता है। सम्बद्ध शाखा में 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी तथा लीफ्टनेन्ट के रैंक में पदोन्नत किया जाता है।

10. वायु सेना कैंडिडेटों को हवाई उड़ान का डेढ़ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर अनन्तिम रूप से पायलट अफसर के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है। उसके बाद छः महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर स्थायी रूप से कमीशन अफसर के रूप में समाहृत कर दिया जाता है।

सेवा की शर्तें

11. थल सेना अधिकारी

(1) वेतन

रैंक	वेतनमान रुपए
सेकण्ड लीफ्टनेन्ट	750-790
लीफ्टनेन्ट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
मेजर (चयन ग्रेड)	1800-50-1900
लीफ्टनेन्ट कर्नल (चयन द्वारा)	1750-1950
लीफ्टनेन्ट कर्नल (चयन ग्रेड वेतन)	2000-50-2100
लीफ्टनेन्ट कर्नल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कर्नल	1950-2175

रैंक	वेतन मान रुपए
बिगोइयर	2200-2400
मेजर जनरल	2500-120/2-2750
लीफ्टनेन्ट जनरल	3000 प्रतिमास
लीफ्टनेन्ट जनरल (सेना कमांडर)	3250 प्रतिमास

(2) योग्यता वेतन और अनुदान :

लीफ्टनेन्ट कर्नल और उसके नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर रु. 1600/-, रु. 2400/-, रु. 4500/- अथवा रु. 6000/- के एक मुफ्त अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') रु. 70/- दर पर योग्यता वेतन अधिकारी होंगे।

(3) भत्ते :

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :—

(क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहंगाई भत्ते दिये जाते हैं।

(ख) रु. 75/- प्रतिमास की दर में किट अनुरक्षण भत्ता।

(ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदेश भत्ते की तबनुसूची एकल दर का 25 प्रतिशत से 46 प्रतिशत तक होगा।

(घ) वियुक्ति भत्ता : जहाँ विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब अफसर 140 रु. प्रतिमास दर से वियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

(ङ) सज्जा भत्ता : प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु. 2100 प्रथम कमीशन की तारीख से 1800/- की दर से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नए सज्ज के दायें का भुगतान किया जा सकता है।

(च) थल सेना में बिगोइयर स्तर तक मुफ्त राशन दिया जाता है।

4. तैनाती :

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

5. पदोन्नतियाँ

(क) स्थायी पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं :—

(1) समय वेतनमान से	न्यूनतम सेवा सीमा
लीफ्टनेन्ट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लीफ्टनेन्ट कर्नल या बिगोइयर	
द्वारा पदोन्नति न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

(11) चयन द्वारा	न्यूनतम सेवा सीमा
लीफ्टनेन्ट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लीफ्टनेन्ट कर्नल जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
	कोई प्रतिबन्ध नहीं

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएँ पूरी करने पर अफसर, उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तियाँ उपलब्ध हों।

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
लीफ्टनेन्ट कर्नल	6-1/2 वर्ष
कर्नल	8-1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लीफ्टनेन्ट जनरल	25 वर्ष

नौसेना अफसर:

(1) वेतन

रैंक	वेतनमान साधारण सेवा	नौसेना विमानन और पनबुखी
	₹०	₹०
मिडशिपमैन	560	580
कार्यकारी सबलेफ्टनेन्ट	750	825
सब लेफ्टनेन्ट	830-870	910-950
लेफ्टनेन्ट	1100-1450	1200-1550
लेफ्टनेन्ट कमांडर	1450-1800	1450-1800
लेफ्टनेन्ट कमांडर (षयनग्रेड)	1800-1900	1800-1900
कमांडर	1750-1950	1750-1950
कमांडर (समय वेतनमान)	1900 (नियत)	1900 (नियत)
कमांडर (षयनग्रेड)	2000-2100	2000-2100
कैप्टन	1950-2400	1950-2400
	कमांडर की वही वेतन मिलता है जिसका वह कैप्टन के रूप में अपनी परिष्ठाता के अनुसार हकदार है।	
रियर एडमिरल	2500-125/2-2750	
वाइस एडमिरल	3000 प्रतिमास	
वाइस एडमिरल (बी० सी० एन० एस०/एफ० ओ० सी० एन सी०)	3250 प्रतिमास।	

योग्यता गैर/अनुदान भी निम्नलिखित को ग्राह्य है :—

कुछ निर्धारित योग्यताएँ रखने वाले कमांडर और उसके नीचे के रैंक के अफसर अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु., 2400/- रु., 2500/- रु. या 6000/- रु. के एक मुश्त

अनुदान के हकदार हैं। प्लाइंग इन्स्पेक्टर नेवीगैटर श्रेणी क और ए क्रमशः 100 रुपए और 70 रुपए प्रतिमास के अर्हक वेतन के हकदार।

(2) भत्ता :

(क) प्रतिपूरक (नगर) भत्ता, महंगाई भत्ता और अंतरिम सहायता उसी दर और उन्हीं शर्तों पर ग्राह्य है जो समय-समय पर सिविलियन राजपत्रित अधिकारी पर लागू है।

(ख) किट अनुरक्षण भत्ता 75 रु. प्रतिमास की दर पर।

(ग) जब भारत से बाहर समुद्र तट पर या कुछ देशांतरिय और अक्षांशीय सीमाओं के पार जहाज पर हों तो निर्वासन भत्ता। दर रैंक के अनुसार 50 रुपये प्र. मा. से लेकर 250 रुपए प्रति मास तक अलग-अलग है।

(घ) जहाज पर सेवारत विवाहित अधिकारियों की उनके जहाज के मूल बंदरगाह से दूर होने की अवधि के दौरान 140 रुपए प्र. मा. की दर पर वियुक्ति भत्ता।

(ङ) पहली बार कमीशन मिलने पर 2400/- रुपए परिसर्जना भत्ता और प्रभावी सेवा के प्रत्येक सात वर्ष के बाद 2100/- रुपये नेवीकरण परिसर्जना भत्ता।

(च) नौसेना कमांडर स्तर तक मुफ्त राशन दिया जाता है।

(छ) वार्षिक अवकाश जो नहीं लिया गया उसका नकद भुगतान निवर्तन आयु पर अधिकतम 180 दिनों का 30 दिन प्रति वर्ष की दर से किया जाएगा।

नौ सेना विमानन अधिकारी मासिक दर पर उड़ान वेतन के हकदार तथा तबनुरूपी रैंकों को लागू शर्तों के अधीन वायु सेना अधिकारियों एवं इंजीनियरी अधिकारियों तथा वैद्युत शाखाओं के लिए रु. 675/- से लेकर रु. 250/- तक प्रति माह तकनीकी वेतन प्राप्त करने के हकदार हैं।

उपर्युक्त के अतिरिक्त नौ सेना अधिकारी कुछ विशेष परियारों के भी हकदार हैं जो उसके साथ लगी शर्तें पूरी कर देने पर दी जाएंगी जैसे हाईलाइंग मनी, सबमेराइन एलाउन्स, सबमेराइन पे, डाइविंग पे और सर्व बाउण्टी।

(3) पदोन्नति

(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नतियों के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं :—

समय वेतनमान द्वारा

सब लेफ्टनेन्ट

लेफ्टनेन्ट

लेफ्टनेन्ट कमांडर

कमांडर

1 वर्ष

2 वर्ष (परिष्ठाता लाभ आवर्ती के अधीन)

लेफ्टनेन्ट के रूप में छठ वर्ष की परिष्ठाता.

24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा (यदि चयन द्वारा पदोन्नति नहीं हुई है)

चयन द्वारा	लैफ्टिनेन्ट कमांडर के रूप में
कमांडर कार्यालय शाखा	2-8 वर्ष की वरिष्ठता
कमांडर इंजीनियर शाखा	लैफ्टिनेन्ट कमांडर के रूप में
	2-10 वर्ष की वरिष्ठता
कमांडर विद्युत शाखा	कमांडर कमांडर के रूप में
	2-10 वर्ष की वरिष्ठता
कैप्टन	कमांडर के रूप में 1 वर्ष की वरिष्ठता
रियर एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं
वाइस एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

लैफ्टिनेन्ट कमांडर के रैंक को छोड़कर जिसके लिए किसी अफसर को लैफ्टिनेन्ट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए, नौसेना की कार्यकारी पदोन्नति के लिए कोई सेवा सीमा नहीं है।

13. वायु सेवा अफसर :

(1) वेतन

रैंक	वेतनमान
	रुपये
पाइलट अफसर	825-865
फ्लाइटिंग अफसर	910-1030
फ्लाइटिंग लैफ्टिनेन्ट	1300-1550
स्क्वाड्रन लीडर	1650-1800
विंग कमांडर (चयन)	1750-1950
विंग कमांडर (समय वेतनमान)	1950 नियत
ग्रुप कैप्टन	1950-2175
एयर कमांडर	2200-2400
एयर वाइस मार्शल	2500-2750
एयर मार्शल	3000
एयर मार्शल (बी. सी. ए. एस. और ए. ओ. एम. सी. इन सी.)	3250
एयर चीफ मार्शल (सी. ए. एस.)	4000

(11) भत्ते

(क) उड़ान वेतन :—उड़ान शाखा के अधिकारी (पाइलट तथा नेविगेटर) निम्नलिखित दर पर उड़ान वेतन पाने के पात्र हैं :—

रु. प्र. मा.

पाइलट अफसर से विंग कमांडर तक	750.00
ग्रुप कैप्टन से एयर कमांडर तक	666.00
एयर वाइस मार्शल तथा इससे ऊपर	600.00

(ख) उड़ान शाखा के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी निम्नलिखित दर पर योग्यता वेतन अनुदान के पात्र हैं :—

रु. प्र. मा.

योग्यता वेतन	100/-
	अथवा 70/-

20—326 GI/86

योग्यता अनुदान	6000/-
	अथवा 4500/-
	2400/-
	अथवा 1600/-

(ग) किट अनुरक्षण भत्ता 75/- रुपये प्रतिमास की दर पर मिलता है।

(घ) निवर्तन भत्ता :—किसी वेश में जहां वायुसेना अधिकारियों के लिए ट्रूप के अंग के रूप में जाना अपेक्षित हो, सेवा कर रहे एकल तृतीय, सचिव/द्वितीय सचिव/प्रथम सचिव/काउन्सिलर को ग्रहण विदेश भत्ते का 25% से लेकर 40% तक (धारित रैंक के अनुसार)।

(ङ) वियुक्ति भत्ता :—एयर वाइस मार्शल और इससे ऊपर के रैंक वाले जिन विवाहित अधिकारियों की तैनाती उन यूनिटों/फार्मेशनों में की जाती है जो भारत सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए अपारिवारिक रूप में अधिसूचित स्टेशनों/क्षेत्रों में स्थित हैं जहां परिवार को साथ ले जाने की अनुमति नहीं है वहां पर नियुक्त होने पर उन्हें 140 रु. प्रति मास वियुक्ति भत्ता मिलेगा।

(च) परिसर भत्ता :—अधिकारी को जो वर्दी/उपस्कर अपने पास रखने पड़ते हैं उनकी लागत के लिए शुरू में 2100/- रुपये (समय-समय पर यथा आशोधित) और हर सात वर्ष के बाद उनके नवीकरण के वास्ते 1800/- रुपये।

(छ) वायुसेना में एयर कमांडर स्तर तक मुफ्त राशन दिया जाता है।

(3) पदोन्नतियाँ :

(क) मूल पदोन्नति :

उच्चतर रैंकों पर मूल पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं :—

समय वेतनमान द्वारा	
फ्लाइटिंग अफसर	1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
फ्लाइटिंग अफसर	5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
स्क्वाड्रन लीडर	11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
विंग कमांडर	यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो तो 21 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा पूरी कर ली हो
चयन द्वारा विंग कमांडर	18 वर्ष की कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी
ग्रुप कैप्टन	22 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी
एयर कमांडर	24 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी
एयर वाइस मार्शल	26 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी

एयर मार्शल 28 वर्ष कुल कर्मणन प्राप्त सेवा
गिनी जगुनी*

(6) कार्यकारी पदोन्नति :

अफसरों की कार्यकारी पदोन्नति के लिए अपेक्षित न्यूनतम सेवा सीमा इस प्रकार है :—

लैफ्टनन्ट गवर्नर	2 वर्ष
स्वाइडन लीडर	5 वर्ष
विंग कमांडर	6 वर्ष (स्वाइडन लीडर के रैंक में एक वर्ष की सेवा के बाद)
एयर कोमोडोर	11-1/2 वर्ष (विंग कमांडर और ग्रुप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा के बाद)

एयर वाइस मार्शल

15 वर्ष (विंग कमांडर, ग्रुप कैप्टन और एयर कोमोडोर के रैंकों में 5 वर्ष* की सेवा के बाद)।

एयर मार्शल

23 वर्ष

संबन्धित अवधियों को शामिल करके।

14. सेवा निवृत्ति लाभ

पेंशन, उपदान और ग्रेजुएटी अवार्ड समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार स्वीकार्य होंगे।

15. छुट्टी

समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार छुट्टी स्वीकार्य होगी।

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERSL. AND TRAINING)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 20th October 1986

No. B-5/69-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri B. Y. Raju, Deputy Legal Adviser, Central Bureau of Investigation as Additional Legal Adviser in C.B.I. with effect from 13-10-86 (AN), and till further orders.

No. A-20023/1/76-AD.V.—The services of Shri Krishan Kumar, Public Prosecutor/Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Jammu Unit are placed at the disposal of Jammu & Kashmir State Police with effect from the afternoon of 8th Sept., 1986, on repatriation.

D. P. BHALLA,
Administrative Officer (E),
CBI

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 21st October 1986

No. 2/18/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. K. Mittal, Assistant Engineer (Civil) of the Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner (Civil) in the Commission in an officiating capacity on deputation basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 with Special Pay of Rs. 150/- per month with effect from 1st October, 1986 (FN), until further orders.

MANOHAR LAL,
Under Secretary (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner.

New Delhi, the 22nd October 1986

No. 1/2/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Kanwal Nain, a permanent Assistant of this Commission, as Section Officer in this Commission on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 with effect from the forenoon of 22-9-1986 for period of three months or until further orders whichever is earlier.

MANOHAR LAL,
Under Secy. (Admn.)
Central Vigilance Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH AND DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 23rd October 1986

No. 18/11/86-Adm.II.—Shri O. U. Cherian, Dy. Superintendent of the CFPB, Calcutta is appointed as Deputy Superintendent of Police (Instructor) on Deputation in the Central Detective Training School, Chandigarh with effect from the afternoon on 28th July, 1986, for a period of one year in the first instance.

No. 18/12/86-Adm.II.—Sh. S. N. Banerjee, an Inspector of the CFPB, Calcutta, is appointed as Deputy Superintendent of Police (Instructor) on deputation in the Central Detective Training School, Calcutta with effect from the forenoon of 14th July, 1986 for a period of one year in the first instance.

DIRECTORATE GENERAL,
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 23rd October 1986

No. F-28017/10/84-Pers.II-1685.—Consequent on his retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation, Shri R. Janakiraman relinquished charge of the post of Assistant Commandant, CISF Group Headquarters Madras, in the afternoon of 30th September, 1986.

D. M. MISRA,
Director General/CISF.

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION
LABOUR DEPARTMENT

(LABOUR BUREAU)

Shimla-171004, the 7th November 1986

No. 5/1 86-CPI.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base : 1960=100 increased by four points to reach 676 (Six hundred seventy six) for the month of September, 1986. Converted to Base : 1949=100 the index for the month of September, 1986 works out to 822 (Eight hundred twenty two).

BAIRAM,
Dy. Director
Labour Bureau

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)
KERALA

Trivandrum, the 6th October 1986

No. A&E/OE(E&C)/IV/10-3/85 86.—The following official of this Office retired on superannuation from the afternoon of 30-9-1986

Shri N. S. Nilakuntan Nair, Accounts Officer,

(Sd/-) H. J. EGIPTI,
Accountant General.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I,
MAHARASHTRA

Bombay-20, the 23rd October 1986

No. Admn. I/Audit/Genl/AO/AAO/1(1)3.—The following Officers of the Office of the Accountant General (Audit)-I, Maharashtra, retired from Government Service on Superannuation with effect from 30-9-1986 (AN). :—

- (1) Shri S. Y. Bhide—Audit Officer
- (2) Shri R. B. Padukone—Audit Officer.
- (3) Shri R. N. Mulbagal—Audit Officer.
- (4) Shri R. P. Patil, Assistant Audit Officer.

No. Admn. I/Audit/Genl/AO/1(1)4.—The Accountant General (Audit)-I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers with effect from the dates mentioned against their names, until further orders :—

Sr. No., Name and Date of appointment as A.O.

1. Shri R. P. Deoras 19-9-86 (FN).
2. Shri P. G. Joshi 1-9-86 (FN).
3. Shri G. M. Matode 18-9-86 (FN).
4. Shri S. S. Vaidya 15-9-86 (FN).

SMT. H. SUBBALAKSHMI NARAYANAN
Sr. Dy. Accountant General/(Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 14th October 1986

No. 68/G/86.—Consequent on the transfer of stage/inter-stage inspection responsibilities from DGI to DGOF w.e.f. 15-10-84 the President is pleased to appoint the undermentioned transferee DGI Officers in the rank of JSOs/SOs in Ordnance Factories :—

JSOs—ENGINEER

01. Shri J. M. Dhawan.
02. Shri B. R. Sharma.
03. Shri S. V. Srivastava.
04. Shri Pieni Saran.
05. Shri V. Sankaran.
06. Shri M. V. Thomas.
07. Shri S. K. Tandon.
08. Shri Virender Singh.
09. Shri P. K. Dwivedi.
10. Shri K. L. Saha.
11. Shri Lal Chand.
12. Shri Murari Lal.

CHEMIST

01. Shri M. Subramaniam.
02. Shri J. Y. Zingode.
03. Shri R. N. Botre.
04. Shri M. K. Kamble.
05. Shri V. Prabhakar.
06. Shri T. V. Mani.
07. Shri G. R. Joshi.
08. Shri S. N. Athawadey.
09. Shri V. T. Ingle.
10. Shri P. D. Shende.
11. Shri K. Sukumaran.
12. Shri B. D. Ramugade.
13. Shri R. P. Rai.

METALLURGIST

01. Shri D. K. Dutta.
02. Shri K. D. Swami.

S.Os. NON-TECH.

01. Shri V. U. Jadhav.
02. Shri G. S. Rekhi.

M. A. ALAHAN,
Jt. Director/G.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 23rd October 1986

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 1/17/86-Admn.(G)/5095.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Sood, I.A.S. (HP:71) as Joint Chief Controller of Imports and Exports, (Central Licensing Area), New Delhi, on pay as for the Director to the Government of India with effect from the forenoon of the 13th October, 1986, until further orders.

R. L. MISHRA,
Chief Controller of Imports & Exports.

DIRECTORATE GENERAL OF COMMERCIAL INTELLIGENCE AND STATISTICS

Calcutta-700 001, the 2nd June 1986

No. Estt.1/1(1)85.—In continuation of this Directorate Notification No. Estt.1/1(1)/85/5837 dated 20-11-85, Shri Kumud Ranjan Biswas, permanent Superintendent, Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta, is allowed to continue in the post of Machine Tabulation Officer, on ad-hoc basis for a further period of three months (3 months) with effect from 15-5-1986.

The terms and conditions of the appointment will remain the same.

S. R. SENGUPTA,
Senior Deputy Director General

MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400 020, the 22nd October 1986

No. 2(3)/EST.1/86/4435.—Shri K. H. Bhatia, Regular Assistant Director, Gr.II(NT) who was officiating as Gr. I (NT) on ad-hoc basis in the Regional Office of the Textile Commissioner, Ahmedabad retired voluntarily from service from the afternoon of 5-5-1986.

ARUN KUMAR,
Textile Commissioner.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 2nd September 1986

No. A-19018(120)/73-Admn.(G) —The President is pleased to accept the resignation of Shri V. K. Hassan, Asstt. Director (Gr.I)(Electronics), Small Industries Service Institute, Trichur from Government service with effect from the afternoon of 18-12-1984.

R. R. FOUZDAR,
Dy. Director (Admn.).

New Delhi, the 15th October 1986

No. A-19018(761)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Amitava Bhowmick as Assistant Industrial Designer, at Small Industries Service Institute, New Delhi with effect from the forenoon of 12th Sept. 86 until further orders.

The 20th October 1986

No. 12(430)/64-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri T. N. Basu, Deputy Director (Metallurgy), Regional Testing Centre, New Delhi as Director (Gr. II) (Metallurgy) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Nagpur with effect from the forenoon of 19-9-1986 until further orders.

The 21st October 1986

No. A-19018(778)/85-Admn.(G).—Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri R. K. Sarkar, as Asstt. Editor (English) at the office of the Development Commissioner (Small Scale Industry), New Delhi with effect from the forenoon of 7.10.1986 until further orders.

C. C. ROY
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL & MINES

DEPARTMENT OF STEEL

IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 14th October 1986

No. EJ-2(1)/85(1).—The undersigned hereby appoints Shri Sushil Kumar Dev, Superintendent, to officiate in the post of Asstt. Iron & Steel Controller in the office with effect from 1-10-1986 (1.N.) on ad-hoc basis against leave vacancy of Shri E. P. Narayanan, Assistant Iron & Steel Controller.

D. K. GHOSH
Iron & Steel Controller

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 16th October 1986

No. 6856B/A-19011(1-EVRP)/86-19A.—Shri E. V. R. P. Parthasarathi, Geologist (Sr.), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geologist (Sr.) in the GSI on the afternoon of 30th July, 1986 for joining the post of Scientist Engineer SE in the scale of pay of Rs. 1500—2000/- in the Department of Space, Government of India on deputation for a period of two years initially on the normal terms and conditions of deputation.

No. 6867B/A-1912(2-RKM)/85-19B.—Shri Rama Kant Misra, is appointed by the Director General Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the G.S.I. in the minimum of the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the afternoon of 28.4.1986, until further orders.

No. 6878B/A-1912(3-CR)/85-19B.—Smt. Chandrima Ray has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI, on minimum of the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 28-8-86, until further orders.

The 20th October 1986

No. 6901B/A-19012(2-JVRR)/85-19B.—Shri Jamini Venkata Rama Rao, is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the G.S.I. on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 22-7-86, until further orders.

No. 6912B/A-19012(1-MRB)/83-19A.—Shri M. R. Bhutiani, Assistant Geologist, Geological Survey of India relinquished charge of the post of Assistant Geologist in the Geological Survey of India on resignation with effect from the afternoon of 15-12-84 (AN).

A. KUSHARI
Director (Personnel)

DIRECTORATE GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi-110001, the 6th October 1986

No. 6/63/86 S.II.—Consequent on his transfer from All India Radio, Dibrugarh on promotion, Director General, Doordarshan is pleased to appoint Shri Mahadev Sarmah as Administrative Officer at Doordarshan Kendra, Guwahati with effect from 29-8-1986 (FN).

B. S. SANDHU
Dy. Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 23rd October 1986

No. 18 4/86-SIV(B).—Consequent upon his promotion Shri P. R. Subramaniam, Senior Engineering Assistant has assumed charge of the post of Assistant Engineer at Upgrah Doordarshan Kendra, Cuttack on 1-9-1986 (FN).

B. S. JAIN
Dy. Director of Administration (E)
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 19th September 1986

No. A-12025/2 84-Admin.I.—On behalf of the President of India, Director, Publications Divisions is pleased to appoint Shri Jagdish Prasad as Assistant Business Manager on Temporary basis in the Scale of Rs. 650—1200 ex-cadre, Group 'B' (Gazetted) post w.e.f. 17.9.1986 (A.N.), until further orders :—

He will be on probation for a period of two years w.e.f. 17-9-86 (A.N.).

L. S. RENGARAJAN
Dy. Director (Admin.)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 18th September 1986

ORDER

No. Ref. 7(50)/86, Vig/1749.—WHEREAS it was alleged that :

"Shri C. T. George, Upper Division Clerk, Personnel Division, BARC while working as UDC in Publication Office, Department of Atomic Energy and who was granted leave from November 25, 1985 to April 23, 1986, is overstaying the said leave unauthorisedly with effect from April 24, 1986 onwards,

By his aforesaid conduct, the said Shri George is showing lack of devotion to duty and is behaving in a manner unbecoming of a Government servant thereby contravening the provisions of sub-rule (1)(ii) and (1)(iii) of Rule 3 of the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964."

AND WHEREAS the said Shri George was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965, vide memorandum No. 7(50)/86/Vig/1331 dated August 5, 1986.

AND WHEREAS the envelopes containing the said memorandum sent to the last known addresses by Registered A.D. post of the said Shri George have been received back undelivered,

AND WHEREAS the said Shri George has failed to keep this office informed of his whereabouts,

AND WHEREAS the said Shri George continues to remain absent from duty without keeping this office informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965.

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) of sub-rule (2) of Rule

12 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965, read with Department of Atomic Energy's Order No. 22(1)/68-Adm.II dated July 7, 1979, and Rule 19(ii) of the said rules, hereby dismisses the said Shri George from service with immediate effect.

Shri George is informed that an appeal against the above order lies with Controller, BARC, the Appellate Authority. The appeal, if any, should be submitted to the Appellate Authority within forty-five days from the date of receipt of this order.

T. J. ASWANI
Head, Personnel Divn

Copy to :

1. Shri C. T. George
C/o C. V. Johny
Chardaj House,
(P.O. Kottanellur,
Trichur District,
Kerala State-680672.
2. Shri C. T. George,
2845, Sector II, Type I,
CCS Quarters, Antop Hill,
Koliwada,
Bombay-400037.
3. Publication Officer,
DAE, Anushakti Bhavan,
Bombay-39.
4. Accounts Officer (S-IV)
(CC No. NG 102.872).
5. C.R. Dossier,
6. APO, Statistics Section
7. Dy. Fstt. Officer (CGS).

The order is
effective from
The date of issue.

Bombay-400 085, the 23rd October 1986

No. D/1938 Med(Estt.1/3993).—Dr. Goudar Diwakar, relinquished charge of the post of Resident Medical Officer (FTA) on 11-8-1986 (AN) consequent on resignation.

K. VENKATAKRISHNAN
Dy. Establishment Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 9th October 1986

No. A.32013/1 86-ES(EI).—The President is pleased to appoint Shri Harihar Prasad, Senior Airworthiness Officer, to the grade of Deputy Director/Controller of Airworthiness on an *ad hoc* basis, in the Civil Aviation Department at Madras Airport, Madras, for a period of 3 months w.e.f. 30-7-86 (F.N.).

M. BILATTACHARJEE
Deputy Director of Administration

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 17th October 1986

No. 50/86.—Shri G. R. Dev, lately posted as Appraiser in the Office of the Deputy Collector of Customs (Imports) Gurgaon Road, New Delhi on his promotion as Assistant Director vide Ministry of Finance, Department of Revenue's Order No. 155/86 dated 17-9-86 issued vide P. No. A. 32012 2-86 Ad II assumed charge of the post of Assistant Director in the Directorate General of Inspection, Customs & Central Excise, New Delhi with effect from 19-9-86 (FN).

N. K. BAJPAI
Director General of Inspection

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION

Pune-411 024, the 23rd September 1986

No. 614/20,86-Adm.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, New Delhi, the Director, Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Pune-411 024, hereby appoints on deputation, for three years, Shri Dhondiram Narayan Jagade, Legal Assistant, Central Water and Power Research Station, Pune, as Administrative Officer in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—1B—35—880—40—1000—FB 40—1200— with effect from the forenoon of 12th September, 1986.

His deputation will be governed by the terms of Ministry of Finance (Department of Expenditure)'s O.M. No. 10-(24) T-III/70 dated 4th May, 1961 as amended from time to time.

S. L. JAIN
Senior Administrative Officer,
for Director

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Rasch International Private Limited*

New Delhi, the 13th October 1986

No. 11931/28794.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Rasch International Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

T. P. SHAMI
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

FORM ITNS

(1) The Gopalpur Tea Co. Ltd.—Gopalpur House
Jalpaiguri.

(Transferor)

(2) Tandoo Tea Co. Pvt. Ltd.—204B, A. J. Chandra
Bose Road, Cal-16.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1986

Ref. No. AC-12/Acq R-IV/Cnl./86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.—situated at Jalpaiguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on Feb. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : Bhendra Chandra Tea Estate, Jalpaiguri.
Address : S.R. Office Maynaguri, Dt. Jalpaiguri.

Deed No. : T-3090 of 1986.

I. K. GAYEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-10-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1986

Ref. No. AG-11/Acq.R-IV/Cal/86-87.—Whereas, I,
I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
135, situated at Girish Ghosh Road, Howrah,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at D.S.R.
Howrah on 27-2-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sarat Chandra Sur—Janakalyan Charitable Trust
163, A.J. Chandra Bose Road, Calcutta.
(Transferor)
(2) Shree Bajrangbali Market Association—135/13,
Girish Ghosh Road, Belur, Howrah.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 49B-6K-Och-6 sft. fully constructed long ago except
passages.

Address : 135, Girish Ghosh Road, & 11/2, Guha Road,
Howrah.

Deed No. : I-1379 of 1986.

I. K. GAYEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 7-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th October 1986

Ref. No. G.I.R. No. V-95/Acq.—Whereas, I, MRS. SAROJNI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Double Storeyed H. No. 23/19 & 23/19/1, situated at I-Gokhle Marg, Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on February 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21-326GI/86

- (1) Mrs. Savita Kumar,

(Transferor)

S/Shri

- (2) 1. (i) Vineet Kumar Agarwal (Minor)
(ii) Rajesh Kumar Agarwal (Minor)
(iii) Vishal Kumar Agarwal (Minor)
2. Manoj Kumar Agarwal
3. Anand Agarwal
through Father & Natural Guardian
Shri Jagdish Prasad Agarwal.
4. M/s. Ambrish Builders (Pvt.) Ltd.
5. M/s. Food Imp Agencies (Pvt.) Ltd.
6. Sh. Suraj Prasad Agarwal.
7. M/s. J. P. Holdings & Leasing (Pvt.) Ltd
8. M/s. R. K. Properties (Pvt.) Ltd.
9. Mrs. Savita Kumar
10. Mrs. Gauri Rani Srivastava
11. A. K. G. Consultants (Pvt.) Ltd. through Director Dr. (Smt.) Namita Gupta
12. S. Harcharan Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house Municipal Corporation No. 23/19 & 23/19/1, situated at I-Gokhley Marg, Lucknow having covered area 1000 sq. ft. alongwith land measuring 61040 sq. ft. (as mentioned in 37G Form).

MRS. SAROJNI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th October 1986

Ref. No. G.I.R. No. G-94/Acq.—Whereas, I,
MRS. SAROJNI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Khasra Nos. 264/4, 290, 291/1 & 318/6 situated at Jiyumau, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Mahesh Kumar S/o Sh. Nihal through Attorney Sh. Nihal & Sh. Bhoia S/o Sh. Puran, R/o Mauza-Jiamau, Lucknow, (Transferor)
- (2) Geet Vihar Sehkar Avas Samiti, Ltd., C-171, Sector-C, Mahanagar, Lucknow. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra Nos. 264/4, 290, 291/1, 318/6 measuring 9 Bigha 14 Biswa 9 Biswansi situated at Jia mau, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. SAROJNI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 9th October 1986

Ref. No. P.R. No. 4736 Acq 23/II/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 51 ut Amali—Distt. Silvassa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Silvassa on 25-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M. M. Sanghavi
41, Jupiter Aptt,
Anstey Road,
Bombay-400 026.

(Transferor)

(2) Vikki Zips
a Partnership firm,
27, Gogha Street,
Fort, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Silvassa vide No. 159 dated 25-9-1986.

B. R. KAUSHIK.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 9th October 1986

Ref. No. P.R. No. Acq. 23/4737/II/86-87.—Whereas I, B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 52 at Anali, Silvasa, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Silvasa on 24-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M. M. Sanghavi,
27, Gogha Street,
Bombay. (Transferor)
- (2) Eusy Zip Enterprise Pvt. Ltd.
27, Gogha Street,
Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Silvasa vide No. 158/24-9-86.

B. R. KAUSHIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 9th October 1986

Ref.No. P.R. No. 4738 Acq 23-II/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Land and Building (Shed) at village Amali, Dist. Silvassa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Silvassa on 24-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Madhusudhan M. Sanghavi,
H1, Jupiter Apt.,
Anstey Road,
Bombay-400 026. (Transferor)
- (2) Sumon Industries,
27, Gogha St.
Fort,
Bombay-400 001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Silvassa vide No. 157 dated 24-9-86.

B. R. KAUSHIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 9th October 1986

Ref. No. P.R. No. 4739 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing S. No. 181/1, 179, 181/2, 182 and 183, 202, 204, 205 and 206 of the village Budasan ni Kadi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Kadi on 22-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Babulal Keshavlal & Others,
Budasan,
Tal. Kadi. (Transferor)
- (1) 1. Haygive Textiles Industries Pvt. Ltd.,
2. Haygive Silk Mills Pvt. Ltd.,
1512 D. Prasad Chambers,
Opera House,
Bombay-400 004. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two sale deed were registered in the office of the S.R. Kadi on 22-9-86 bearing Reg. No. 1980 and 1981.

B. R. KAUSHIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 13th October 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR/1510/85-86/37EE/ACQ/B.—
Whereas, I, J. K. RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
situated at Adsulim, Benaulim, Cana, Goa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Registering Officer at B'lore
on 10-2-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Mara Emelina Da Forseea Silva,
Borda, Margao, Goa. (Transferor)
- (2) M/s. Sapana Real Estate,
Varde Valauntour Road,
Margao—Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. Date
"Adsulim—um—Quarto" Adsulim, Benaulim, Goa.

J. K. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-10-86.
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 13th October 1986

Ref. No. C.R. No. 62/1167/85-86/ACQ/B.—

Whereas, I, J. K. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Santa Inez, Panaji, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Registering Officer at B'lore on 12-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Vishnum Babuti Kanat Ghanekar & others Daulat Bldg, Santa Inez, Panaji, Goa.

(Transferor)

- (2) M/s Chowgute Industries Ltd., Chowgule House, Mormagao Harbur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 78/221 Dated 11-2-1986.]

Property situated at Santa Inez, Panaji, Goa.

J. K. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-10-86,
Seal;

FORM IT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th October 1986

Ref. No. C.R. No. 62/1403/37EE/85-86/ACQ/B.—
Whereas I, J. K. RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
situated at Aforsa de Albuquerque Road, Panaji
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908), in the Office of the Registering Officer at
Bangalore on 3-2-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Dommic Isaac,
La Marvel Colony,
Dona Pgula, Ilhas. (Transferor)
- (2) Ronald David,
Excelsior Chambers,
Aeliodoro Salgado Road,
Panaji, Ilhas. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1055/85-86 dated 3-2-1986).
Aforsa de Albuquerque Road, Panaji.

J. K. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th October 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR 1439/85-86/37EE/ACQ|B.—
Whereas I, J. K. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.—situated at Bairo Altodos Pilotos Panaji City (Goa) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 7-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Tome Santana F. Fernandes,
Smt. Ludomila G. E. Fernandes
C/o. Mrs. A. Fernandes,
House No. 319, Lake View Colony,
Miramas, Panaji, Goa. (Transferor)
- (2) M/s. Shrij Builders,
B-15 Neugi Nagar,
Pua de our, Panaji, Goa-403 001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1089/85-86 Dated 7-2-1986],
"Bairo Alto dos Pilotos Panaji City, Goa."

J. K. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th October 1986

Ref. No. DR1474/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, J. K. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at 'Dando', Vasco-da-gama, Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Jagdeep Chowgule
Karta of Jagdeep Chowgule
Vasco-da-gama (Transferor)
- (2) Alcon Constructions (Goa) (Pvt.) Ltd.
Velho Bldg. Panaji, Goa-403 001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1123/85-86 dated 3-2-86).
'Dando', Vasco-da-gama Goa.

J. K. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-VI
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI(1) Shri Kartar Singh
S/o Late Shri Sant Singh,
R/o H-67, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chander Goenka (HUF)
95-M. G. Road
Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VI/SR-I/2-86/484.—Whereas I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 42-A on Road No. 78 in Class 'A' Punjabi Bagh, Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 42-A, on Road No. 78, in Class 'A' to the extent of undivided 1/4th share measuring 518.5-1/2 Sq. Yds. out of total measuring 2072.22 Sq. Yds. situated in the Residential Colony known as Punjabi Bagh area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi (Free Hold).

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VI/SR-I/2-86/485.—Whereas, I,
S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 42-A on Road No. 78 in Class 'A' Punjabi Bagh, Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amarjit Singh
S/o Late S. Sant Singh
R/o HI-67, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Kesar Devi
W/o Late Shri Gopi Ram
181, Shivaji Gali Hissar (Haryana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 42-A, on Road No. 78, in Class A to the extent of undivided 1/4th share measuring 518 5-1-2 Sq. Yds., out of total mg. 2072.22 Sq. yds., situated in the residential Colony known as Punjabi Bagh area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Delhi/New Delhi

Date : 14-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VI/SR.I/2-86/486.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 42-A on Road No. 78 in Class 'A' Punjabi Bagh, Vill Bassai Darapur Delhi State, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hari Singh,
S/o Late S. Sant Singh
R/o H-67, Rajouri Garden,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Ved Parkash Goel and Others HUF,
95-M.G. Road, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 42-A, Road No. 78, in Class 'A' to the extent of 1/4th share measuring 518.5-1/2 Sq. Yds. out of total measuring 2072.22 Sq. Yds. situated in the Residential Colony Punjabi Bagh, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Delhi/New Delhi

Date : 14-10-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/SR-I/2-86/497.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 42-A on Road No. 78 in Class 'A' Punjabi Bagh, Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balbir Singh
S/o Late S. Sant Singh
R/o H-67, Rajouri Garden,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Hanuman Dass Aggarwal
S/o Late Shri Ram Karan Dass
R/o Lajpat Nagar Hissar (Haryana). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 42-A, on Road No. 78, in Class 'A' to the extent of undivided $\frac{1}{4}$ th share, measuring 518.5 $\frac{1}{2}$ sq. Yds., out of total measuring 2072.22 Sq. Yds., situated in the residential colony known as Punjabi Bagh, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi (Free Hold).

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Delhi/New Delhi

Date : 14-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VI/SR-1/2-86/492.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 2 situated at Shankaracharya Marg, Civil Lines, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ajay Kumar
S/o Shri Shyam Behari Lal and
Shri Mohit Kumar,
S/o Shri Ajay Kumar
R/o 2 Shankaracharya Marg,
Civil Lines, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Dina Nath Anand
S/o Shri Ram Chand Anand
for himself and father and Natural Guardian of
his Minor Son Shri Sameer Anand and Darshan
Lal Anand S/o Shri Ram Chand Anand
F-108 Ashok Vihar, Phase-I, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Property No. 2, Shankaracharya Marg, Civil Lines, Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Delhi/New Delhi

Date : 14-10-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

(1) Shri Charanjit Singh, R/o
12/63, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dev Kishan Khosla, R/o
13/19, Punjabi Bagh Extn.,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-VI/SR.II/2-86/160.—Whereas, I,
S. C. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
H. No. 12 on Road No. 63,
situated at Punjabi Bagh, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in February, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd share of House No. 12 on Road No. 63, Punjabi
Bagh, Delhi.S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 14-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Charanjit Singh, R/o
12/63, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kamaljit Khosla, R/o
13/19, Punjabi Bagh Extn.,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. IAC/Acq.VI/SR-II/2-86/161.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 12 on Road No. 63, situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of House No. 12 on Road No. 63, Punjabi Bagh, Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VI/SR-II/2-86/162.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 12 on Road No. 63, situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Charanjit Singh, R/o
12/63, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nawal Kishore Khosla, R/o
13/19, Punjabi Bagh Extn.,
New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of House No. 12 on Road No. 63, Punjabi Bagh, Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Delhi/New Delhi

Date : 14-10-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1986.

Ref. No. IAC/AcqVI/SR.II/2-86/189.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 36 on Road No. 55, situated at Class 'C' Punjabi Bagh, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) H. L. Mahajan,
R/o H-10, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Jugal Batra,
R/o R-41, Model Town,
Sonapat (Haryana). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 36, on Road No. 55, Class 'C' Punjabi Bagh, New Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Date : 14-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VI/SR.III/2-86/190.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 5/9, (Mpl. No. 10515/XVI) Khasra No. 1628/1147, situated at W.E.A., Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gopal Chandra Banerjee,
S/o Late Shri Charu Chandra Banerjee,
R/o. D-306, Nirman Vihar, Delhi and
Shri Robindra Nath Banerjee,
S/o Late Shri Charu Chandra Banerjee,
R/o. EC-16, Flat No. 4,
Inderpuri Extension, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. P. K. Hotels (P) Ltd.,
through its Director,
S/Shri S. L. Pahwa,
S/o Late Shri Sher Singh Pahwa,
R/o. A-8, Greater Kailash Enclave-II,
New Delhi and
Rakesh Khurana,
S/o Shri Manohar Lal Khurana,
R/o 4/6, W.E.A., Karol Bagh,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5/9, (Mpl. No. 10515/XVI) Khasra No. 1628/1147, measuring 256.2 sq. yds. situated at W.E.A., Karol Bagh, New Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Date : 14-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-VI
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VI/SR.III/191.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H-353 situated at New Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Krishan Lal Manocha,
2. Kasturi Lal Manocha,
3. Mohan Lal Manocha,
4. Ramesh Chander Manocha,
5. Smt. Santosh Rani and
6. Smt. Sita Rani Saluja,
sons and daughters of Shri (Late Munshi Ram Manocha, R/o. 26/9, Old Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Vcena Rishi,
W/o Shri P. P. Rishi,
R/o D-137, New Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. H-353, New Rajinder Nagar, New Delhi, measuring 200 sq. yds.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Date : 14-10-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISTON RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/2-86/2683.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 407 Area 930. Sq. Ft. in Sheetla House, situated at 73-74 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at I. T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi in Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Leprosy Mission Trust India,
16, Pandit Pant Marg,
CNI Bhawan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Manju Dumra,
Trustee of SDF Trust.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407 admeasuring 930. 53 Sq. ft. in Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 4-9-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTON RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/2-86/2689.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, Area 776.55 Sq. ft. in Sheetla House, situated at 73-74 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the 269AB of I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at I. T. Act 1961 IAC Range-I, New Delhi in Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) Leprosy Mission Trust India,
16, Pandit Pant Marg, CNI Bhawan,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Manju Dumra,
as common Trustee of SDF Trust and
TDF Trust.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, measuring 776.55 Sq. ft. in Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 4-9-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/2-86/2690.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat Nos. 405 & 406 Area 1143.26 Sq. ft. situated at Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at I. T. Act 1961 IAC Range-I, New Delhi in Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24—326GI/86

(1) Leprosy Mission Trust India,
16, Pandit Pant Marg, CNI Bhawan,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Manju Dumra,
Trustee of TDF Trust.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 405 & 406 having the total covered area 1143.26 Sq. ft. in Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 4-9-1986
Seal :

FORM INS-**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/2-86/2700.—Whereas, I, **R. P. RAJESH**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1213 at 38 Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at I. T. Act 1961 IAC Range I New Delhi in Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, K. G. Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Temple Leasing & Finance Ltd.,
Kilokari, 1 Ring Road, Opp. Kalindi Colony,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1213 at 38 Nehru Place, New Delhi. Area 610 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 4-9-1986

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/2-86/2782.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 501, Siddharth, 96 Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at I. T. Act 1961 IAC Range I New Delhi in Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Peter Satwant Singh and
Mrs. Kaur,
Sarparveen "Want" Orchards,
village Moron P.O. Dyalpur, Distt. Jullunder.
(Transferor)
- (2) Sanjay Malik,
Rohit Malik,
Rohit Malik,
Sandeep Sethi,
Sanjay Sethi,
Kushel Sethi,
305, Thapar Nagar, Meerut.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, Siddharth, 96, Nehru Place, New Delhi.
Area 901 Sq. fts.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 4-9-1986

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/2-86/2783.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. A-3, Niti Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Range I, New Delhi in Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. P. K. Ghosh,
20 Lawyers Chambers, Supreme Court,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Pal & Paul Builders Ltd.,
70, Regal Building,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-3, Niti Bagh, New Delhi. Measuring 853.33 Sq. yards.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 4-9-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-86/461.—Whereas, I, V. K. MANGOTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. M-78 situated at Greater Kailash-II (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi in Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) M/s. Aarohi Apartments Pvt. Ltd.
E-207, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shashi Savia Family Trust,
through its Trustee Smt. Pallavi Shashikant
Savla, r/o D-850, New Friends Colony,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire basement and front portion of ground floor of property No. M-78 measuring 501 sq. yds. Greater Kailash-II New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Dated : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-86/454.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. E/558 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohan Lal Sawhney and Miss Poonam Sawhney through father and natural guardian Shri Mohan Lal Sawhney r/o E-29, Rajori Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Yellow Hut Proportions, Ltd, through its Director Smt. Simren Multani w/o. Shri Pradeep Multani, H-36, Connaught Circus, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E/558, Greater Kailash-II New Delhi measuring 550 sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-86/466.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. E-13, situated at Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) or section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Grindlay Electricals
India, 3/4, Asaf Ali Road,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) G. R. Nayyar (HUF)
E-13, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. E-13, Defence Colony, New Delhi area 867 sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-86/468.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 65, Block No. 48, situated at Diplomatic Enclave, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the said Act or the Wealth-tax (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely;

- (1) Smt. Mohinder Kaur,
C-21, Malcha Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Mafatlal Industries Ltd.,
Asarwa Road, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 65, Block No. 48, Diplomatic Enclave, New Delhi known as 15-Rajdoot Marg, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date : 13-10-1986

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-86/440.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. S/533, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
25—326GI/86

- (1) Sh. Uttam Kumar Shroff,
son of Sh. Ram Rattan Shroff,
r/o. S-533, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Dr. Amarjit Singh,
through Attorney Sh. Sardul Singh Sahni,
s/o Late Sardar Harbans Singh Sahni,
r/o. 40/3A Double storey, Ashok Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit in Mezanine floor in 'A' portion of property No. S/533, Greater Kailash-II New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date : 13-10-1986

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-VII
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/SR-III/2-86/433.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M-78, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Aarohi Apartment 'P' Ltd., through its Director—Shri Ashok Jain, son of Shri J. P. Jain, resident of E-207, Greater Kailash-II New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Parvez Bakshi son of late Sh. Bakshi Abdul Majid, resident of Shirma House, Sanwar Bagh, Srinagar, Kashmir. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The first floor, front side residential dwelling unit measuring 1800 sq. ft. in property No. M-78, Greater Kailash-II, New Delhi including the car parking with exclusive use on the right side in between the two pillars on the ground floor and one servant quarter marked as No. 3 on the terrace facing drive way with W.C. and bath as common with other servant quarters w/o fittings and fixtures with 1/2 undivided share of open front terrace on the top, alongwith 18 per cent undivided share of ownership rights on the land underneath.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-86/455.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M-78, Ground floor (rear portion) situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office Delhi in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ms Aarohi Apartments 'P' Ltd.
through its Director Sh. Ashok Jain,
r/o E-207, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Lt. Col. C. S. Singh and
Mrs. Raminder Shah Singh r/o C-506,
Som Vihar Apartments, Sangam Marg, R.K. Puram
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear Portion of Ground floor of property No. M-78, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-88/434.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. S-147, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kewal Krishan Sharma,
s/o Ram Pratap Sharma,
A-1/125, Sardarjang Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s D. S. Builders through its
partner Shri Jasvinder Singh
A-2/140, Safdarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-147, measuring 298, sq. yds. Greater Kailash-II
New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Mr. Virender Sharma,
S/o Shri D. N. Sharma,
D-14A/18, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Gaurav Properties Pvt. Ltd.,
28, Motia Khan, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-86/450.—Whereas, I,
V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 115 Block No. W,
situated at Greater Kailash, II, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi in February 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used hereto as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 115, Block No. W (known as W-115, Greater
Kailash, II, New Delhi Area measuring 836 sq. mtrs.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/2-86/446.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. M-64, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shila Vati Kapur
w/o Sh. Prem Parkash Kapur
r/o Swami Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Parkash Kumari w/o Raghbir Dass
R/o M-126, Greater Kailash-I, New Delhi
and Chander Mohan s/o Shri Raghbir Dass
r/o B-22, Kailash Apartments, Lala Lajpat Rai
Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. M-64, measuring 510 sq. yds. 2 1/2 storeyed house, Greater Kailash-I New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-86/437.—Whereas, I,
V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. M-63,
situated at Greater Kailash-II, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi in February 1986,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Manjeet Kaur
w/o Shri Pritam Singh
r/o 1-2-33/1, Gangamahal Road, Hyderabad
(AP) presently at M-185, Greater Kailash-II
New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s Sahil Builder.
through partner Shri V. K. Narang,
r/o E-266, Greater Kailash-I,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. M-63, Greater Kailash-II New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-986/438.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 1,00,000/- and bearing No. M-95, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Anil Kumar Sehgal s/o M. R. Sehgal and Smt. Swarana Sehgal w/o M.R. Sehgal r/o D-289, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sandeep Jhaveri s/o Bippinchandra S. Jhaveri and Smt. Rajul Jhaveri w/o Shri Sandeep Jhaveri r/o M-47, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days and the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of property No. M-95, measuring 324 sq. yds. Greater Kailash-II New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/ACQ VII/SR-III/2-86/457.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. M-95, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Anil Kumar Sehgal s/o M. R. Sehgal.
2. Smt. Swarna Sehgal w/o Sh. M. R. Sehgal r/o D-289, Defence Colony, New Delhi.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Puspaa Awasthi w/o Sh. Ravi Awasthi
2. Sh. Ravi Awasthi s/o Sh. B. S. Awasthi r/o Govind Park, Bulrampur Distt. Gonda (U.P.)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Entire Second Floor in property No. M-95 Greater Kailash Part-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-VII
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—326G1/86

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/ACQVII/SR-III/2-86/458.—Whereas, I,
V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and
bearing No.
Property No. M-85, situated at Greater Kailash-II, New
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority at
Delhi in February 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

(1) Shri Anil Kumar s/o M. R. Sehgal and Smt. Swarna
Sehgal w/o M. R. Sehgal, r/o D-289, Defence
Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sumant Sethi s/o Madan Gopal Sethi and Smt.
Rohini Sethi, w/o Sumant Sethi, r/o R-2/79 Raj
Nagar, Ghaziabad (U.P.) through attorney Kanwal
Krishan Khosla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXX of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor and mazzanine floor of property No. M-95,
Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
New Delhi

Date: 13-10-1986
Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/ACQVII/SR-III/2-86/439.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 10,00,000/- and bearing No. Plot No. M-36, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Saran Dass Tulli s/o late Mela Ram Tulli r/o 100-M, Connaught Circus, New Delhi.
(Transferor)
(2) Shri Malhan Builders E-588, Greater Kailash-II, New Delhi, through its partner Sh. Devi Das Malhan.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. M-36, measuring 163 1/2 sq. mtrs. Shopping Cum residential Centre, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
New Delhi

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Yog Gaur (2) Sh. Sushil Gaur (3) Miss Dimple Gaur (4) Miss Neeta Gaur r/o 44, DLF Colony, Rohtak (Haryana).

(Transferor)

(2) Smt. Sunila Chaudhary, B-1, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/ACQ-VII/SR-III/2-86/435.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 241 in Block N situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 241 in block N measuring 300 sq. yds. in Greater Kailash-I, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
New Delhi

Date: 13-10-1986
Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Chander Parkash s/o Sh. Kishan Chand r/o A-303, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bishambhar Lal Miglani s/o Sh. Chaman Lal Miglani and Smt. Vanita Miglani w/o Sh. Vishwambhar Lal Miglani, r/s K-44, N.D.S.E.-II New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ-VII/SR-III, 2-86/467.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. A-303, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; said/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property No. A-303, measuring 217 sq. yds. Defence Colony, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-V
AGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/ACQ-V New Delhi.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 5, Block B-II Safdarjang Residential Scheme,
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
on August 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Lt. Col. B. A. S. Chopra D-2/30, Janakpuri, New
Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Neelam Jain,
Sh. Surender Kumar Jain,
Both residents of 8/159, Village Mehram Ngr.,
New Delhi
Sh. Rajesh Kr. Jain, 8/149, Vill. Mehram Ngr
New Delhi
Sh. Rakesh Kr. Jain, 8/151, Vill. Mehram Ngr.,
New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing plot No. 5, Block B-II in Safdarjang
Residential Scheme, New Delhi, measuring 450 sq. yds.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
New Delhi

Date: 14-10-1986
Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE 4 14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/ACQ-V New Delhi.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-2/4, situated at Safdarjung Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Vijay Kumar Bhatia
38, Rajindra Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bhanwar Devi Jain,
R/o Village Meoram Nagar,
Delhi Cantt.
New Delhi-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. B-2/4, Safdarjung Enclave, New Delhi, admeasuring 451.50 sq. yards.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE, 4, 14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/ACQ Range-V.—Whereas, I, A. K.
MANCHANDAbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.No. M-4, situated at Green Park Main, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
on 8th August 1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act,
-
- in respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Kaushalya Devi Khanna
-
- M-4, Green Park Main,
-
- New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sri Lalit Krishan Sarin
-
- and Brij Mohan Sarin,
-
- Both residents of Y-2, Green Park Main, New
-
- Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days
-
- from the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

2-1/2 storeyed building, M-4, Green Park Main, New Delhi,
Area 500 sq. yards.

A. K. MANCHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V.
New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—Date: 14-10-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-V
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Re. No. IAC/Acp. Range-V.—Whereas, I,
A. K. MANCHANDA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2127 and 2128 situated at in Block J, Karol Bagh, New
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
on February, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

27—326GI/86

- (1) 1. Smt. Biboo Devi
2. Sh. Sunil Kumar
3. Sh. Veer Sagar
4. Shri Vijay Sagar
All residents of 2127, Gali No. 58, Naiwala,
Gurdwara Road, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) 1. Sh. A. L. Arora,
2. Smt. Vimal Arora
3. Master Amit Arora
All residents of 15/42, Punabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Object:—, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern half of plot/Khasra No. 501 and 502, measuring
about 194.5 sq. yds, property bearing Municipal No. 2127
and 2128, in Block J, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
New Delhi

Date: 14-10-1986
Seal:

FORM ITNS-

(1) M/s. Bhayana Builders Pvt. Ltd. G-4, Lakshmi Bhawan, 72, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. R. M. Investment & Trading Co. Pvt. Ltd. 27-B Camas Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-V
AGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2683.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10 A, Prithviraj Road, 1800 sq. ft. situated at flat on 1st Floor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-VII, New Delhi, on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 10A, Prithviraj Road, 1800 Sp. ft. flat on 1st Floor.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
(Income Tax) Acquisition Range-V,
New Delhi

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) M/s. Bhayana Builders Pvt. Ltd.
G-4, Lakshmi Bhawan, 72, Nehru Place,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Robert, Mclean Consultants Pvt. Ltd.
27-B, Camac Street, Calcutta. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2685.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10A, Prithvi Raj Road, situated at 1800 Sq. ft. flat on 1st floor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-VII, New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 A, Prithvi Raj Road, 1800 Sq. ft. flat No. 5 on 1st floor.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2684.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10A, Prithvi Raj Road, 1300 Sq. ft. situated at flat on 1st floor situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-VII, New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Bhayana Builders Pvt. Ltd.,
G-4, Lakshmi Bhawan, 72, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. J. M. Commercial & Co. Ltd.,
18, London Street, Calcutta-700017.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 10A, Prithvi Raj Road, 1300 Sq. ft. flat on 1st floor.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII, 37EE/2-86/2780.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 112-A on 1st floor in situated at Prakash Deep, 7-Tolstoy Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-VII, New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (f) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Sherman International (P.) Ltd.
D-94 (9th Floor) Himalaya House,
K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Atul Investment Company,
N-9, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 112-A on 1st floor in Prakash Deep, 7-Tolstoy Marg, New Delhi. Area 460 Sq. ft.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2716.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 207 on 2nd floor in situated at Prakash Deep 7, Tolstoy Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961, in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-VII, New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Sailesh Dhir
Dr. B. K. Vohra (HUF),
A-1/18, Safdarjung Enclave, New Delhi.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Indira Mohan
2. Smt. Amita Mohan
3. Smt. Anjul Mohan
R/O 12, Lucknow Road, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207 on 2nd floor in "Prakash Deep" 7, Tolstoy Marg, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

(1) S. Gurbachan Singh & Sardarni
Shama Gurbachan Singh
12, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. Uttam Singh Dugal & Co.,
11, Marina Arcade,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2757.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 704 Mg. 696 Sq. ft. on 9th Floor in the Multistoreyed Bldg. at 13, Tolstoy Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-VII, New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Flat No. 704 measuring 696 Sq. ft. on 9th floor in the Multistoreyed Building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/2-86/2714.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-333, Defence Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-VII, New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Savitri Devi Thukral,
Smt. Kiran Bhalla,
H-3/21, Model Town, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Deepak Wadhwa HUF,
Sh. Deepak Wadhwa,
Smt. Chandra Wadhwa,
A-331, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-333, Defence Colony, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Amrit Devi
H-3, 21 Model Town, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Deepak Wadhwa HUF,
Shri Deepak Wadhwa Prop. Wadhwa International,
Smt. Chandra Wadhwa,
A-331, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI
New Delhi, the 13th October 1986

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2715.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A-333, Defence Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC Acq-VII New Delhi on February 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A-333, Defence Colony, New Delhi,

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range -VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-86
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2713.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A-333, Defence Colony situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at

on February 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Anita Thukral
H-3/21 Model Town, Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Deepak Wadhwa HUF,
Shri Deepak Wadhwa Prop. Wadhwa
International, Smt. Chandra Wadhwa
A-331, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-333, Defence Colony, New Delhi,

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Dated : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2702.—Whereas, I,
V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Ground Floor only D-178, Defence Colony
1800 sq. ft. Approx. situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of
the Registering Officer at IAC Range-VII
New Delhi in February, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Commander Inder Singh Lamba
House No. 3310, Sector 19D
Chandigarh (Union Territory),
(Transferor)
- (2) Mr. Atul Prakash
11/3, Kalkaji Extension,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor 1800 sq. ft. appx. D-178, Defence Colony,
New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII,
Aggarwal House, 4/14, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2755.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. S-148, Mg. 306 Sq. Yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Range-VII New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ms. Bhavani Venkataraman,
D/o S. Venkataraman, r/o 131-5, Nimitiz Avenue,
West Lafayette,
Indiana (USA) through general attorney S.
Venkataraman R/o S-148, Greater
Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sneh Dutt w/o late A. K. Dutt
r/o F-66 Sujan Singh Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S-148, measuring 306 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-VII,
Aggarwal House, 4/14 A Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2738.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 on lower & upper ground floor at B-81, Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Range-VII New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs Sumitra Makhija
A-34, N.D.S.E.-I,
New Delhi,

(Transferor)

(2) Lt. Gen. Mohan Lal Tuli.
S/o Late M. R. Tuli,
10, Kushak Rd.,
Teen Murti,
New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on lower & upper ground floor at B-81, Greater Kailash-I, New Delhi, Area 2002.50 sq. ft.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi-1

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2749.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-219, Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Range-VII New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Brig. M. L. Gaiind
S-253, Greater Kailash-I,
New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Dua,
C-219, Defence Colony,
New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

C-219, Defence Colony, New Delhi, Area 271.74 Sq. Mtr.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2705.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property on plot Nos. E-292, Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Range-VII New Delhi on February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Ashok K. Dhawan & Naveen K. Dhawan
S/o Shri Chaman Lal Dhawan
R/o E-11, East of Kailash,
New Delhi,

(Transferor)

- (2) Smt. Shanta Mehra
W/o Shri Radha Kishan Mehra & Shri Raj Kumar Mehra
S/o Shri Radha Kishan Mehra
R/o 60/7, Ramjas Road,
Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property on Plot Nos. E-292, Greater Kailash-I, New Delhi. Area 208 Sq. Yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 13-10-1986
Seal:

FORM ITNS-**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI**

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.-II/37EE/2-86/17A.—Whereas, I, **ASHOK KACKER**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 5, Bahadurshah Zaffar Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Range-VII New Delhi on February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. K. Narendra,
Managing Director,
Daily Pratap,
5, Bahadurshah Zaffar Marg,
New Delhi-110 002.

(Transferor)

(2) M/s. Kailash Nath & Associates,
18, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5, Bahadurshah Zaffar Marg, New Delhi. Additional area to be constructed as per agreement dt. 3-12-85). Lease-hold.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 14-10-1986
Seal :

FORM ITN

(1) M/s. Rajgir Builder.

(Transferor)

(2) Mr. Joginderkumar Sunderlal Wahi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. AR.II/37EE/30670/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302, Rajgir Milan, Andheri, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28/2/1986. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property in aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, 'Rajgir Milan', S. No. 77. H. No. 3, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30670/85-86 on 28/2/1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—326GI/86

Dated : 9-10-1986

Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Rajgir Builder. (Transferor)
 (2) Mrs. Urmiladevi Vidyasagar Wahi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
 BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30669/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, 2nd floor 'Rajgir Milan', S. No. 77, Andheri Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 201, 'Rajgir Milan', S. No. 77, Hissa No. 3. Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30669/85-86 on 28/2/1986.

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-10-1986
 Seal :

FORM ITNS-

(1) Hari Nandlal Sindhi

(Transferor)

(2) Mahendra Prataprai Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 9th October 1986

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.II/37EE/30250/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing S. No. 141-B, CTS No. 864 village Ambivali Taluka, Andheri, Bombay, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at village Ambivali Taluka Andheri bearing CTS. No. 864 S. No. 141-B Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30250/85-86 on 18-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Ramdas Manjunath Shenoy &
Mrs. Sunita Ramdas Shenoy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30255/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 402, Horizon View III, Off Jai Prakash Road,
Versova, Andheri (West), Bombay-61.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of theCompetent Authority at Bombay on 17-2-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 15 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Flat No. 402, Horizon View III, on plot No. 10, of S.
Nos. 91A(Pt) & 95A (Pt) Off Jai Prakash Road, Versova
Andheri (West), Bombay-61.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30255/85-86 on
17-2-1986.LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—Dated : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Gargi P. Desai. &
Mr. Pradip Y. Desai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30912/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 603 & Parking No. 4, 'Horizon View I', Versova, Andheri (West), Bombay-61, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28/2/1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603 & Parking No. 4, 'Horizon View-I, on plot No. 70 of S. Nos. 91A (Pt.) & 95A (Pt.), Off J.P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30912/85-86 on 28/2/1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Madhu Parsram Tejwani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30913/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 503, Horizon View-I, Versova, Andheri (W), Bombay-61, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 'Horizon View-I, on plot No. 70 of S. No. 91A (Pt.) and 95A (Pt.) Off. Jai Prakash Road, Versova Andheri(W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30913/85-86 on 28/2/1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30533/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 502 & Paring No. 4 'Horizon View III, J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-2-1986. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Khalid Nasir Ahmed
Mr. Abdul Shahid Nasir Ahmed &
Mr. Abdul Wahid Nasir Ahmed.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502 & Paring No. 4 'Horizon View III, on Plot No. 7 of S. No. 91A(Pt.) & 95A(Pt.) Off J.P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30533/85-86 on 25-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30440/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 48 & 49, Andheri Taluka South Salsette, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Narayan Gopalrao Ubhayakar.
(Transferor)

(2) Shri Muhamadali Ismail Patel
Shri Nasirudin Barkatali Abjani,
Shri Mayuresh Madhukar Kamat
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 48 C.I.S. No. 50 and Plot & construction on Plot No. 43, C.T.S. No. 47, at Islamalia, in the Village Andheri, Taluka South Salsette, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30440/85-86 on 24-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated : 9-10-86,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30334/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land bearing S. No. 41 (Pt.) Village Oshiwara, Taluka Andheri situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Pravinchandra P. Odhwani
Mahesh L. Dholakia (Transferor)
- (2) Anilkumar Agarwal
Mrs. Santosh R. Agarwal (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land forming part of S. No. 41 (Pt.) Village Oshiwara Taluka Andheri with F.S.I. of 34,380 sq. ft. in building L-2 thereon.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30334/85-86 on 21-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—326GI/86

Dated : 9-10-86,
Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29795/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 34, Hissa No. 1 (Pt.) S. No. 35 & CTS No. 176 Pt., Jogeshwari, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Akruti & Goyal Realtors Pvt. Ltd. (Transferor)
(2) Mrs. Saranga Agarwal. (Transferee)
(3) Nil. (Person in occupation of the property)
(4) Anil Agarwal & Raakhi Land Development Co. Pvt. Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 34, Hissa No. 1 (Pt.) S. No. 35 & CTS No. 176 Part in the Village of Majas, Jogeshwari, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29785/85-86 on 4-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated : 9-10-86,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29814/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 34, H. No. 1 (Pt.) S. No. 35 CTS No. 176 (Pt.) Majas, Jogeshwari, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Akruti & Goyal Realtors Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Mrs. Sarange Agarwal (Transferee)
- (3) Anil Agarwal (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 34 Hissa No. 1 (Pt.) S. No. 35 & CTS No. 176 Part, Village of Majas, Jogeshwari, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29814/85-86 on 4-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated : 9-10-86.
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30398/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 48, Plot No. 1, Hissa No. 1 (Pt.), CTS Nos. 1088, 1088/1 to 1088/3, Versova, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Margaret Chhotubhai Kamani (Transferor)
- (2) M/s Murgha Builders (Transferee)
- (3) Tenants (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land with structures bearing S. No. 48, Plot No. 1, H. No. 1 (Pt.), CTS Nos. 1088, 1088/1 to 1088/3, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30398/85-86 on 21-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated : 9-10-86.
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Basil Fernandes

(Transferor)

(2) Mr. Shirish H. Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30069/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. plot No. 11 & 12 of Juhu Tara Coop. Hsg. Soc. Ltd., CTS No. 1091 (Pt.) & F.P. No. 34 TPS-II of Santacruz (W), at Juhu situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-2-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land together with structure standing thereon situated at Santacruz (W), bearing plot No. 11 & 12 of Juhu Tara Coop. Housing Society Ltd., CTS No. 1091 (Pt.) & F.P. No. 24 TPS II of Santacruz (West) at Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30069/85-86 on 14-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY**

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30444/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
CTS No. H. 534, Property alongwith Bungalow at 1st Hasanabad Lane, Santacruz (West), Bombay-54 has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Khorem E. Millwala
Mr. Shabbir E. Millwala (Transferor)
- (2) M/s. Modern Executors. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property alongwith bungalow at 1st Hasanabad Lane, Santacruz (West), CTS No. H/534, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30444/85-86 on 24-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated : 9-10-86.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30535/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 310 Jal Darshan, at Ruina Park, Juhu, Bombay-400 094 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. M. R. Combine (Transferor)
- (2) Mrs Shubhangu Narayan Redij & Mr. Kiran Narayan Redij. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 310, 'Jal Darshan' situated on portion of 18-Y of land bearing S. No. 44 H. No. 1 (Pt) & 2 (Pt) at Ruina Park, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30535/85-86 on 25-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

(1) Vee Gee Creado Construction & Development P Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. C. D. Mehtalia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30763/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 5, Wing 'B', Silver Beach CS No. 505 at Silver
Beach Estate, Juhu, Bombay-49
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the office of the
Competent Authority at
Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5 on 3rd floor in Wing 'B' Silver Beach at pro-
perty bearing CS No. 505 at Silver Beach Estate, Juhu,
Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30763/85-86 on
28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

(1) Vee Gee Creado Construction & Developer Pvt. Ltd.
(Transferor)

(2) Mr. Manubhai B. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/371-E/30773/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, 4th floor in Wing 'A' Silver Beach CS No. 505 Silver Beach Estate, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31—326GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 4th floor in Wing 'A' of the proposed building Silver Beach at Property bearing CS No. 505 at Silver Beach Estate, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30773/85-86 on 28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

- (1) Vee Gee Creado Construction & Developer Pvt. Ltd.
(Transferor)
- (2) Mr. Bipin R. Patel.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30772/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5 on 4th floor in Wing 'B' CS No. 505 at Silver Beach Estate, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 4th floor in Wing 'B' of the proposed Bldg. Silver Beach at property bearing CS No. 505 at Silver Beach Estate Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30772/85-86 on 28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated : 9-10-86.
Seal :

FORM ITS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY**

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EF/29740/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 42-C, 4th floor Ruia Park, S. No. 47 Juhu, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Juhu Estate Corporation (Transferor)
(2) Ms Leela A. Chainani & Shri Mohan A. Chainani (Transferee)
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42-C on 4th floor of Ruia Park S. No. 47, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29740/85-86 on 3-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated : 9-10-86.
Seal :

FORM ITN-

(1) Juhu Estate Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Krishan D. Rajani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30363/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 53/A, 5th floor, Ruia Park Building, S. No. 47, Juhu, Bombay-49, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 53-A 5th floor, Ruia Park Building, Survey No. 47, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/30363/85-86 on 21-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

(1) Juhu Estate Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Rashmi Umesh Kapadia &
Mr. Umesh Anilkant Kapadia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30052/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 52-C, 5th floor Ruia Park Building, S. No. 47,
Juhu, Bombay
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the office of the Competent
Authority at
Bombay on 14-2-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 52-C, 5th floor Ruia Park Building, S. No. 47,
Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/30052/85-86 on
14-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

(1) Indra H. Gupta.
(Transferor)(2) Miss Vera Singh.
(Transferee)(3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30512/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501, 5th floor, Mangal Kiran, Plot No. 57 Iris Park, Juhu, Bombay-57, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Mangal Kiran, Plot No. 57, Iris Park, Juhu, Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/30512/85-86 on 25-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

(1) Mrs. Zakhia Begum.

(Transferor)

(2) Sunder Dar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30490/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat Nos. 1-A & 1-B (G-1) in Vinay Apartments at Janki Kutir, Juhu, Bombay-49 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat Nos. 1-A and 1-B (G-1) in Vinay Apartments at Janki Kutir, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/30490/85-86 on 24-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 9-10-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. New India Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Bhikalal Kanji Soni.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30019/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1-A, Chandravilla Apartments, J. V. P. D. Scheme, Vile Parle (W), Bombay-56, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1-A, Chandravilla Apartments, Plot No. 3, CTS No. 8/4 at Gulmohar Rd., J.V.P.D. Scheme, Vile-Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/30019/85-86 on 11-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30901/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 2nd floor, Madhuvan Society, J. V. Scheme, Rd., No. 1, Vile Parle (W), Bombay-56, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32—326GI/86

(1) M/s. G. C. Enterprises.

(Transferor)

(2) Shah Popatlal Devraj.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, Madhuvan Society, Azad Nagar, J.V. Scheme, Road No. 1, Vile Parle (W) Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE 30901/85-86 on 27-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sky-Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Anil C. Shah & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/29840/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, 'Hemal' Plot No. 5, Hatkesh Nagar Co-op. Housing Society Ltd., JVPD Scheme, Vile Parle (W), Bombay-56 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 'Hemal' Plot No. 5, Hatkesh Nagar Co-op. Housing Society Ltd., JVPD Scheme, Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/29840/85-86 on 7-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Seal ;

FORM ITNS-

(1) Shri Jagdish Khanna.

(Transferor)

(2) Shri Vinod G Kala &
Mrs. Rashmi Vinod Kala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. AR. II/37EE/29923/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 20/B Trimurthi Co. op. Society Ltd., 2nd floor,
North Avenue Rd., Santacruz (W), Bombay-54
situated at Bombay
(and morefully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the office of the Competent
Authority at
Bombay on 7-2-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

Flat No. 20/B Trimurthi Co. op. Society Ltd., 2nd floor,
North Avenue Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/29923/85-86 on
7-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30496/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 602, Mangal Murti, Plot No. 82/29 Linking Rd. Santacruz (W), Bombay-54, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Pec Jay Enterprises. (Transferor)
 (2) H. P. Gupta H.U.F. (Transferee)
 (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 602, Mangal Murti 6th floor, Plot No. 82/89 Linking Road, Extn. Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE 30496/85-86 on 24-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30498.85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, 6th floor, Mangal Murti Linking Rd., Santacruz (W), Bombay-54, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Pee Jay Enterprises, (Transferor)
(2) Mrs. Indra H. Gupta. (Transferee)
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Mangal Murti Plot No. 82/29 Linking Road, Exten, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/30498/85-86 on 24-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

(1) M/s. Vikas Developers.

(Transferor)

(2) Mr. Madukar Rangildas Randeria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29680/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202 on Plot No. 14 and 22 at Janki Kutir, Juhu, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 on Plot No. 14 and 22 at Janki Kutir, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29680/85-86 on 1-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Sent :

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30497/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 701, Mangal Murti, Plot No. 182/29 Linking Rd.,
Santacruz (W), Bombay-54,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the office of the Competent
Authority at
Bombay on 24-2-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) M/s. Pee Jay Enterprises. (Transferor)
(2) Mr. H. P. Gupta. (Transferee)
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, Mangal Murti, Plot No. 82/29 Linking Rd.,
Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30497/85-86 on
24-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29681/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceedingRs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 203, Plot No. E/7 of Aimai Gazdar's Pvt. Scheme,
Santacruz being a portion of S. No. 448(Pt.) and bearing
CTS No. G-368(Pt.) and 408A.situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the office of the Competent
Authority at
Bombay on 1-2-1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor, to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Mrs. Madhu Prakash Kapoor,
Mr. Prakash Chandra Kapoor.
(Transferor)

(2) Shri Naresh Chandulal Manjar,
Smt. Urmila Naresh Manjar.
(Transferee)

(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Plot No. E/7 of Aimai Gazdar's Pvt. Scheme,
Santacruz being a portion of S. No. 448(Pt.) and bearing
CTS No. G-368(Pt.) and 408A.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29681/85-86 on
1-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. H/37G/3885 Feb. 86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 75, TFG IV, Santacruz at Ghordhandas Road, SV Road, Santacruz, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 25-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Dipchand Mohanlal Shah,
Shri Shivcharan Mohanlal Shah,
Shri Kanchand Mohanlal Shah.
(Transferor)
- (2) Shri Kanchi Ravi Patel,
Mrs. Anantiben E. Patel,
Shri Jayantilal J. Shah,
Shri Rajesh Jayantilal Shah,
Shri Ashwin Jayantilal Shah and
Smt. Kum. Shobha Jayantilal Shah.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1455/79 and registered on 25-2-1986 with the Sub-Registrar, Bombay.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—326GI/86

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30673/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 19, Ashok Nias, Vile Parle (W), Bombay-56,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the office of the Competent
Authority at
Bombay on 28-2-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mahesh Ratilal Oza.
Shri Ramesh Ratilal Oza.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Pravinchandra Doshi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Flat No. 19, in Parle Ashok-Nivas Cooperative
Housing Society Ltd., Smith Pond Road, Vile Parle (W),
Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30673/85-86 on
28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

(1) Shri Vijay Raheja.

(Transferor)

(2) M/s. Just for you.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30610/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ground floor Permisses, Queens Palace Building, 205 Waterfield Rd., situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor Permisses, Queens Palace Building, 205 Waterfield Rd., Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30610/85-86 on 28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Devendra Construction Corporation.
(Transferor)
- (2) M/s. Sai Properties Pvt. Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29744/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 3, Mi-Casa, Bandra, Bombay-50,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the office of the Competent
Authority at
Bombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 on the ground floor in the building known
Mi-Casa 24th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29744/85-86 on
3-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Out : 9 10 1986
Seal :

FORM ITNS-

(1) M/s. Ruby Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. J. Patwardhan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30386/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601 alongwith terrace on the 6th floor 'Neel Apartments' at 10th Road, Khar, Bombay-52, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601 alongwith terrace on the 6th floor 'Neel Apartments' at 10th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/30386/85-86 on 21-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30736/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 701, Mangal Disha, Khar, Bombay-52, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|----------------------------------|--|
| (1) M/s. Pee Jay Enterprises. | (Transferor) |
| (2) M/s. Prabhakant Enterprises. | (Transferee) |
| (3) Transferee. | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, Mangal Disha, 6th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30736/85-86 on 28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29868/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
 able property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Flat No. 201, 2nd floor, Mangal Bhahadar, 13th Road, TPS
 III, Khar, Bombay-52,
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the said Act in the office of the Competent
 Authority at
 Bombay on 7-2-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

- (1) Mr. Vasu B. Hiranandani and
 Mrs. Pushpa Vasu Hiranandani. (Transferor)
- (2) Mr. Biharilal K. Rohira and
 Mrs. Duri Biharilal Rohira. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Mangal Bhanadar, 13th Road, TPS
 III, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29868/85-86 on
 7-2-1986.

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Union Carbide India Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. K. R. Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29886/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flats Nos. 401/402, Captain Villa, Mount Mary Hill Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats Nos. 401/402, 4th floor on the building 'Captain Villa' at Mount Mary Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/85-86 on 7-2-86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30528/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Art Gallery No. 2 at 'Silver Stone' Bldg. Plot No. 294, Suburban Scheme No. VII, at Khar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Rajkumar Balkrishna. (Transferor)
(2) Lake Forest Holdings Private Ltd. (Transferee)
(3) Rajkumar Balkrishna of Rajkumar & Associates. (Person in occupation of the property.)
(4) Transferor. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Art Gallery No. 2, at 'Silver Stone', Bldg. Plot No. 294, Suburban Scheme No. VII, at Khar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30528/85-86 on 25-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29750/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 'Owner's Court', CS No. 13/590 of Mahim, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) 1. Malatibai D. Dandekar,
2. Bakul Jayant Dandekar,
3. Leela R. Patkar,
4. Leela P. Shere,
5. Indirabai A. Bhatvdekar,
6. Malati P. Nayak and
7. Dattatray V. Ambekar.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Shubhada Shreekanth Lele and
2. Shri Shreekanth Vishwanath Lele.

(Transferee)

3. Transferee.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 'Owner's Court', Cadestral S. No. 13/590 of Mahim Division.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29750/85-86 on 3-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

(1) Regency Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Dr. Noshir H. Wadia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette

Ref. No. AR.II/37EE/30414/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269D of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 71 & 72, Palm-Spring, Mahim, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the office of the Competent
Authority
at Bombay on 21-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 71 & 72 on 7th floor on Palm-Spring 24-B, Worli
Conapur, Prabhadevi Seashore, Mahim, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30414/85-86 on
21-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30927/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, 'Solitude' at Plot No. 401 TPS III, Pitamber Lane, Mahim (W), Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Akuti.

(Transferor)

(2) Mr. Hubert Leo D'sa and
Mrs. Lourdes Maryann Merue D'Sa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor and open parking space No. 5 'Solitude' which is under construction and situated at Plot No. 401 TPS III Pitamber Lane, Mahim (West), Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30927/85-86 on 28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-

1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Nadir Janmohmed Gilani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30797/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1, Captain Villa, at Mount Mary Hill Road, Bandra,
Bombay-50
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the office of the Competent
Authority
at Bombay on 28-2-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1 (One) on the ground floor of the building 'Cap-
tain Villa' at Mount Mary Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30797/85-86 on
28-2-1986.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M. Dattatray K. Nanal & Mr. Sanjeev Patki. (Transferor)
 (2) M/s. Zeba Builders. (Transferee)
 (3) 3 tenants. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/30029/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing N.A. No. 267, CTS No. B/320 at Chapel Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing N.A. No. 267, CTS No. B/320 at Chapel Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37-E. 30029/85-86 on 11-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 9-10-86
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30354/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Building and Plot on CTS No. 1, Survey No. 191 N.A. No. 4
Plot No. 3, Bandra, Danda, Bombay-50 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the office of the competent
Authority at
Bombay on 21-2-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- | | |
|------------------------------|--|
| (1) Mr. Amirali Y. Moosabhoy | (Transferor) |
| (2) Mr. Rajan B. Raheja | (Transferee) |
| (3) Tenants | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow and Plot on CTS No. 1, Plot No. 3, Survey No.
191; N.A. No. 4 Bandra Danda, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/30354/85-86 on
21-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/29979/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12-A & carparking space No. 1, 'Silva Croft' Bandra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay-50 situated at Bombay on 10-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- | | |
|---|--|
| (1) M/S. Cozy Home Builders | (Transferor) |
| (2) Kum. Michelle I. M. Cottinho & Smt. Sheila P. Coutinho Shetry | (Transferee) |
| (3) Transferor | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12-A, & Carparking space No. 1 on the 7th floor in Silva Croft, Perry Road, Bandra, Bombay-50.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/29979/85-86 on 10-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 9-10-86
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30718/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 801, Diago-D, Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer situated at Bombay on 28-2-1986 in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35—326GI/86

- (1) M/s. Abis Constructions (Transferor)
(2) Mrs. Mrs. Gulshan Sudruddin Lalani & Mr. Vikas Kapoor. (Transferee)
(3) Transferee (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 801, 8th floor 'Diago-D', Plots bearing CTS Nos. 1246, 1248, 1249, 1250, 1251 at Village Sherly Ranjan, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/30718/85-86 on 28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 9-10-86
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mr. Shamji T. Vora. (Transferor)
- (2) Miss Kamini Janardhan Pandit. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37FE/30685/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Kanti Apartments, Mt. Mary Road, Bandra (W), Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor 'C' Wing of Kanti Apartments, at Mount Mary Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/30685/85-86 on 28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated : 9-10-86
Seal :

FORM ITNS-

- (1) United Builders Construction (India) P. Ltd.
(Transferor)
(2) M/s. International Data Management P Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/37EE/30869/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason
to believe that the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Ground floor of Balarama, on Plot C-3 'E' Block
of Bandra-Kurla Commercial Complex, Bombay-51,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act, in the office of the
Competent Authority at Bombay on 28-2-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability,
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground floor of Balarama Plot C-3 in the 'E' Block of
Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra (E), Bombay.
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30869/85-86 on
28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I before initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Dated : 9-10-86
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Rameshkumar Sawhney
Smt. Veeranwari Sawhney
Smt. Suman Sawhney.

(Transferor)

(2) M/s. Bakshi Engineers (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29845/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, Captain Village Mount Marg, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Captain Villa Mount Marg, Bandra.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29845/85-86 on 7-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-10-86
Sd :

FORM ITNS-

- (1) Noordin Akbar Virani. (Transferor)
 (2) Mrs. Mrs. Gulshan Sadruddin Lalni & Mr. Sadruddin Kanji Lalani. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29695/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-54, Yuwan Apartment (Bandra) Co.op. Housing Society Ltd., Bandra (W), Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-54, 5th floor, Yuwan Apartment (Bandra) co. op. Housing Society Ltd., 413/414 Mount Mary Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29695/85-86 on 1-2-1986.

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-10-86
 Seal :

FORM IIIE—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30007/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, Vinita Apartments, Khar, Bombay-52 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M. S. Sippy Associates. (Transferor)
(2) Shri Onkar Singh Sahani
Shrimati Kulwant Kaur Sahani. (Transferee)
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 on 3rd floor, Vinita Apartments, Plot No. 417, CTS No. E/218, 14th A Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30007/85-86 on 10-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-86
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30008/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd floor, Vinita Apartments, Plot No. 417, CTS No. E/218, 14th A Rd., Khar, Bombay-52 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Sippy Associates. (Transferor)
- (2) Harcharanjeet Singh Sahani
Gurvindersingh Sahani. (Transferee)
- (4) Transferor. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Vinita Apartments, Plot No. 417, CTS No. E/218, 14th A Rd., Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30008/85-86 on 10-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-86
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30728/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, Swastika Villa, Khar, Bombay-52 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Raja Estates. (Transferor)
(2) Mrs. Gopi Ramchand Dhanjani. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Swastika Villa, 16th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30728/85-86 on 28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-86
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Olinvon Industrial & Export Corporation.
(Transferor)(2) M. s. Mikku Agencies.
(Transferee)(4) Transferor.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29689/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Block No. 7, 1st floor, Building No. II New Udyog Mandir
Premises Co.op. Society Ltd., Mahim, Bombay-16 situated at
Bombay-16
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority
Bombay on 10-2-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
36—326GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 7, 1st floor, Building No. II, New Udyog Mandir
Premises Co.op. Society Ltd., 7-C, Pitamber Lane, Mahim,
Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29689/85-86
on 1-2-86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-86
Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29687/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 602, 6th floor Rajgir Milan, S. No. 77 Hissa No. 3, Andheri (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under section 269B of the said Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ms. Rajgir Builder.
(Transferor)
- (2) Mr. Hemant Kumar H. Patel,
Mr. Urimla Hemant Patel.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, 'Rajgir Milan' S. No. 77, Hissa No. 3, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29687/85-86 on 1-2-86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-86
Seal :

FORM ITNS-

(1) Acme & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Kiran A. Majumder.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29679/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Aradhana, Andheri (East), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961; in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the 4th floor of the building 'Aradhana' Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29679/85-86 on 1-2-86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-86
Seal :

FORM ITN—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

(1) M/s. Prince Plastics.

(Transferor)

(2) M/s. A.I Plastics.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/37EE/29690/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Unit No. 4 in Steelmade Industrial Estate, Marol Udyog, Premises Co.op. Society Ltd., Andheri (East), Bombay-59 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 4, Steelmade Industrial Estate, Marol Udyog Premises Co.op. Society Ltd., Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29690/85-86 on 1-2-86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-86

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30882/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingBuilding 'Lakarcade Off Andheri Kurla Road, Marol, Andheri
(E) situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 28-2-1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) M/s. Lok & Kadri Associates. (Transferor)
(2) Mr. Prem Hasmatrai Lalwani & (Transferee)
Mr. Ratnakar. (Person in occupation of the property)
(3) Transferors.
(4) Transferors.
(Person whom the undersigned knows to be in-
terested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

1635 sq. ft. on first to fourth floor A Wing & First Floor
B Wing of Building known as Lakarcade Off Andheri, Kurla
Rd., Marol, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30882/85-86
on 28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-86

Seal :

FORM ITNS-

(1) M/s. Vikas Properties.

(Transferor)

(2) Guru Bhagat Brar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30568/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 203/A in Vertex Vikas, Andheri (East), Bombay-69 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203/A in Vertex Vikas, Andheri (East), Bombay-69.
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30568/85-86 on 25-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-86
Seal :

FORM ITNS-

(1) M/s. Rajgir Builder.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Narain Das P. Chug &
Mr. Parekhchand T. Chug.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30668/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
Flat No. 501, Rajgir Milan, Andheri, situated at Bombay
Tardco, Bombay-400034
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Bombay on 28-2-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, 'Rajgir Milan', S. No. 77, Hissa
No. 3 Village, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30668/85-86
on 28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-86
Seal :

FORM ITNS-

(1) M/s. Rajgir Builder.

(Transferor)

(2) Mr. Niranjandas P. Chug &
Mr. Arjundas P. Chug.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30667/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502, 'Rajgir Milan', S. No. 77, Andheri (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable Property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 'Rajgir Milan', S. No. 77, Hissa No. 3, Village Andheri, Andheri Taluka.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30667/85-86 on 28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30545/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 491 (Pt.) Kondivita, BSD, Andheri (East), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

37—326GI/86

- (1) Mr. Micheal D'Silva. (Transferor)
- (2) Nathmal Gurdayal Bathwal. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)
- (4) Mrs. Mary Helena Vas. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing CTS No. 491 (Pt.) and benefit of 40% of set back over of Village Kondivita Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30545/85-86 on 25-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 9-10-86

Seal:

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE**

**NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION
MAY 1987**

New Delhi, the 15th November 1986

No. F.7/3/86-E.1(B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission on 3rd May 1987 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 79th Course commencing from January 1988.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army, 39 for Navy and 66 for the Air Force).

N. B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 9 of the Application Form published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 15th November, 1986. The Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that they will be considered for appointment to those services only for which they express their preferences and for no other service(s). No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme and syllabus of the examination (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc., for candidates joining the National Defence Academy and are given in Appendices I, II and III respectively.

2. CENTRES OF EXAMINATION :—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Simla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION. THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION [See para 8(ii) below].

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 3rd April, 1987, will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY :

(a) NATIONALITY : A candidate must be either :—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or

(iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

(b) AGE LIMITS, SEX AND MARITAL STATUS :

Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1969 and not later than 1st January, 1972 are only eligible.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a university, which extract must be certified by the proper authority of the university or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificates. These certificates are required to be submitted only after the declaration of the results of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporations, service records and the like will be accepted. The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Note 1—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

Note 2—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

Note 3—CANDIDATES MUST UNDERTAKE NOT TO MARRY UNTIL THEY COMPLETE THEIR FULL TRAINING. A CANDIDATE WHO MARRIES SUBSEQUENT TO THE DATE OF HIS APPLICATION THOUGH SUCCESSFUL AT THIS OR ANY SUBSEQUENT EXAMINATION WILL NOT BE SELECTED FOR TRAINING. A CANDIDATE WHO MARRIES DURING TRAINING SHALL BE DISCHARGED AND WILL BE LIABLE TO REFUND ALL EXPENDITURE INCURRED ON HIM BY THE GOVERNMENT.

(c) EDUCATIONAL QUALIFICATIONS : Higher Secondary Examination of a State Educational Board or of a recognised University or equivalent. Candidates who have passed the 11th class examination under the 10 + 2 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary examination or the 11th class examination under the 10 + 2 or equivalent Pattern of School Education can also apply.

Candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit Matriculation and/or Higher Secondary or equivalent certificates in original to Army HQ Rtg 6(SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110 022 by 26th December, 1987 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by

the Principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies/photostat copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE 1.—Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

NOTE 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

4. FEE

(i) Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

NOTE.—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application. APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER THE FOLLOWING PARAGRAPH.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

(ii) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian

Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions, viz.

- (a) they are studying in the Military School (formerly known as King George's School)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
- (b) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School, with the recommendation that they are expected to secure at least 50 per cent of the aggregate marks of the written papers.

NOTE.—Applications of candidates from the Military Schools/Sainik Schools forwarded by the Principals of the concerned schools will be scrutinised in the Commission's Office to determine whether such candidates are entitled to remission of fee in terms of para 4(iii) of the Notice above. The Principals of the Military Schools/Sainik Schools should however, satisfy themselves that students of their schools fulfil the requirements of the aforesaid provision of the Notice before forwarding their applications to the Commission. The Commission will not take any responsibility for any acts of omission or commission committed by the Principals.

(iv) A refund of Rs. 15/- (Rupees Fifteen) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or is not able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

(v) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty eight) will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination held in May, 1986 or December, 1986 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these examinations provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination May, 1987 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st August, 1987.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

5. HOW TO APPLY.—A candidate seeking admission to the Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011, on the application form published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 15th November, 1986. The candidates may utilise in original the form published in the Newspapers or in "Employment News" filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen. They may also use the application form and the attendance sheet neatly typewritten on white paper (foolscap size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available, from private agencies as long as the format is exactly the same as published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 15th November, 1986. Candidates should note that applications filled in on the application forms meant for the previous examinations will not be considered. Candidates should note that they should appear in the National Defence Academy Examination for all the papers in the examination on the same admission certificate and with the same Roll Number, even if they have received more than one admission certificate from the Commission. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as "APPLICATION FOR NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION, MAY 1987."

(a) A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Order or Indian Mission receipt for the prescribed fee (unless remission of fee is claimed).

- (ii) Attendance Sheet (vide Appendix II below) duly filled in on foolscap size paper.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate—one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided thereon.
- (iv) One self-addressed post-card.
- (v) Three self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms × 27.5 cms. size.

(b) Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificates has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

(c) All candidates, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for this Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination their applications shall be rejected/candidates shall be cancelled.

Candidates serving in the Armed Forces must submit their applications through their Commanding Officer who will forward it to the Commission.

The applications of Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rastriya Indian Military College (previously known as Sainik School), Dehra Dun, Student of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik School Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

NOTE :—APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE (UNLESS REMISSION OF FEE IS CLAIMED AS IN PARA 4 ABOVE) OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED. NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES. CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATE IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE, EDUCATIONAL QUALIFICATIONS, SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES, AND FEE REMISSION ETC. THEY SHOULD THEREFORE, ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL ELIGIBILITY CONDITIONS. THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED. CANDIDATES ARE REQUESTED TO KEEP READY THE FOLLOWING DOCUMENTS FOR SUBMISSION TO THE ARMY HEADQUARTERS SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WHICH IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JULY, 1987.

1. CERTIFICATE OF AGE.

2. CERTIFICATE OF EDUCATIONAL QUALIFICATION.

3. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM TO BELONG TO SCHEDULED CASTE/SCHEDULED TRIBE, WHERE APPLICABLE.

4. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM FOR FEE CONCESSION WHERE APPLICABLE.

5. IMMEDIATELY AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION SUCCESSFUL CANDIDATES WILL BE REQUIRED BY THE ARMY HEADQUARTERS TO FURNISH SOME ADDITIONAL INFORMATION. THE ATTESTED COPIES OF THE ABOVE MENTIONED CERTIFICATES WILL HAVE TO BE SENT TO THE ARMY HEADQUARTERS, AG's BRANCH RTG. 6(SP)(a) WEST BLOCK-3, WING-I RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110 022. AT THAT TIME, ORIGINALS WILL HAVE TO BE PRODUCED BY THE CANDIDATES WHO QUALIFY AT THE SSB INTERVIEW SOON AFTER THE INTERVIEW. IF ANY OF THEIR CLAIMS IS FOUND TO BE INCORRECT THEY MAY RENDER THEMSELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 6 BELOW :—

CANDIDATES MAY NOTE THAT THEY SHOULD NOT APPLY TO THE U.P.S.C. FOR APPLICATION FORM, RULES, SYLLABUS ETC. THE APPLICATION FORM PRINTED ALONG WITH THIS ADVERTISEMENT SHOULD BE USED AS EXPLAINED ABOVE.

6. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect; or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) Writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing, doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period :—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them.
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and

- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS :

The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 29th December 1986 (the 12th January 1987 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh division of J & K State, Lahaul & Spiti district and Pangi Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 29th December, 1986 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 29th December, 1986.

NOTE :

- (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

8. CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION/ ARMY HEADQUARTERS

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases.

- (i) Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of

applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

- (ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

- (iii) Admission certificates, indicating the Roll Nos. will be issued to the candidates who are admitted to the examination and the Roll No. indicated therein will be the same as the Application Registration No. already communicated to the candidates in their Acknowledgement Cards.

No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct.

- (iv) The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.
- (v) Candidate should note that the name in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.
- (vi) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission makes every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT : ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

1. NAME OF THE EXAMINATION.

2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

3. APPLICATION REGISTRATION NO. ROLL NUMBER (OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED).

4. NAME OF CANDIDATE IN FULL AND IN BLOCK LETTERS.

5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICATION.

N.B. (i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii) IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS OF THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY

HEADQUARTERS, A.G.'s BRANCH RTG., 6 (SP) (a) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, A.G.'s Branch RTG. 6 (SP) (a) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date mentioned in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates who qualify at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ, Rtg 6 (SP) (a), West Block III, R.K. Puram, New Delhi-110022, soon after the interview.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ, A.G.'s Branch Rtg. 6(SP) (a) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instruction issued by the Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instruction will rest with the candidate.

9. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES :—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately (i) written examination and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit List. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of Merit upto the number of vacancies available from the order to merit lists for the Army and Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject

to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE A'F FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE THE GRADES SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their application for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respect for admission to the Academy.

10. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE :—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer-like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

11. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examination or Selections.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

12. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. K. KRISHNAN,
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

APPENDIX-I (THE SCHEME AND SYLLABUS OF EXAMINATION)

A SCHEME OF THE EXAMINATION IMPORTANT NOTE

A. SCHEME OF THE EXAMINATION IMPORTANT NOTE

Union Public Service Commission in consultation with the Ministry of Defence have simplified the previous Scheme of

National Defence Academy Examination. The previous Scheme of the National Defence Academy Examination comprised five papers. 2 of Mathematics, 2 of General Knowledge and 1 of English, each of two hours duration spread over a period of three days. The new revised Scheme which has been introduced from National Defence Academy Examination, December, 1986 is a simplified one and consists of two papers—(i) Mathematics covering Maths I and II of previous Scheme, and (ii) General Ability Test covering General Knowledge and the English of previous Scheme as per details given below :—

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

Subject	Duration	Max. Marks
Mathematics	3 hours	300
General Ability Test	3 hours	600
		900

2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. THE QUESTION PAPERS (TEST BOOKLETS) WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

The "Candidates Information Manual" containing details pertaining to objective type Tests including sample questions will be supplied to candidates alongwith the Admission Certificate.

3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have descretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

6. The candidates are not permitted to use calculators or Mathematical or logarithmic tables for answering objecting type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside examination hall.

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION PAPER—I MATHEMATICS—Maximum Marks...300.

Arithmetic

Number Systems—Natural numbers. Integers, Rational and Real number, Fundamental operation—addition, subtraction, Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory. Division algorithm. Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9, and 11. Multiples and factors Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10 laws of logarithms.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and Circles. Area of figures which can be split up into these figures (Field Book). Surface area and volume of suboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations to two 39—326 GI/86

unknown analytical and graphical solutions, Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expression and conditional identities. Law of indices.

Geometry

Lines and angles. Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of its tudes, (viii) Properties of angles, sides and diagonals of its parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and their

Trigonometry

Sine × Cosine × Tangent × when $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$

Value of $\sin \times \cos \times$ and $\tan \times$ for $0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90° ,

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms bar charts pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data.

PAPER-II-GENERAL ABILITY TEST (Maximum Marks—600).

Part 'A'—ENGLISH (Maximum Marks 200)

The question paper in English will be designed to test the candidate's understanding of English and work-man-like use of words. The syllabus covers various aspects like : Grammar and usage, vocabulary comprehension and cohesion in extended texts to test the candidate's proficiency in English.

Part 'B'—GENERAL KNOWLEDGE (Maximum Marks—400).

The question paper on General Knowledge will broadly cover the subjects; Physics, Chemistry, General Science, Social Studies, Geography and Current Events.

The syllabus given below is designed to indicate the scope of these subjects included in this paper. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive, and questions of topics of similar nature not specifically mentioned in the syllabus may also be asked. Candidate's answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the subject.

Section 'A' (Physics)

Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity, Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects, Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces, Stability and Equilibrium of bodies, Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound waves and their properties, Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refractions, Spherical mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet, Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors, Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating,

Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power, Primary and Secondary Cells. Use of X-Rays.

General Principles in the working of the following :—

Simple Pendulum, Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer, Pressure Cooker, Thermos Flask, Gramophone, Telegraphs, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses,

Section 'B' (Chemistry)

Physical and Chemical changes, Elements, Mixtures and Compounds, Symbols, Formulae and simple Chemical Equations. Law of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide, Oxidation and Reduction.

Acids, Bases and Salts.

Carbon—Different forms.

Fertilizers—Natural and Artificial.

Materials used in the preparations of substances like Soap, Glass Ink Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun-Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom Atomic Equivalent and Molecular Weights. Valency.

Section 'C' (General Science)

Difference between the living and non-living.

Basis of Life-Cells Protoplasm and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food-Source of Energy for Man. Constituent of food, Balanced Diet.

The Solar System Meteors and Comets, Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

Section 'D' (History, Freedom Movement etc.)

A broad survey of Indian History, with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Years Plans of India.

Panchavati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State, Basic teaching of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance Exploration and Discovery; War of American Independence, French Revolution, Industrial Revolution, and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society.

Concept of one World, United Nations Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism, Role of India in the Present world.

Section 'E' (Geography)

The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification, Weathering Mechanical and Chemical, Earthquakes, and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure, Planetary Winds, cyclones and Anticyclones; Humidity; Condensation and Precipitation; Types of Climate. Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources, location and distribution of agricultural and industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

Section 'F' (Current Events)

Knowledge of Important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

NOTE :—

Out of maximum marks assign to part 'B' of this paper questions on Sections 'A', 'B', 'C', 'D', 'E' and 'F' will carry approximately 25%, 15%, 10%, 20%, 20% and 10% weightages, respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Test, such as group discussions, group-planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interest in current affairs.

APPENDIX II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

NOTE :—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW :—

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Boards and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below :—

- The candidate must be in good physical and mental health and free any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- There should be no evidence of weak constitution bodily defects of under-weight.
- The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cms. for Navy and 162.5 cms. for Air Force) For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable heights will be 5 cms. less. In

case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below :—

HEIGHT/WEIGHT STANDARDS

Height in Centimetres (without shoes)	Weight in Kgs.		
	15-16 years	16-17 years	17-18 years
152	41.0	42.5	44.0
155	42.0	43.5	45.3
157	43.0	45.0	47.0
160	45.0	46.5	48.0
162	46.5	48.0	50.0
165	48.0	50.0	52.0
167	49.0	51.0	53.0
170	51.0	52.5	55.0
173	52.5	54.5	57.0
175	54.5	56.0	59.0
178	56.0	58.0	61.0
180	58.5	60.0	63.0
183	61.0	62.5	65.0

A + 10% (\pm A 6Kgs. for Navy) departure from the average weight given in the table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broad-built as well as individuals with thin built but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

Note 1 :—Height relaxation upto 2.5 (5 cm for Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that the candidates is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training.

Note 2 :—To meet special requirement as a Pilot in the Air Force the acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under :—

	Minimum	Maximum
Leg Length	99.00	120.00 cms
Thigh Length	—	64.00 cms
Sitting Height	81.50	96.00 cms

On account of lower age of NDA candidates, a margin of upto 5.0 cm in height, 2.5 cm in leg length (minimum) and 1.0 cm sitting height (minimum) may be given provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come upto the required standard on completion of his training in NDA.

(d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.

(e) There should be no disease of bones and joints of the body. X-ray of spine of candidates will not be carried out as a routine. It will, however, be done on the advice of surgical specialist wherever clinically indicated. Minor congenital defects which are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit.

FOR AIR FORCE

Spinal Conditions

- (1) The following past medical history is disqualifying for Air Force duties;
 - (i) Disease or injury of the spine or sacroiliac joint either with or without objective sign, which has prevented the candidate from successfully following a physically active life.
 - (ii) prolapse intervertebral disc and surgery for that condition.
- (g) Thorough Clinical examination of the spine including its shape, local tenderness if any, spinal movements etc. is to be carried out. For candidates for aircrew duties only, X-ray of lumbosacral vertebrae (AP and Lateral views), is to be carried out.
- (h) Mild Kyphosis or Lordosis where deformity is barely noticeable and there is no pain or restriction of movement will not preclude acceptance.
 - (i) In case of noticeable Scoliosis or suspicion of any other abnormality or spinal deformity, more than mild, appropriate X-rays of the spine are to be taken and the Examinee referred for specialist's advice.
- (j) The following conditions detected on X-ray examination will be disqualifying for entry to Air Force :
 - (i) Granulomatous disease of spine.
 - (ii) Arthritis/spondylosis.
 - (iii) Scoliosis more than 15 degree as measured by Cobb's Method.
 - (iv) More than mild Kyphosis/Lordosis.
 - (v) Spondylosis/Spondylosis.
 - (vi) Herniated nucleus pulposus.
 - (vii) Compression fracture of Vertebra.
 - (viii) Schurman's Disease.
 - (ix) Cervical ribs with demonstrable neurological or Circulatory deficit.
 - (x) Any other spinal abnormality, if so considered by the Specialist.
- (k) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (l) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat. Audiometric test will be done for AP. Audiometric loss should not exceed + 10db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz.
- (m) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.
- (n) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (o) Unoperated hernias will make a candidate unfit. If operated this should have been done at least a year prior to the present examination and the healing is complete.
- (p) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- (q) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (r) Any disease of skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.

APPENDIX III

(Brief Particulars of the Services etc.)

- (a) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses. (For Navy 6/6, 6/9 without glasses and Air Force without glasses only). Myopia, should not be more than 2.5 D and hypermetropia, not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP III for Army. A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have CPI by MLT and normal night vision acuity. They will be required to give certificate that neither he nor any member of his family had suffered from congenial night blindness.

Vision standard for Naval candidates

Distant vision—6/6 6/9 Correctable to 6/6

Near vision—N-5 each eye

Colour vision CPI by MLT.

Myopia is not to exceed 0.5 dioptries and Hypermetropia not more than 1.50 dioptries in the better eye and 2.50 dioptries in the worse eye.

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the

Maddox Rod test must not exceed

- | | |
|-----------------|---|
| (i) at 6 metres | Exophoria 8 prism dioptries
Esophoria 8 prism dioptries
Hyperphoria 1 prism dioptries |
| (ii) at 33 cm | Exophoria 16 prism dioptrie
Esophoria 6 prism dioptrie
Hyperphoria 1 prism dioptrie |

for Air Force, the criteria are :—

Distant Vision . . . 6/6 6/9 correctable to 6/6

Near Vision . . . N-5 each eye

Colour Vision . . . CPI (MLT)

Manifest

Hypermetropia . . . Must not exceed 2.10

Myopia . . . Nil

Astigmatism . . . + 0.75 D Cyl

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod Must not exceed—

- | | |
|------------------------|--|
| (i) at 6 metres | Exophoria 6 prism dioptries
Esophoria 6 prism dioptries
Hyper/Hypophoria 1 prism dioptrie. |
| (ii) at 33 cms | Exophoria 16 prism dioptrie
Esophoria 6 prism dioptrie
Hyper/Hyperphoria 1 prism dioptrie. |
| (iii) Binocular Vision | Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth.) |

- (t) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.

- (u) Routine ECG and EEG for Air Force Candidates must be within normal limits.

1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign :—

- (a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

- (b) a bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 75.00 p.m. If in any case a cadet's parents are unable to meet wholly or partly even this assistance up to Rs. 75.00 p.m. for the 1st and 2nd years. Rs. 80.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 90.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 75.00 per month	Rs. 375.00
(b) for items of clothing and equipment	Rs. 650.00
(c) Incidental Expenditure during I Semester	Rs. 150.00
Total	Rs. 1175.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them :

- | | |
|--|------------|
| (a) Pocket allowance for five months at
Rs. 75.00 per month | Rs. 375.00 |
| (b) For items of clothing and equipment
approximately | Rs. 475.00 |

4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy :

(1) PARSHURAM BHAI PATWARDHAN Scholarship—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parents' income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadets

stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishment subject to the Cadets good conduct and satisfactory progress in the training and his parents' income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship—The scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Khadakwasla and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College; and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institution.

(4) ASSAM GOVERNMENT Scholarship—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(5) UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.

(6) KERALA GOVERNMENT Scholarships—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.

(7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.

(8) ORISSA GOVERNMENT SCHOLARSHIPS—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.

(9) WEST BENGAL GOVERNMENT SCHOLARSHIPS—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residence of WEST BENGAL :—

- (a) Category 1.—These scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360/- per annum during 1st and 2nd years at the Rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and each year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.

- (b) Category 2.—The scholarship of a lumpsum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.

(10) Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL scholarships—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year ((during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipt the Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.

(11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 48.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parents income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for this scholarship.

(12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of TAMIL NADU whose parents/guardians monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

(13) KARNATAKA GOVERNMENT Scholarship—The Government of Karnataka has awarded 18 scholarships (eighteen Scholarships) 9 in respect of courses commencing from January and 9 in respect of course from July every year for award to cadets from Karnataka State who join the National Defence Academy after completion of their education at the Sainik School, Bijapur or at the Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun. The value of the scholarship shall be Rs. 480/- (Rupees four hundred and eighty) each per annum.

Four (4) more scholarships (two per term) at the rate of Rs. 480/- per annum for the cadets of Karnataka State who join NDA after completion of education other than at Sainik School, Bijapur/RIM College, Dehra Dun have been awarded.

(14) ALBERT EKKA Scholarship—The Government of Bihar has instituted at NDA 25 Merit Scholarship at Rs. 50/- per month for entire period of six terms at the NDA and Rs. 650/- one time towards clothing and equipment. The cadet awarded the above merit scholarship would not be eligible for any other scholarship or financial assistance from the Government. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant National Defence Academy on their arrival.

Terms and conditions governing these scholarship are obtainable from the Commandant, National Defence Academy

KHADAKWASLA, Pune (411023).

5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects :—

- (a) English;
- (b) Mathematics;
- (c) Science;
- (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject

at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their Studies after the competitive examination.

Training

6. The selected candidates for the three services viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc./B.A. degree from Jawaharlal Nehru University, Delhi.

7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun, Naval Cadets to the Cadets Trainingship and Air Force cadet to

EFS BIDAR.

8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officer capable of leading infantry Sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt. subject to being medically fit in "SHAPE".

9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.

10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 1½ years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

11. ARMY OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut	750—790	Lt. Colonel	1900 fixed (time scale)
Lieut Captain	830—950	Colonel	1950—2170
Captain	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1450—1800	Major-General	2500—125/—2750
Major (Selection Grade)	1800—50—1900		
Lt. Colonel by selection	1750—1950	Lt. General	3000 p.m.
Lt. Col. (Selection Grade Pay)	2000—50—2100	Lt. General (Army Commander)	3 250 p.m.

(ii) QUALIFICATION, PAY AND GRANT

Officers of the rank Lt. Col. and below possessing certain prescribed qualification are entitled to lump sum grant of Rs. 1600/- 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying instructors (Cat 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances :—

- Compensatory (City) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- A kit maintenance allowance of Rs. 75/- p.m.
- Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- Separation allowance—Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140/- P.m.
- Outfit Allowance—Initial outfit allowance is Rs. 2100/-. A fresh outfit allowance @ Rs. 1800/- is payable against claim after every 7 years of effective service commencing from the date of first commission.
- Free rations are provided upto the level of Brigadier in the Army.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve any where in India and abroad.

(v) PROMOTION

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks.

(i) By Time Scale	Minimum Service Limit
Lt	2 years of Commissioned service
Captain	6 years of commissioned service
Major	13 years of commissioned service
Lt. Col. from Major if promoted by selection	25 years of commissioned service
(ii) By Selection	
Lt. Col	15 years of commissioned service
Col	20 years of commissioned service
Brigadier	23 years of commissioned service
Major Gen	25 years of commissioned service
Lt. Gen	28 years of commissioned service
Gen	No restriction.

(b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies :

Captain	3 years
Major	6 years
Lt. Colonel	6-1/2 years
Col.	8-1/2 years
Brigadier	12 years
Maj. General	20 years
Lt. General	25 years

12. NAVAL OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scales	
	General service	Naval Aviation and Submarine
	Rs.	Rs.
Midshipman	560/-	560/-
Ag. Sub. Lieut	750/-	825/-
Sub-Lieut	830-870	910-950
Lieut	1100-1450	1200-1550
Lieut Cdr	1450-1800	1450-1800
Lieut Cdr. (Selection Grade)	1800-1900	1800-1900
Cdr.	1750-1950	1750-1950
Cdr. (Time Scale)	1900 (Fixed)	1900 (Fixed)
Cdr. (Selection Grade)	2000-2100	2000-2100
Captain	1950-2400	1950-2400
	Commodore receives pay to which entitled according to Seniority as captain.	
Rear Admiral	2500-125/2-2750	
Vice-Admiral	3000/- p.m.	
Vice Admiral (VCNS/POC-in-C)	3250/- p.m.	

Qualifications pay/grant is also admissible to—

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them. Flying Navigator/Instructor categories A & B are authorised to qualification pay of Rs. 100/- and 70/- p.m. respectively.

(ii) ALLOWANCE

- Compensatory (City) Allowance, Dearness Allowances and interim relief are admissible at the same rates and under same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- Kit Maintenance Allowance at the rate of Rs. 75/- p.m.
- Expatriation Allowance when serving ashore ex-India or afloat outside certain longitudinal and latitudinal limits. The rates vary from Rs. 50/- p.m. to Rs. 250/- p.m. depending on ranks.
- Separation Allowance at the Rate of Rs. 140/- p.m. to married officers serving afloat during the period their ship is away from its base port.
- Outfit Allowance at Rs. 2400/- on first Commissioning Renewal Outfit Allowance of Rs. 2100/- after every seven years of effective service.
- Free rations are provided upto the level of Commodore in the Navy.
- Encashment or unavailed Annual Leave @ of 30 days per year for a maximum of 180 days on superannuation.

Naval Aviation Officers are entitled to Flying Pay at monthly rates and under the conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers and Officers of Engineering and Electrical Branches are entitled to Technical Pay ranging from Rs. 75/- to 250/- p.m.

In addition to above, Naval Officers are also entitled to certain special concessions; like hardy money submarine

allowance, submarine pay, diving pay and survey bounty on fulfilment of certain conditions attached to each.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks—

By Time Scale

Sub Lt.	1 year
Lt.	3 years (subject to gain forfeiture of seniority)
Lt. Cdr.	8 years seniority as Lt.
Cdr.	24 years commissioned service (if not promoted by selection)

By Selection

Cmdr. Executive Branch	2—8 years of seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Engineering Branch	2—10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Electrical Branch	2—10 years seniority as Lt. Cdr.
Capt.	4 years seniority as Cdr.
Rear Admiral	No restriction
Vice Admiral	No restriction

(b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

13. AIR FORCE OFFICER

(i) PAY

Rank	Pay Scale
	Rs.
Plt. Offr	825—865
Fg. Offr.	910—1030
Flt. Lt.	1300—1550
Sqn. Ldr.	1650—1800
Wg. Cdr. (Selection)	1750—1950
Wg. Cdr. (Time Scale)	1900 (fixed)
Gp. Capt.	1950—2175
Air Cdr.	2200—2400
Air Vice-Marshal	2500—2750
Air Marshal	3000
Air Marshal (VCAS and AOSC-in-C)	3250
Air Chief Marshal (CAS)	4000

(ii) ALLOWANCES

- Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rate :—

	Rs.
Plt. Offr. to Wg. Cdr.	750.00 p.m.
Gp. Capt. and Air Cdr.	666.00 p.m.
Air Vice Marshal & above	600.00 p.m.

(b) *Qualification Pay/Grant*—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualification at the rate given below :—

Qualification Pay	Rs. 100 p.m. of Rs. 70 p.m.
Qualification Grants	Rs. 6000/- or Rs. 4500/- Rs. 2400/- or Rs. 1600/-

(c) *Kit Maintenance Allowance* at the rate of Rs. 75/- p.m.

(d) *Expiation Allowance*—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single. Third Secretary Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

(e) *Separation Allowance*—Married Officers of the rank of Air Vice Marshal and above posted to Units/Formations located at Non-family stations areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.

(f) *Outfit Allowance*—Rs. 2100/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess; Rs. 1800/- for renewal after every seven years.

(g) Free rations are provided upto the level of Air Commodore in the Air Force.

(iii) PROMOTIONS

Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks—

By Time Scale

Flying Officer	1 year commissioned service.
Flt. Lt.	5 years Commissioned service.
Sqn. Ldr.	11 years commissioned service.

Wg. Cdr. On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection

By Seldction

Wg. Cdr.	15 years reckonable total commissioned service.
Gp. Capt.	22 years reckonable total commissioned service.
Air Cmdr.	24 years reckonable total commissioned service.
Air Vice-Marshal	26 years reckonable total commissioned service.
Air Marshal	28 years reckonable total commissioned service.

(b) Acting Promotion

The following are the minimum service limit required acting promotion of officers

Flt. Lt.	2 years
Sqn. Ldr.	5 years
Wg. Cdr.	5 years (After service of 1 year in the rank of Sqndr.)
Gp. Captain	8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdr.	11-1/2 years (After service of 3 years in the ranks of) Wg. Cdr. and Gp. Captan..
Air Vice-Marshal	15 years (After service of 5 years in the ranks of Wg. Cdr., Gp. Capt. and Air Cdr.)
Air Marshal	23 years

I clusive of broken period.

14. RETIRING BENEFITS

Pension, gratuity and casually pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

15. LEAVE

Leave will be admissible in according with the rules in force from time to time.